वर्ष : 15 | अंक : 57 | जयपुर | सोमवार , 30 दिसम्बर, 2024 | पौष, कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत्-2081 | भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य : ₹ 2 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

पक्षियों के झुंड से टकराया विमान

179 यात्रियों की मौत

जेजू एयर के सीईओ ने घटना पर जताया दुख

बढ़ता राजस्थान

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए 'जेजू एयर' विमान में सवार 181 यात्रियों में से महज दो ही लोग जिंदा बच पाए हैं। दोनों चालक दल के सदस्य हैं। बाकी के 179 यात्रियों की दुखद घटना में मौत हो गयी है। सामने आयी जानकारी के अनुसार, अधिकारियों का मानना है कि विमान हादसा पक्षियों के टकराने की वजह से हुआ। पक्षियों के झुंड से टकरा जाने की वजह से विमान का लैंडिंग गियर खराब हो गया और वह रनवे से फिसलकर हवाई अड्डे की दीवार से टकराने के बाद आग की लपटों में घिर गया।

पूरी तरह नष्ट हुआ विमान

मुआन अग्निशमन केंद्र के प्रमुख ली जियोंग-ह्योन ने संवाददाताओं से कहा कि विमान पूरी तरह से नष्ट हो गया है और मलबे के बीच केवल 'टेल असेंबली' ही पहचानी जा सकती है। ली ने बताया कि कर्मचारी दुर्घटना के कारणों के बारे में विभिन्न संभावनाओं की जांच कर रहे हैं। इसमें विमान के पक्षियों से टकराने के पहलू की भी जांच की जा रही है।

पायलट ने भेजा था संदेश

परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि संचार रिकॉर्ड के उनके शुरुआती आकलन से पता चला कि हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर ने विमान को उतरने से कुछ समय पहले पक्षियों के टकराने की चेतावनी जारी की और पायलट को एक अलग क्षेत्र में उतरने की अनुमति दी। अधिकारियों ने कहा कि पायलट ने दुर्घटना से पहले संकट संकेत भेजा था।

ब्लैक बॉक्स मिला, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग उपकरण की तलाश जारी

परिवहन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी जू जोंग-वान ने बताया कि कर्मचारियों ने विमान के ब्लैक बॉक्स से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर को निकाल लिया है और 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग' उपकरण की तलाश की जा रही है।

जेजू एयर के सीईओ ने दुख व्यक्त किया

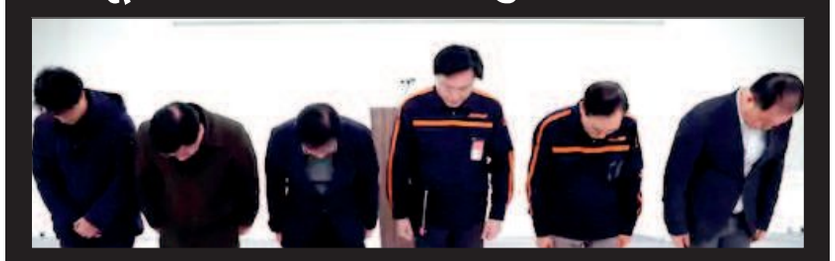

जेजू एयर के सीईओ किम ई-बे ने एक बयान जारी कर दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, किम ने अपने बयान में कहा, कारण चाहे जो भी हो, मैं सीईओ के रूप में पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। जेजू एयर कंपनी ने दुर्घटना से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ने का आश्वासन दिया। एक बयान में, कंपनी ने कहा, जेजू एयर दुर्घटना का जवाब देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

जनवरी तक 6 से ज्यादा राज्यों में भाजपा अध्यक्ष बदलेंगे

नया राष्ट्रीय अध्यक्ष फरवरी तक, इससे पहले 50% राज्यों में संगठन चुनाव जरूरी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा में फरवरी तक संगठन स्तर पर बड़ा फेरबदल होने वाला है। नए साल में जनवरी के आखिरी या फरवरी के पहले हफ्ते में पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। इसके अलावा 15 जनवरी तक मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड में प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे।

संगठन चुनाव को लेकर रविवार को दिल्ली में पार्टी की बैठक हुई। बैठक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन महामंत्री बीएल संतोष के अलावा राष्ट्रीय महासचिव और संगठन चुनाव प्रभारी, सह प्रभारी भी मौजूद रहे। इसके अलावा राज्यों से प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री और चुनाव अधिकारी शामिल हुए। बैठक में संगठनात्मक चुनाव और सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा हुई।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव के चलते बढ़ा नड्डा का कार्यकाल जेपी नड्डा को जून, 2019 में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष और जनवरी, 2020 में पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया था। पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। इस लिहाज से नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। तब लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। भाजपा के संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है।

मन की बात में बोले पीएम मोदी : महाकुंभ 2025 में पहली बार होगा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने महाकुंभ को एकता का महाकुंभ बताया। साथ ही उन्होंने लोगों से इस आगामी भव्य धार्मिक समागम से समाज से नफरत और विभाजन को खत्म करने के संकल्प के साथ लौटने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि पहली बार महाकुंभ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा पीएम ने सविधान का भी जिक्र किया और कहा कि यह समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है।

अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा: पीएम मोदी

महाकुंभ का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, महाकुंभ की विशेषता केवल इसकी विशालता में ही नहीं है, कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परम्पराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस

आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता है, कोई बड़ा नहीं होता है, कोई छोटा नहीं होता है। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलेगा।

पीएम ने आगे कहा, पहली बार कुंभ आयोजन में एआई चेटबॉक्स का प्रयोग होगा। एआई चैटबॉक्स के माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में कुंभ से जुड़ी हर तरह की जानकारी हासिल की जा सकेगी। इस एआई चैटबॉक्स से कोई भी टेक्स्ट टाइप करके या बोलकर किसी भी तरह की मदद मांग सकता है।

पहली बार कुंभ आयोजन में एआई चैटबॉक्स का प्रयोग होगा। एआई चैट बाक्स के माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में कुंभ से जुड़ी हर तरह की जानकारी हासिल की जा सकेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में देशवासियों को किया संबोधित, कहा 'संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट' - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुना प्रधानमंत्री का उद्बोधन

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 117वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएमआर पर मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद एवं विधायकगण के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना।

मोदी ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को संविधान लागू होने के 75 साल पूरे हो रहे हैं। ये हमारे लिए गर्व की बात हैं। संविधान हमारे लिए गाइडिंग लाइट है, हमारा मार्गदर्शक है। संविधान की वजह से ही आज मैं आपसे बात कर पा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि इस साल 26 नवंबर को संविधान दिवस से एक साल तक चलने वाली कई एक्टीविटिज शुरू हुई हैं। देश के नागरिकों को संविधान की विरासत से जोड़ने के लिए constitution|z.com नाम से एक खास वेबसाइट भी बनाई गई है।

भाजपा फर्जी वोटिंग करानी चाहती है : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा- दिल्ली में भाजपा ने ऑपरेशन कमल शुरू कर दिया है। वे इस बार फर्जी वोटिंग के सहारे जीतने का प्लान बना रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा- पिछले 15 दिनों में वोटर्स के आंकड़ों में गड़बड़ी देखने को मिली है। इस दौरान 5000 नाम कटवाने और 7500 नए नाम जुड़वाने को लेकर चुनाव आयोग को एप्लिकेशन दी गई है। केजरीवाल नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने अभी तक किसी भी सीट पर उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। उधर आप सांसद संजय सिंह का दावा है कि बीजेपी ने उनकी पत्नी अनीता सिंह का भी वोटर लिस्ट से नाम कटवाने की एप्लिकेशन दी है।

रामाज रिसोर्ट में मनाये नए साल-2025 का जश्न

टोंक रोड स्थित रामाज् रिसोर्ट इस बार आपके लिए लेकर आया है शानदार न्यू ईयर सेलिब्रेशन। 31 दिसंबर 2024 की रात को हमारे साथ मनाएं और इस नए साल को बनाएं यादगार। आप अपनी फैमिली, कपल, फ्रेंड्स के कार्यक्रम में शामिल हो सकते है। लाइव डीजे म्यूजिक, स्पेशल वेज डिनर, अद्भुत आतिशबाजी का नज़ारा और स्विमिंग पूल पार्टी। इसके साथ ही, हमारे स्पेशल स्टे पैकेज में आरामदायक और लक्ज़री रूम, सुबह का नाश्ता और न्यू ईयर डिनर शामिल है। शुरुआती बुकिंग पर आकर्षक छूट भी उपलब्ध है। इसके अलावा आप एंकर श्याम सिंह और सोनिया शर्मा के साथ मज़ेदार गेम्स में भाग लेकर जीतें रोमांचक इनाम,फ्री

कपल नाईट स्टे आदि उपहार । तो इस नए साल को खास बनाने का मौका हाथ से न जाने दें। जल्दी करें, क्योंकि सीटें सीमित हैं। बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए हमें कॉल करें ।

रामाज् रिसोर्ट -52 मेन टोंक रोड, निवाई, आइए और हमारे साथ मिलकर नए साल का जश्न मनाएं। 9414265911, 8233263628

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, निम्बाहेड़ा, चूरू, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

ग्लोबल वीपीएल-8 लीग में मेवाड़ रॉयल्स की शानदार जीत

मेवाड़ रॉयल्स ने एनसीआर रॉयल्स को 38 रनों से हराया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर के राइजिंग राजस्थान क्रिकेट अकादमी, जगतपुरा में खेले गए ग्लोबल वीपीएल-8 के लीग मैच में मेवाड़ रॉयल्स ने एनसीआर रॉयल्स को 38 रनों से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

एनसीआर रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, और मेवाड़ रॉयल्स ने 15 ओवर में 99 रन बनाये। प्रियंक ने 22 गेंदों में 23 रन, यश विजयवर्गीय ने 25 गेंदों में 21 रन और चेतन गुप्ता ने नाबाद 20 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूत किया।

एनसीआर रॉयल्स जवाब में 15 ओवर में 61/8 रन ही बना सकी। मेवाड़ रॉयल्स के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विवेक (3 ओवर, 8 रन, 2 विकेट) और यश विजयवर्गीय (3 ओवर, 14 रन, 2 विकेट) ने कड़ी चुनौती दी। मेवाड़ रॉयल्स की फील्डिंग भी लाजवाब रही, जिसमें कई अहम रन-आउट किए गए।

मुख्य प्रदर्शनकर्ता

- **बल्लेबाज**-प्रियंक (22 रन), यश विजयवर्गीय (21 रन), चेतन गुप्ता (20 रन)
- **गेंदबाज**-विवेक (2/8), यश विजयवर्गीय (2/14), मनीष (2/20)
- **परिणाम**-मेवाड़ रॉयल्स ने 38 रनों से जीत दर्ज की, और यश विजयवर्गीय 21 रन और दो विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने।

वॉल सिटी 11 ने थे नेक्स्ट जेनरेशन चैंप फरीदाबाद को 9 विकेट से हराया : रविवार के दूसरे मुकाबले में, वॉल सिटी 11 ने थे नेक्स्ट जेनरेशन चैंप फरीदाबाद को शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 विकेट से हराया। वॉल सिटी 11 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया।

पहली पारी : थे नेक्स्ट जेनरेशन चैंप फरीदाबाद की टीम 14.5 ओवर में मात्र 75 रन पर ऑलआउट हो गई। अशिष ने 21 रन (20 गेंदों में) और अभिनव जॉर्डन ने 11 रन (16 गेंदों में) बनाये। वॉल सिटी की ओर से अदित्य (3 ओवर, 19 रन, 3 विकेट) और अनिल विजय (2.5 ओवर, 13 रन, 2 विकेट) ने शानदार गेंदबाजी की। वॉल सिटी 11 ने मात्र 12 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

प्रमुख बल्लेबाज

- **दीपक विजय**- 31 रन (26 गेंदों में, 2 चौके, 2 छक्के)
- **अदित्य**- 21 रन (15 गेंदों में, 3 चौके)

मेवाड़ रॉयल्स ने जयपुर सुपर किंग्स को हराया

ग्लोबल वीपीएल-8 लीग के तीसरे मुकाबले में मेवाड़ रॉयल्स ने जयपुर सुपर किंग्स पर शानदार जीत दर्ज की। मेवाड़ रॉयल्स ने 62 रनों के मामूली लक्ष्य को मात्र चार ओवर में 9 विकेट खोकर हासिल कर शानदार जीत हासिल की।

'मानवीय शक्ति का मंत्र स्वयं से सिद्धि' बहुत ही जोश, उमंग और उल्लास के साथ आयोजित

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ़ दी माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर के रुद्राक्ष सभागार में वार्षिकोत्सव विराट मानवीय शक्ति का मंत्र स्वयं से सिद्धि बहुत ही जोश, उमंग और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संगीतमयी नृत्य-नाटिकाओं व नाट्य मंचन द्वारा आत्म-चिंतन व आत्मनिर्णय के महत्व को दर्शाते हुए अंतर्निहित योग्यताओं को पहचानने के लिए दर्शकों व विद्यार्थियों को प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की विविध गतिविधियों में अपनी प्रतिभा को उद्घाटित कर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ हासिल करने वाले होनहार एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह में उत्तर-पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक अशोक माहेश्वरी ने मुख्य अतिथि पद को सुशोभित किया, साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में ष्ट्रद्धह्लद्वद्य फार्मा (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष विनोद कालानी व अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध-निदेशक पी. के. वर्मा जी ने समारोह में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ईसीएमएस के अध्यक्ष केदारमल भाला ने आमंत्रित अतिथिगण का स्वागत करते हुए माहेश्वरी शिक्षा समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नव परिवर्तनों से अवगत कराया। विद्यालय के मानद् सचिव सीए. गणेश बांगड़ ने एनईपी- 2020 के अनुरूप किए जा रहे नवाचारों व आगामी वर्षों में प्राप्त किए जाने वाली लक्ष्यो से अवगत कराया.एवं अप्रैल, 2024- 25 से एमपीएस प्रताप नगर में प्री-प्राइमरी कक्षाओं के लिए संस्कृति विद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में माहेश्वरी शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष बजरंग लाल जी बाहेती, भवन मंत्री अजय जी सारड़ा व विद्यालय प्रबंध समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्य रीटा भार्गव ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सत्र 2024-25 में विद्यार्थियों द्वारा विविध शैक्षिक एवं सह शैक्षिक उपलब्धियों की संक्षिप्त विवेचना प्रस्तुत करते हुए सुदूर भविष्य में और भी श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने हेतु उत्प्रेरित किया। वार्षिकोत्सव की उत्साह से भरी सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि अशोक महेश्वरी ने विद्यालय में हो रहे नवाचार युक्त गतिविधियो एवं विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के सरोकारों से जोड़े रखने वाले प्रयासों की सराहना की।

गोविंद देव जी मंदिर के सत्संग हॉल में होगा संगीतमय आयोजन

नानी बाई रो मायरो कथा का आयोजन 3 जनवरी से

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। गुलाबी शहर के प्रमुख आराध्य ठिकाना मंदिर गोविंद देव जी के सत्संग हॉल में नानी बाई रो कथा का आयोजन 3 जनवरी से 5 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। आयोजक अशोक गढ़वाल, जितेंद्र गढ़वाल, गिर्राज गढ़वाल ने बताया कि इस तीन दिवसीय महोत्सव के तहत 3 जनवरी शुक्रवार को पहले दिन श्री कृष्ण चरण अनुरागी श्रीनिवास शर्मा कोलकाता के मुखारविंद से नानी बाई रो मायरो कथा का वाचन किया जाएगा। आयोजन के तहत सत्संग भवन में विधिवत पूजा और मंदिर में दर्शन के साथ शुरुआत होगी।

इस मौके पर भक्तिमय, संगीतमय नृत्य नाटिका के आयोजन में भक्तगण प्रमुख भजन और रोचक पूर्ण प्रसंगों का आनंद लेंगे। कथा का आयोजन रोजाना दोपहर 12.00 बजे से 4.30 बजे तक होगा। इस मौके पर भगवान राधा कृष्ण का विशेष दरबार सजाया जाएगा। आयोजन में गोविंद जी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित होंगे। नानी बाई रो मायरो में कोलकाता के अन्य कलाकार अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से भगवान के प्रसंगों पर भक्तों को रिझाएंगे। नानी बाई रो मायरो में विशेष रूप से संयोजक मदन मोहन सैनी, श्रवण चौहान, मोहनलाल सैनी, सागर मावर एवं मोहनलाल सत्संग हाल में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर भक्तों का मार्गदर्शन करेंगे।

कथा में संदेश देंगे की समाज में कोई अमीर और गरीब नहीं होता

आयोजक भक्तों के अनुसार जिस तरह अयोध्या की नगरी में भक्त प्रभु श्रीराम की जय-जयकार करते हैं, ठीक वैसे ही मथुरा में भक्तों के बीच बांके बिहारी यानी भगवान श्रीकृष्ण हमेशा मौजूद रहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की जो लीलाएं हैं, उनकी संख्या बहुतायत है। उनसे जुड़ा ही एक ऐसा प्रसंग है, जिसके माध्यम से पूरी दुनिया को यह संदेश प्रभु देते हैं कि समाज में कोई अमीर और गरीब नहीं होता। प्रभु श्रीकृष्ण के लिए कहा जाता है कि उन्होंने अपने निर्धन मित्र सुदामा की जिस तरह बहुत अधिक मदद की थी। ठीक उसी तर्ज पर प्रभुश्रीकृष्ण ने एक ऐसे गरीब की सहायता की, जिसे सदियों तक याद रखा गया। श्रीकृष्ण उस गरीब की बेटी की शादी में भाई के तौर पर शामिल भी हुए। इस पूरे वाक्ये का वर्णन नानीबाई रो मायरो की कथा में है, जिसे अब जयपुर के लाखों भक्त शुक्रवार 3 जनवरी से सुन सकेंगे। मौका होगा शहर के प्रमुख आराध्य राधा गोविंद देव जी के सत्संग हॉल में आयोजित तीन दिवसीय कथा कार्यक्रम का। इसमें कोलकाता के चर्चित कथावाचक श्रीनिवास शर्मा मौजूद रहेंगे। यह जानकारी गिर्राज गढ़वाल ने दी।

परमार्थ भवन पर 200 से अधिक व्यक्तियों को वितरित किए गए स्वेटर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। दिनांक 29 दिसम्बर 2024 को परमार्थ एवम् आध्यात्मिक समिति के तत्वावधान में विगत 15 वर्षों से अनवरत रूप से जारी दैनिक परमार्थिक गतिविधियों के अतिरिक्त नर सेवा नारायण सेवा की अवधारणा को चरितार्थ करते हुए कटेवा नगर स्थित परमार्थ भवन पर प्रमुख व्यवसायी श्री आशीष अग्रवाल एवम् उनकी बहिन ममता अग्रवाल के सौजन्य से जरूरतमंद परिवारों के 200 से अधिक व्यक्तियों को गर्म तासीर वाले स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए तत्पश्चात् शीत ऋतु के प्रकोप से बचाव हेतु स्वेटर वितरित किए गये। उपरोक्त कार्यक्रम समिति के वरिष्ठ सदस्यों एवम् पदाधिकारियों सर्वश्री आर के अग्रवाल, श्याम विजय, ओम प्रकाश शर्मा, मोहन लाल जयसवाल, ज्ञान स्वरूप भटनागर, नवल किशोर पारीक, रामावतार माहेश्वरी, नरेन्द्र कुमार टांक, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, राधे श्याम सोनी, श्रीमती संतोष कंवर शेखावत, प्रेमलता राठौड़, रेणुका माथुर, पुष्पा देवड़ा एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सीमा सुरक्षा बल बटालियन का फुलेरा स्टेशन पर स्वागत किया

बढ़ता राजस्थान

फुलेरा (नि.स.)। फुलेरा रेलवे स्टेशन पर सीमा सुरक्षा बल की 108 वीं बटालियन के कमांडेंट अनु टीपी एवं असिस्टेंट कमांडेंट मेडिकल ऑफिसर मनोज कुमावत तथा विशिष्ट अधिकारियों एवं जवानों के नेतृत्व में बटालियन के जैसलमेर से त्रिपुरा प्रस्थान के सुअवसर पर भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं पूर्व विधायक निर्मल कुमावत की उपस्थिति के मध्य बीएसएफ बटालियन का मां भारती के उच्च जयघोष के साथ माला पहनाकर भावभीना स्वागत सत्कार तथा राष्ट्र सेवा में सदैव समर्पित जवानों को शुभकामनाएं प्रेषित कर जलपान करवाया। इस गौरवशाली अवसर पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के साथ असिस्टेंट कमांडेंट मेडिकल ऑफिसर मनोज कुमावत के परिवारजन दादी भंवरी,माता विमला पिता सीताराम कुमावत,भ्राता डॉ सुनील कुमावत ,डॉ.नेहा कुमावत, शिवालिक,जयकुमार,रेखा श्रवण कुमावत,अनिल शर्मा,संजीव गुप्ता,भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल,संजय पारीक,पार्षद सरदार चौधरी,महावीर जैन,गजेंद्र सिंह शेखावत,,रतन राजोरा,भूपेंद्र गुप्ता,सुरेश कुमार सैनी,धर्मेंद्र सैनी, बाबूलाल कुमावत,स्वरूपचंद कुमावत,हेमंत कुमावत, सोहन कुमावत,सुनील भारद्वाज सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

वीकेआई में दो फैक्ट्रियों में लगी आग 15 से अधिक दमकलों ने पाया आग पर काबू

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। विश्वकर्मा थाना इलाके में रविवार सुबह गत्ते और पानी की टंकी बनाने वाली दो फैक्ट्रियों में भीषण आग लग गई। आग की सूचना पर 15 अधिक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 6.40 बजे दो फैक्ट्रियों में आग लगने की सूचना मिली। आग ने कुछ ही समय में विकराल रुप धारण कर लिया था। दोनों फैक्ट्री से आग की ऊंची लपटें निकलने लगीं। फायर-ब्रिगेड की 15 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पानी और फॉम लेकर पहुंचीं। करीब दो घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने के बाद भी काफी देर तक फैक्ट्रियों से धुआं उठता रहा। इसके चलते कुछ दमकलों को मौके पर ही तैनात रखा गया । आग पूरी तरह से बुझ जाने के बाद दमकलों को वापस भेजा गया। सीएफओ ग्रेटर गौतम लाल ने बताया कि आज सुबह 6.40 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से आग लगने की जानकारी मिली। वीकेआई से 5 फायर-ब्रिगेड, बनीपार्क से 2, बिंदायका से 2 और घाटगेट से 3 फायर-ब्रिगेड को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। आग लगने वाली दोनों फैक्ट्री में से एक में गत्ता और दूसरी फैक्ट्री में पानी की टंकी बनती हैं। इन दोनों फैक्ट्रियों के पास में थिनर का भी गोदाम है। अगर आग की लपटें उस तक पहुंचती तो बड़े इलाके में आग फैल सकती थी। फायर की एक टीम ने मौका बदला और थिनर की फैक्ट्री खुलवाकर उस में पानी का छिडकाव करते रहे। ताकि आग की हीट से होई नुकसान फैक्ट्री को न हो। इलाके की पूरी लाइट भी बंद करवा दी गई। साथ ही लोगों को फैक्ट्रियों से दूर कर आग बुझाने में टीमें लगी रहीं। आग की सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची। स्थानीय निवासी मुकेश बिहारी ने बताया कि गत्ते की फैक्ट्री में आग शॉट सर्किट से लगी। इसके बाद आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। इसके बाद पास की पानी की टंकी बनाने वाली फैक्ट्री तक आग फैल गई। यहां पर प्लास्टिक का मटेरियल होने पर आग और अधिक विकराल हो गई। दमकल को सूचना देने पर दमकल मौके पर पहुंची और आग को कंट्रोल किया। आग से गत्ता फैक्ट्री पूरी तरह से तबाह हो गई।

क्रिप्टो करेंसी के बहाने युवक से 9.50 लाख रुपए की लूट

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। चित्रकूट थाना इलाके में क्रिप्टो करेंसी के बहाने एक युवक से 9.50 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है। बदमाशों ने उसे क्रिप्टो करेंसी की डील के बहाने मिलने बुलाया गया था। हथियार की नोक पर बदमाशों ने कैश से भरा बैग छीन लिया। कार से नीचे उतारकर बदमाश रुपए लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी एसआई सौभाग्य सिंह ने बताया कि कोटपूतली के आदर्श नगर निवासी अक्षय यादव ने मामला दर्ज करवाया कि उनके परिचित सतीश व दुष्यंत ने एक व्यक्ति से यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) की डील करवाई थी। क्रिप्टो करेंसी बेचने के बहाने उस व्यक्ति ने उसे रुपए लेकर जयपुर मिलने बुलाया।

कोटपूतली से बैग में 9.50 लाख रुपए लेकर शनिवार शाम अक्षय जयपुर आ गया। चित्रकूट इलाके में मिलने के लिए बुलाने पर कानसिंह नाम का व्यक्ति कार लेकर आया। कार में बैठाकर कुछ दूर चलने पर उसका एक ओर साथी बैठ गया। बातचीत के दौरान करीब 100 मीटर आगे चलने पर हथियार की नोंक पर बैग छीन लिया।

राज्य सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन ने ढकवाए 746 खुले बोरवेल और कुंए

खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाओं को लेकर जिला प्रशासन सतर्क

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बेहद संवेदनशील हैं। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालन में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ऐसे हादसों को रोकने के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने मुहिम के तहत विगत दो दिनों में कुल 746 खुले बोरवेल एवं कुंए ढकवाए।

अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर तहसील में 13, आमेर तहसील में 30, कालवाड़ तहसील में 33, तूंगा तहसील में 69, जमवारामगढ़ तहसील में 24, माधोराजपुरा तहसील में 26, बस्सी तहसील में 30, चाकसू तहसील में 63, आंधी तहसील में 30, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 36 खुले बोरवेल एवं कुंए लोहे की प्लेट एवं जालियों से ढकवाए गए हैं। कोटखावदा तहसील में 11, सांभर तहसील में 68, जोबनेर तहसील में 16, रामपुरा डाबड़ी तहसील में 17, सांगानेर तहसील में 22, शाहपुरा तहसील में 82, चौमूं तहसील में 20, जालसू तहसील में 30, दूदू तहसील में 58, फागी तहसील में 27 और मोजमाबाद तहसील में 41 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए गए। वहीं, राज्य सरकार के निर्देश पर जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने शनिवार को 328 तो वहीं 418 खुले बोरवेल एवं कुंए कवर करवाए।

अखिल भारतीय धानुक एकता महासंघ के चुनाव निर्विरोध संपन्न

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अखिल भारतीय धानुक एकता महासंघ जयपुर के वर्ष 2024-27 कार्यकाल के लिए हुए कार्यकारिणी चुनाव में उम्मीदवारों को निर्विरोध रूप से विजय घोषित किया गया। इसमें रोहित कुमार मंडल को अध्यक्ष, दयाकांत मंडल को उपाध्यक्ष, राजकुमार मंडल महासचिव, बिनेष आर मंडल सचिव एवं सुरेश मंडल कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित हुए द्य कार्यक्रम में रास्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र मंडल, राष्ट्रीय महासचिव बिशेश्वर मंडल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भरत मंडल, राष्ट्रीय प्रवक्ता बिष्णुदेव मंडल, राष्ट्रीय उप-कोषाध्यक्ष शिवकुमार मंडल, राजस्थान प्रभारी प्रेमशंकर मंडल एवं राष्ट्रीय क़ानूनी सलाहकार संतोष कुमार समेत अन्य समाज के लोग उपस्थित रहे। इसी मौके पर खाटू श्याम जी में भी संगठन की इकाई की स्थापना की घोषणा की गयी एवं शिव कुमार मंडल को अध्यक्ष नियुक्त किया गया । उपस्थित राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की एवं एकता महासंघ को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु अग्रिम शुभकामनाएं दी द्य कार्यक्रम में निर्वर्तमान कार्यकारिणी के सदस्यों एवं भूतपूर्व पदाधिकारियों को माला पहनाकर उनका आभार व्यक्त किया गया एवं सफल कार्यकाल के लिए धन्यवाद दिया गया ।

भादरा में 'द बर्निंग बस' हादसा-आग लगने से सवारियों का सामान जलकर राख, कोई जनहानि नहीं

बढ़ता राजस्थान

भादरा (नि.स.)। 'द बर्निंग ट्रेन' की तरह भादरा की मुख्य सड़क पर लोगों को द बर्निंग बस जैसी घटना होने आमजन हैरान है। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने जब जलती बस को देखा तो वे हैरान रह गए। ओर दिन भर चर्चा का विषय बना रहा। रविवार की अलसुबह एक निजी बस में अचानक किन्हीं अज्ञात कारणों से लग गई। जिससे पूरी बस आग की लपटों में सुलग उठी। देखते ही देखते बस पूरी बस में भयंकर तरीके से आग लग गई। गनीमत रहे कि कोई जान की हानि नहीं। मगर बस में रखा सवारियों का सामान पूरी तरह जल कर राख हो गया। यह हादसा केंद्रीय बस स्टेंड के नजदीक वरदान हॉस्पिटल के पास हुआ। वरदान हॉस्पिटल के डायरेक्टर खेताराम ने बताया हमारे हॉस्पिटल के स्टाफ ने समय पर सवारियों को उतारने में मदद की। प्राप्त सूत्रों के अनुसार श्रीगंगानगर से आगरा

आवागमन करने वाली विजय कंपनी की बस में रविवार और सुबह 3:20 पर भादरा बस स्टैंड से कुछ पहले वरदान हास्पीटल के सामने कब्रिस्तान के पास पहुंचने के दौरान बस में पीछे साइड में से हुई धमाके के चलते बस चालक ने बस रोककर सभी यात्रियों को उतार दिया। इसी दौरान बस में आग भभक उठी इसके बाद चालक की सूचना पर पुलिस टीम ने पहुंचकर मौके का निरीक्षण करते हुए अग्नि शमन वहां को नगर पालिका से बुलाया। स्थानीय नगर पालिका के अग्निशमन के कर्मचारियों ने लगातार मेहनत कर इस आग पर काबू पाया। बस में आग लगने से डिग्गी में रखा सामान जलकर राख हो गया। वहीं, आग से सड़क किनारे लगे खोखे को भी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के बाद कुछ यात्री अपने-अपने गंतव्य की ओर चले गए। लेकिन, सुबह तक भी कई यात्री मौजूद रहे। जिनका कहना था कि सामान तो जलकर राख हो गया। लेकिन, अच्छी बात ये है कि हमारी जान बच गई।

केकड़ी जिला अस्पताल में अब हर दिन बिछाई जाती है अलग रंग की बेडशीट

मरीजों को इन्फेक्शन से बचाने के लिए शुरू किया नवाचार

बढ़ता राजस्थान

केकड़ी (संजय कटारिया)। केकड़ी जिला चिकित्सालय में मरीजों की सुरक्षा व सुविधाओं के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी नवीन जांगिड़ ने बताया कि जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग अपना इलाज करवाने आते हैं, उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सालय प्रशासन द्वारा कई नवाचार किए जा रहे हैं, जिससे इलाज करवाने आने वाले आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में चिकित्सालय में हर बेड पर प्रतिदिन अलग-अलग रंग की बेडशीट लगाने का एक नवाचार शुरू किया गया है। इसके तहत प्रतिदिन हर बेड पर नई बेडशीट बिछाई जा रही है, ताकि मरीजों में इन्फेक्शन फैलने का खतरा कम हो सके। अमूमन चिकित्सालयों में बेड की चद्दरें नहीं बदलने से इन्फेक्शन फैलने का खतरा बना रहता है। इस नवाचार की सख्ती से पालना के लिए पीएमओ जांगिड़ द्वारा एक आदेश जारी किया गया है। इसमें सभी विभागाध्यक्षों तथा वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि चिकित्सालय के प्रत्येक बेड पर हर दिन नए रंग की बेडशीट बिछाई जाए। चाहे बेड पर कोई मरीज हो या ना हो, सभी बेड्स की बेडशीट प्रतिदिन बदली जानी आवश्यक है। आदेश के अनुसार प्रत्येक दिन जिस रंग की बेडशीट बिछाई जानी है, उसका कोड भी तय किया गया है। जिसमें सोमवार को सफेद, मंगलवार को बादामी, बुधवार को आसमानी नीला, गुरुवार को गुलाबी, शुक्रवार को बैंगनी, शनिवार को हल्का हरा तथा रविवार को हल्के पीले रंग की बेडशीट बिछाए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही सर्दी से बचाव के लिए आवश्यकतानुसार वार्मर का उपयोग भी किया जाना सुनिश्चित करने संबंधी आदेश जारी किए गए है। आदेशों में कहा गया कि इस सम्बंध में अवहेलना किये जाने पर सम्बंधित व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

सीएनजी गैस टैंकर बेकाबू होकर पलटा, मची अफरा-तफरी

कॉन्स्टेबल ने ड्राइवर को शीशा तोड़कर निकाला बाहर, पुलिस ने ड्राइवर को किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। नेशनल हाईवे-52 पर रामपुरा पुलिया पर शनिवार रात जयपुर से चौमू की ओर आ रहा एक सीएनजी गैस टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी माहौल हो गया। हादसे के बाद आधे किलोमीटर की दूरी पर दोनों ओर ट्रैफिक को रोक दिया गया। जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने टैंकर का शीशा तोड़कर ड्राइवर को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की जयपुर से तीन और चौमूं से तीन दमकल मौके पर पहुंची।

थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि रात सवा 10 बजे टैंकर पलटने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर वे टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस कॉन्स्टेबल पूरणमल ने हौसला दिखाते हुए ट्रक के शीशे को तोड़कर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां चौमूं और तीन गाड़ियां जयपुर से मौके पर पहुंची। फायर ब्रिग्रेड कर्मचारी अर्जुनलाल गुर्जर ने अपने साथी कर्मचारियों के साथ पानी की बौछार चलाई। जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हो सके। टैंकर खाली था और जयपुर से चौमू की ओर आ रहा था। चौमूं पहुंचने से पहले ही यह हादसा हो गया। हाईवे के दोनों ओर एक टोल प्लाजा और जैतपुरा क्षेत्र के आस-पास एक किलोमीटर पहले ही ट्रैफिक को रोका गया। क्रेन की मदद से टैंकर को साइड में हटाकर यातायात को सुचारू किया गया। हादसे में किसी प्रकार की कोई जनहानि की घटना नहीं हुई है। टैंकर में गैस नहीं थी। इससे पुलिस ने राहत की सांस ली।

थानाधिकारी ने बताया कि सीएनजी गैस टैंकर पलटने के मामले में पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। समय रहते प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। करीब 3 घंटे तक दमकल कर्मियों ने टैंकर पर पानी की बौछार चलाई। इसके बाद दो क्रेन की मदद से टैंकर को साइड में हट कर 3 घंटे बाद ट्रैफिक यातायात को सुचारू किया गया और क्षतिग्रस्त टैंकर को टोल प्लाजा के पास खड़ा करवाया गया है।

लो फ्लोर बस की टक्कर से व्यक्ति की मौत

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। बस्सी थाना इलाके में लो फ्लोर बस की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार भांवपुरा बस्सी निवासी सुरेश मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पिता मांगी लाल बाजार जाने के लिए घर से निकले थे। टोडाभाटा बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहे थे इसी दौरान तेज गति से आई लो फ्लोर बस ने बेकाबू होकर उसके पिता को टक्कर मार दी। इससे वे गंभीर रुप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर भाग निकला। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने बस को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

एक दिवसीय प्रवास पर आज बूंदी आएंगे बिरला

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनंत दाधीच)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को संसदीय क्षेत्र बूंदी के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। सोमवार को सुबह 10 बजे सर्किट हाउस में आमजन से रूबरू होंगे, इसके बाद 11 बजे हरियाली रिसोर्ट में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार स्पीकर बिरला दोपहर 2:00 बजे सर्किट हाउस में बजट घोषणाओं के संदर्भ में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

सिविल डिफेंस के जवानों ने आपदा नियंत्रण में निभाई अहम जिम्मेदारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर जिले में नागरिक सुरक्षा के साहसिक एवं समर्पित जवान आपदा प्रबंधन में अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं। अपनी जान की परवाह किये बगैर सिविल डिफेंस के जांबाज जवान जिला कलक्टर के निर्देशन एवं उप नियंत्रक श्री अमित शर्मा के नेतृत्व में बेमिसाल कार्य कर रहे हैं। रविवार को सुबह करीब 8 बजे विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के रोड नंबर 14 स्थित एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना नियंत्रण कक्ष में प्राप्त हुई। सूचना मिलने के पश्चात उप नियंत्रक अमित शर्मा के नेतृत्व में सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम मौके के लिए तत्काल रवाना हुई एवं नागरिक सुरक्षा अग्निशमन सेवा के वाहनों को भी मौके पर रवाना किया गया। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरी फैक्ट्री का सर्च किया। इसके अतिरिक्त फायर कर्मियों का फायर फाइटिंग करने में सहयोग किया। 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने आग पर काबू पाया। इससे पूर्व शनिवार रात को करीब 10 बजे नियंत्रण कक्ष को टाटीयावास टोल के पास सीकर रोड पर एक सीएनजी का टैंकर पलटने की सूचना प्राप्त हुई। जिसके बाद

सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचे और टोरेंट गैस कंपनी की टेक्निकल टीम से समन्वय स्थापित करते हुए मौजूद गैस के प्रेशर को डॉउन करवाया। रेस्क्यू कार्य के दौरान जयपुर सीकर हाईवे को दोनों साइड से वाहनों की आवाजाही को बंद किया गया।एवं बड़ी दुर्घटना पर समय रहते काबू पा लिया। ऑपरेशन पूरा होने के पश्चात हाईवे को आवागमन के लिए खोल दिया गया।

बीजेपी विधायक गोविंद रानीपुरिया ने 2025 कैलेंडर का किया विमोचन

विजन डायग्नोस्टिक सेंटर, मालवीय नगर जयपुर में किया विमोचन

बढ़ता राजस्थान

चाकसू (गिरिराज प्रसाद शर्मा)। जयपुर विजन डायग्नोस्टिक सेंटर एलएलपी मालवीय नगर, जयपुर में 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीजेपी विधायक श्री गोविंद रानीपुरिया ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन को सम्मानित किया। विजन डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक डॉ. मनिका गुप्ता,श्री बृजपाल लोधा और रमेश चंद लोधा , डॉ सुनील गुप्ता,श्री देवेंद्र राजपूत ने विधायक गोविंद रानीपुरिया का स्वागत किया । आयोजित कार्यक्रम में समस्त कर्मचारी उपस्थित होकर सेंटर के स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति समर्पण और जन जागरूकता को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक रानीपुरिया ने सेंटर के प्रयासों की सराहना की और भविष्य में इस तरह के सकारात्मक कार्यों की अहमियत पर जोर दिया।

उदयपुर में सिल्क के प्रति लोगों में बढ़ा आकर्षण

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। श्री कृष्ण आर्ट एंड क्राफ्ट्स की ओर से नगर निगम प्रांगण में चल रहा सिल्क ऑफ़ इंडिया मेला अब अपने यौवन पूरे पर है। यहां पर मेला प्रारंभ होने से लेकर मेला समाप्ति तक सैकड़ो लोगों की भीड़ देखी जा रही है। सिल्क मेले में आए व्यापारियों के चेहरों के रौनक बता रही है की उदयपुर में वह जो उम्मीद और अपेक्षाएं लेकर आए थे वह उनकी पूरी हो रही है। कई व्यापारियों ने बताया कि उदयपुर में सिल्क के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ता जा रहा है। सिल्क मेले में कई व्यापारी ऐसे हैं जो उदयपुर में जब सिल्क मेले की शुरुआत हुई थी तब से लेकर आज तक इस मेले में अपनी स्टोल लगाते आ रहे हैं। कई व्यापारियों ने बताया कि हम सालों से उदयपुर में आ रहे हैं। हर बार पिछले साल से अगले साल में हमें लोगों का बहुत प्यार मिलता है। इस बार तो सिल्क के प्रति शहर वासियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। ऐसे ही जोधपुरी बंधेज साड़ियों की स्टाल सजा कर बैठे साहू राम ने बताया कि वह इस मेले में लगातार उदयपुर आ रहे हैं। जब पहली बार वह उदयपुर आए तो उन्हें जो अनुभव हुआ उसके बाद वह कभी भी उदयपुर आने से नहीं चूकते। उन्हें हमेशा उदयपुर के इस सिल्क मेले का इंतजार रहता है। इस बार भी वह जब से मेले में आए हैं तब से लेकर आज तक उन्होंने इतने

बंधेज साड़ियां और सूट भेज दिए हैं जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी लेकिन विश्वास नहीं था। लेकिन आज वह बहुत खुश हैं की उनका व्यापार इस मेले में बहुत अच्छा चल रहा है। उनके पास जोधपुरी बान्धनी साड़ी सूट है। इन शादियों और सूटों की खासियत है हाथ से टाई एण्ड डाई यानी हाथ से ही उन साड़ियों को बांधना और उनके कलर करना। उनके पास 850 से 3500 तक मूल्य की साड़ियां सूट हैं। हाथ से बनाई हुई इन साड़ियों का ऐसा पक्का कलर होता है कि चाय साड़ियां फट जाएगी लेकिन कलर नहीं जाएगा। नही जाएगा। वह जिसे भी यह साड़ियां बेचते हैं वह उन्हें इस बात की गारंटी देते हैं कि इसका कलर नहीं जाएगा। और अगर कलर गया तो उस साड़ी के बदले बाद दूसरी साड़ी देते हैं । हालन के साथ में उन्होंने यह भी कहा थी उन्हें गारंटी देने में दिक्कत इसलिए नहीं होती है क्योंकि सर्दियों का कलर कभी जाता ही नहीं है। अभी तक तो उन्हें किसी भी साड़ी को रिप्लेस करने का मौका नहीं पड़ा है। बंधेज साड़ियां रोज पहनो और रोज धो लो। उनके पास तीन तरह की वैरायटी है जिनमें सिल्क, सिफोन और छिनोन। तीन तरह की साड़ियां और सूट। धोने के बाद इन पर प्रेस करने की जरूरत नहीं पड़ती। इन सभी में सिल्क महंगी आती। सिफोन और छिनौन सिल्क के मुकाबले काफी सस्ती होती है। इसका खास कारण यह है कि इन पर ज्यादा हाथ से वर्क नहीं करना होता। इन सभी का लाईट वेट होता है।

बच्चों को गैम खिलाने की आड़ में चल रहे हुक्का बार में पुलिस ने मारा छापा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। रामनगरिया थाना पुलिस ने बच्चों को गैम खिलाने की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और साथ ही पुलिस ने मौके से कई हुक्के, चिलम, पाइप, कटौरी व फ्लेवर जब्त किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया किरामनगरिया थाना पुलिस ने एनआरआई चौराहे के पास स्थित बहुमंजिला बिल्डिग की तीसरे फलोर के हॉल में संचालित द स्नूकर मनिया में के नाम से बच्चों को गेम खिलाने की संस्थान की आड में चल रहे हुक्का बार में की कार्रवाई की गई है। पुलिस को पिछले कुछ दिनों से यहां पर बच्चों को गेम खिलाने की आड़ में हुक्का पिलाने की सूचना मिल रही थी। जिस पर पुलिस ने एक टीम का गठन किया और पुलिसकर्मी को सादा वर्दी में भेज कर इसकी तस्दीक करवाई।

इसके बाद पुलिसकर्मी के इशारा मिलने पर छापा मारा गया। पुलिस ने बिना लाइसेंस के हुक्का पिला रहे विवेक शर्मा,गजेन्द्र कुमार शर्मा और लालू को गिरफ्तार किया है और साथ ही मौके पर मौजूद चौदह लोगों को धारा 170 बीएनएसएस के तहत पकड़ा है। साथ ही वहां से कई हुक्के, चिलम, पाइप, कटोरी व फ्लेवर जब्त किया है।

सूने मकान से नगदी सहित अन्य सामान चोरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ज्योति नगर थाना इलाके में चोर एक सूने मकान का ताला तोड़कर नगदी सहित अन्य सामान ले गए। पुलिस के अनुसार लालकोठी जनपथ रोड निवासी ओमप्रकाश चौधरी ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाहर गया था इसी दौरान किसी ने उसके मकान का ताला तोड़ा और वहां पर रखे बक्से से तीन लाख रुपए और अन्य सामान पार कर लिया। घटना का पता उसे वापस लौटने पर लगा। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के मीडिया आयोग के अध्यक्ष पद पर बूंदी के दिनेश दुबे को किया मनोनीत

बढ़ता राजस्थान

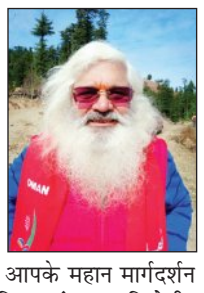

बूंदी (अनंत दाधीच)। राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास, रामावतार सिंह जाखड़ महासचिव, कोषाध्यक्ष गौहर एफके सूरी, द्वारा राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के मीडिया आयोग के अध्यक्ष पद पर बूंदी के दिनेश दुबे को मनोनीत किया है । आरएसओए द्वारा पत्र में लिखा कि पत्रकारिता और मीडिया के क्षेत्र में आपके महान मार्गदर्शन और ज्ञान के तहत आरएसओए को और अधिक ऊंचाइया मिलेगी। दुबे पूर्व में भी राजस्थान ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष रह चेक हे,दिनेश दुबे पत्रकारिता का लंबा अनुभव भी रखते हैं, अपने कार्य के प्रति कर्मठ भी है। इसीलिए उनको इस पद पर नियुक्त किया गया है।

तृतीय एससी-एसटी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, 500 से अधिक प्रतिभाओं का हुआ भव्य सम्मान

वक्ता बोले : विद्यार्थी लक्ष्य तय करें और उसे पाने के लिए जुट जाएं

बढ़ता राजस्थान

जालोर (नि.स.)। अम्बेडकर सेवा समिति सांचौर के तत्वावधान में तृतीय एससी-एसटी प्रतिभा सम्मान एवं स्नेहमिलन समारोह का आयोजन भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभाओं को शिक्षा, खेल, साहित्य, कला और कौशल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम महंत गणेशनाथ महाराज के पावन सानिध्य और वडगांव (गुजरात) के विधायक जिग्नेश मेवाणी के मुख्य आतिथ्य में आयोजन हुआ। वहीं जिला कलेक्टर शक्तिसिंह राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, नानजीराम गुजसर (एआरटीओ पाली), अक्षय पंचाल (अधीक्षण अभियंता), पोपटलाल धोरावत (एसीबीओ सांचौर), और कई समाजों के अध्यक्ष एवं गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। महंत गणेशनाथ महाराज ने कहा, "एससी-एसटी वर्ग शिक्षा और सामाजिक विकास में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। लेकिन केवल डिग्री हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, समाज में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए सतत प्रयास करना जरूरी है।

मुख्य अतिथि जिग्नेश मेवाणी ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा, "आज हमारी सभी उपलब्धियां बाबा साहब के प्रयासों और भारतीय संविधान की देन हैं। और हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज को सशक्त बनाना है। और जिला कलेक्टर शक्तिसिंह राठौड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, आजादी के बाद मिले समान अधिकारों के चलते हर वर्ग का विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है। और भंते डॉ. सिद्धार्थवर्धन ने जातिविहीन समाज के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया और युवाओं को अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया।

500 से अधिक प्रतिभा हुई सम्मानित : इस दौरान समारोह में शिक्षा, खेल, साहित्य, कला और अन्य क्षेत्रों में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 500 से अधिक प्रतिभाओं को अतिथियों के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के अध्यक्षों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इनमें जवाराराम मेघवाल (अध्यक्ष, मेघवाल समाज), दिलीप गर्ग (अध्यक्ष, गर्ग समाज), प्रवीण राणा (अध्यक्ष, भील समाज), और अन्य समाजों के पदाधिकारी शामिल थे।

सम्पादकीय

मोहन भागवत का बयान देश की एकता-अखंडता के लिए महत्वपूर्ण

भारत विश्व में तेजी से उभरती हुई आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ कदम बढ़ा रहा है। भारत को 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है। अर्थव्यवस्था के अलावा भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व के तौर पर तेजी से उभर रहा है। खाड़ी के मुस्लिम देश भारत के महत्व और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से द्विपक्षीय रिश्तों को स्वीकार कर रहे हैं। यही वजह है कि भारत की इस ताकत को स्वीकारते हुए कुवैत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च कुवैती सम्मान द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया है। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 20वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर कुवैत का एक नाइटहुड ऑर्डर है। इस मौके पर पीएम मोदी ने अरबी भाषा में प्रकाशित रामायण और महाभारत की कृति कुवैतियों को सौंपी। इसका अनुवाद और प्रकाशन भी कुवैती मुसलमान ने किया है। भारत इस दृष्टि से विश्व को अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक सॉफ्ट पावर से अवगत करा रहा है। ऐसे में देश में चल रहे मंदिर-मस्जिद के ऐतिहासिक विवाद क्या भारत की इस तरक्की की रफ्तार में ब्रेक लगाने का काम करेंगे। इससे देश का सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ेगा। पूर्व में इसी तरह के सांप्रदायिक विवादों की भारत ने जान-माल के नुकसान और वैश्विक निवेश को लेकर संशय के कारण बड़ी कीमत चुकाई है। इसी आंशका के कारण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने धार्मिक स्थलों पर गढ़े मुर्दे उखाडने को लेकर गहरी नाराजगी जाहिर की है। भागवत को अंदाजा है कि ऐसे विवाद से भारत की छवि को नुकसान होगा। इससे कहीं न कहीं प्रगति पर भी असर पड़ेगा। यही वजह है कि संघ की धार्मिक कट्टर छवि के बावजूद भागवत ने ऐसे मुद्दे उठाने वालों को तगड़ी लताड़ लगाई है। भागवत ने पुणे में हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान कहा कि कहीं मंदिर-मस्जिद के रोज़ नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। भागवत के भाषण की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि इस वक्त देश में संभल, मथुरा, काशी जैसे कई जगहों की मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने के दावे किए गए हैं। इनके सर्वे की मांग हो रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं। भागवत ने कहा कि हमारे यहां हमारी ही बातें सही, बाक़ी सब ग़लत, यह चलेगा नहीं। अलग-अलग मुद्दे रहे तब भी हम सब मिलजुल कर रहेंगे। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ़ न हो इस बात का ख्याल रखेंगे। जितनी श्रद्धा मेरी मेरी खुद की बातों में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों में भी रहनी चाहिए। भागवत ने ये भी कहा कि रामकृष्ण मिशन में आज भी 25 दिसंबर (बड़ा दिन) मनाते हैं, क्योंकि यह हम कर सकते हैं, क्योंकि हम हिंदू हैं और हम दुनिया में सब के साथ मिलजुल कर रह रहे हैं। यह सौहार्द अगर दुनिया को चाहिए तो उन्हें अपने देश में यह मॉडल लाना होगा। आरएसएस प्रमुख ने किसी विशेष विवाद का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाहर से आए कुछ समूह अपने साथ कट्टरता लेकर आए हैं और वे चाहते हैं कि उनका पुराना शासन वापस आए।

संभाल कर जाएं हॉस्पिटलों द्वारा फ्री लगने वाले मेडिकल कैम्प में

अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक गिरोह के 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 1500 रुपये लेकर 15 मिनट में किसी का भी आयुष्मान कार्ड बना देते थे। इस गिरोह में अस्पताल मालिक, डॉक्टर और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अधिकृत वेंडर शामिल थे। यह गिरोह लोगों का स्वास्थ्य चेकअप कैंप लगाकर, उन्हें फर्जी बीमारियों का शिकार बताकर अस्पताल में भर्ती कर देता था। इसके बाद, अगर मरीज के पास आयुष्मान कार्ड था, तो उसे तुरंत हृष्ट में भर्ती किया जाता था और ऑपरेशन कर दिया जाता था। यदि मरीज के पास कार्ड नहीं था, तो उसे इमरजेंसी के नाम पर कार्ड बनवाया जाता था, और फिर ऑपरेशन कर दिया जाता था। इसके बाद, सारे बिल सरकार को भेजकर पैसा निकाल लिया जाता था।

अशोक भाटिया

देश में कई संस्थाए फ्री मेडिकल चेकअप गरीब जनता के लिए भलाई के लिए लगाती है और इन केम्पों से केम्प में भाग लेने वाली गरीब जनता को बहुत लाभ भी मिलता है। इन केम्पों से गरीब जनता को फ्री जाँच ,डाक्टरी सलाह , इलाज वगेरह मिल जातें है । कई केम्पों में तो बड़ें बड़ें ऑपरेशन भी फ्री में हो जाते है । पर हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में एक बड़ा स्वास्थ्य घोटाला सामने आया है, जिसमें फर्जी तरीके से मेडिकल चेकअप लगाकर व आयुष्मान कार्ड बनाकर लोगों के ऑपरेशन किए गए। इस घोटाले के कारण दो लोगों की मौत हो गई और सात लोगों की जिंदगी भी खतरे में पड़ गई। बताया जाता है कि गुजरात के कई ख्याति हॉस्पिटल ने कई हेल्थ चेकअप कैंप लगाए थे, जिनमें से कुछ मेहसाणा के बोरीसाणा गांव में आयोजित किए गए थे। इन कैंपों में डॉक्टरों ने लोगों को यह बता दिया कि उनके दिल में समस्याएं हैं और उन्हें एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है। इसके बाद, सात मरीजों को ऑपरेशन किया गया और उनमें से दो की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। जब मरीजों के परिजनों ने इस घटना पर हंगामा किया, तो यह मामला सामने आया।

चूँकि प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना , जिसे आमतौर पर आयुष्मान भारत योजना के नाम से जाना जाता है, का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देना है। लेकिन अब यह योजना इन हॉस्पिटलों के घोटाले का शिकार हो गई है, जिसमें कई लोगों के जीवन से खेला गया। अब तक इस गिरोह ने लगभग 3000 आयुष्मान कार्ड बनाए हैं और इसके जरिए प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत 16 करोड़ रुपये निकाल चुका है। जांच में यह भी सामने आया कि ख्याति हॉस्पिटल का मालिक, अस्पताल के डॉक्टर, और कुछ एजेंसी के कर्मचारी इस गिरोह में शामिल थे। इस मामले के पर्दाफाश के बाद, पुलिस ने ख्याति अस्पताल को ब्लैकलिस्ट कर दिया है और इस घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। आयुष्मान योजना के तहत, सरकार गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का वादा करती है। यह योजना उन लोगों के लिए है जो खाद्य सुरक्षा योजना या किसी अन्य सरकारी योजना में रजिस्टर्ड होते हैं। आमतौर पर आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया काफी सरल होती है। अगर किसी का नाम सरकारी योजना में दर्ज होता है, तो केवल आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करने से कार्ड बन जाता है। लेकिन इस घोटाले में, एजेंसी और अस्पताल के मालिक ने इस प्रक्रिया का गलत तरीके से फायदा उठाया। दरअसल गरीबों को आयुष्मान कार्ड बनाने में दिक्कत न हो, इसलिए आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद साधारण है। अगर किसी का नाम खाद्य सुरक्षा योजना या गरीबों के लिए चलने वाली किसी भी योजना के तहत दर्ज है, तो आयुष्मान पोर्टल पर जाकर सिर्फ आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करनी पड़ती है। अगर डेटा मैच हो गया तो तुरंत आयुष्मान कार्ड बन जाता है। लेकिन अगर किसी का डेटा मैच न हो या फिर उसका नाम किसी योजना में रजिस्टर न हो तो ऐसे लोगों को अपने डॉक्यूमेंट के वेरिफिकेशन के लिए आयुष्मान कार्ड सेंटर जाना होता है। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम सरकार ने प्राइवेट एजेंसीस को दे रखा है। गुजरात में ये काम Enser Communication PvtÐ Ltd के पास है। ख्याति हॉस्पिटल के मालिक ने इस एजेंसी के साथ सांठगांठ कर रखी थी। जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं होता था, उन्हें भर्ती करने के बाद सबसे पहले इस एजेंसी के पास उनके दस्तावेज भेजे जाते थे। इसके बाद 15 मिनट में आयुष्मान कार्ड बनकर आ जाता था। बात इतनी ही नहीं जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाता वे शारीरिक रूप से स्वस्थ होते। इसके बाद आयुष्मान योजना के तहत ऑपरेशन किया जाता था। क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला बताते है कि उन्होंने आरोपियों की कहानी का सच जानने के लिए अपना आयुष्मान कार्ड बनाने को कहा तो आरोपियों ने 15 मिनट में ज्वाइंट कमिश्नर का आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दिया। गुजरात पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह मामला सामने आया। अहमदाबाद के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला ने अपने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आरोपियों से संपर्क किया और उन्हें 15 मिनट में कार्ड तैयार कर दिया गया। इस घटना के बाद, पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी। इसके अलावा, आयुष्मान कार्ड बनाने वाली कंपनी Enser Communication PvtÐ Ltd के कर्मचारियों ने भी भ्रष्टाचार के तहत कार्ड बनाने का काम किया था। इस घोटाले के खुलासे के बाद, केंद्र सरकार को आयुष्मान योजना के पोर्टल को अपडेट करने की जरुरत है सुनिश्चित किया जाए भविष्य में ऐसे मामलों को रोका जा सके। इसके अलावा, गुजरात के सभी अस्पतालों का ऑडिट करना जरुरी है इस घोटाले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार करने वाले लोग किसी भी योजना का फायदा उठा सकते हैं और इसके जरिए आम लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर सकते हैं। मरीजों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल ने बिना किसी अनुमति के ऑपरेशन किया और इसके लिए उनसे अतिरिक्त पैसे भी वसूले। एक मरीज के बेटे ने बताया कि उनके पिता का ऑपरेशन बिना उनकी सहमति के किया गया और 14 हजार रुपये अलग से वसूले गए।

इस पूरे मामले के दौरान, अस्पताल के मेडिकल प्रशासन से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने जवाब देने से इंकार कर दिया और कहा कि वे जांच के दौरान पुलिस से ही बात करेंगे। यह घोटाला यह साबित करता है कि आयुष्मान योजना का उद्देश्य नेक था, लेकिन भ्रष्टाचार और लालच ने इसे बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया। सरकार को इस प्रकार के मामलों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए, ताकि गरीबों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाएं सही मायने में उन्हें मिल सकें। अगर किसी को इस योजना में गड़बड़ी का सामना हो या कोई भी योजना का दुरुपयोग देखे, तो उन्हें इसकी सूचना सरकार को देनी चाहिए। गुजरात का तो यह कांड तो केवल एक उदहारण है , ऐसे कांड देश के किसी भी शहर में हो सकते है ।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

किसी भी महत्वपूर्ण विषय पर आज निर्णय न लें। स्वास्थ्य के मामले में संभलकर रहें। परिजनों के साथ आनंद-उल्लास में समय व्यतीत होगा। मित्रों, स्नेहीजनों से उपहार मिलने से मन खुश होगा। ध्यान से मन शांत बना रहेगा।

वृष

आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आपको वाणी और व्यवहार में संयम रखने की सलाह दी जाती है। अपने छिपे हुए शत्रुओं से संभलकर रहें। ज्योतिष और आध्यात्मिक बातों में आज आपकी रुचि रहेगी। यात्रा, प्रवास टालें।

मिथुन

प्रवास में अनपेक्षित बाधाएं खड़ी हो सकती हैं। आज किसी भी नए काम की शुरुआत ना करें। आध्यात्मिक सिद्धियों के प्राप्त होने का योग हैं। आज आपके जीवनसाथी के साथ संबंध अधिक प्रगाढ़ होंगे। उनके साथ रोमांस के पल गुजारेंगे।

कर्क

भावनात्मक संबंधों में आप नरम रहेंगे। मित्रों एवं स्वजनों से भेंट होगी। भाई-बहनों से लाभ होगा। विरोधियों का सामना कर पाएंगे। आध्यात्मिक बातों में सिद्धि मिलेगी। आज आपका मन दुविधाओं में उलझा रहेगा। परिजनों के साथ वाद-विवाद में न उतरें।

सिंह

आप कुछ अधिक ही इमोशनल रहेंगे। नौकरीपेशा लोग चिंता में रहेंगे। जमीन, जायदाद के कामों में सावधानी रखें। आज आपको किसी भी काम में बिना सोचे-समझे भाग नहीं लेना है। साथियों के साथ अच्छी तरह से समय गुजरेगा।

कन्या

आज का दिन शुभ फलदायी नहीं है। घर में वाद-विवाद का वातावरण रहेगा। आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। मन किसी चिंता में रहेगा। नेगेटिव विचार आपको परेशान करेंगे। माता के स्वास्थ्य की चिंता आपको रह सकती है। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला

निर्णय न ले पाने के कारण नए काम शुरू नहीं कर पाएंगे। आज आप सम्बंधों में औपचारिकता रखें, नहीं तो मनमुटाव होने की संभावना है। व्यवहार में जिद्दीपन छोड़ दें। प्रवास न करना हितकर है। आर्थिक लाभ होगा।

वृश्चिक

प्रियजनों के साथ हुई मुलाकात सफल रहेगी। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आनंददायक प्रवास की संभावना है। उत्तम वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज का दिन कुछ कष्टदायक है, इसलिए आपको संभलकर चलना चाहिए।

धनु

अधूरे कामों को पूरा करने के लिए अच्छा समय है। आपके परिवार में आनंद और उत्साह का वातावरण होगा। अपने काम में यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे। लोगों के साथ संपर्क के दौरान स्वभाव को शांत रखना आवश्यक है।

मकर

वाणी पर संयम रखें, नहीं तो विवाद की संभावना बनी रहेगी। आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। विरोधियों के समक्ष विजय प्राप्त होगी। नौकरी करने वाले लोग लाभ प्राप्त कर सकेंगे। किसी बात की चिंता आपको रह सकती है।

कुंभ

प्रवास की संभावना है। आप मौज-मस्ती में समय व्यतीत कर सकेंगे। आपको शारीरिक एवं मानसिक खुशियों का अनुभव होगा। समाज में मान-सम्मान प्राप्त कर सकेंगे। व्यापारी अपने व्यापार को आगे बढ़ा सकेंगे।

मीन

आपको पेट सम्बंधी कोई तकलीफ हो सकती है। किसी रिश्ते में आगे बढ़ने से पहले आपको बेहद ध्यान रखना होगा। आज आप नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। यात्रा टालने की सलाह आपको दी जाती है। अचानक धन खर्च होने की संभावना है।

शख्सियत

बढ़ता राजस्थान

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के सुपर स्टार हैं। डायरेक्टर गीतांजलि हॉस्पिटल श्री डॉ.राजबीर चौधरी। 5 मई सन 1979 को अलवर के समीप बाम्बोली गाँव में औसत किसान परिवार में जन्में डॉ.राजबीर शुरू से ही होनहार रहे। स्कूली शिक्षा बम्बोली और सैनी स्कूल अलवर से सम्पन्न हुई इसके बाद एमबीबीएस जेएलएन अजमेर 2000। एम.एस जनरल सर्जरी 2007 आरएनटी उदयपुर से पूर्ण की। इसके बाद सफ्दरजंग अस्पताल दिल्ली में 2010 से 2013 तक सेवाएँ प्रदान की। एम्स दिल्ली,मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली जैसे विभिन्न संस्थानों में मिनिमल एक्सेस सर्जरी (लेप्रोस्कोपिक सर्जरी) में प्रशिक्षित हुए। विदेश (यूके) जाने के अवसर मिले लेकिन परवरिश ग्रामीण व जमीनी जुड़ाव वाले परिवार में हुई इसलिए अपने शहर अपने गाँव के लोगों का भला करने के लिए मरीजों और लोगों की सेवा के लिए घर का चयन किया। 2013 में अलवर आए और 2016 में अपना स्वयं का सेटअप स्थापित किया और अलवर में गीतांजलि ट्रॉमा और उन्नत सर्जिकल सेंटर के नाम से गुणवत्तापूर्ण सर्जिकल देखभाल प्रदान की। इन्हे उन्नत लेप्रोस्कोपिक सर्जरी और सामान्य सर्जिकल प्रक्रियाओं और ट्रॉमा प्रबंधन में व्यापक अनुभव है। बहुत सरल व सहज चिकित्सक के रूप में राजबीर चौधरी को जाना जाता है। गरीब व असहाय लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे रहते हैं ।अपनी माटी से जुड़ाव इन्हें सच में राजबीर बनाता है। दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

डॉ.राजबीर चौधरी
डायरेक्टर गीतांजलि हॉस्पिटल

रूपक शर्मा

विशेष आलेख

नया साल, नई शुरुआत

नया साल सिर्फ़ जश्न नहीं, आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार-चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ ख़ास नहीं-यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में जिया जाता है-जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरुआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है।

प्रियंका सौरभ

एक नया साल एक नई शुरुआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की ज़रूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना ज़रूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फ़ैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं। नया साल सिर्फ़ जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम ज़रूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीज़ें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वज़न कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक क़दम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ़ कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया? एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ़ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतज़ार करें। अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरुआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह क़ीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही ख़त्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी क़लम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाज़े से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ़ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरुआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फ़ैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मज़ाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाज़ा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है।

आज का इतिहास

30 दिसंबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- एक चार्टर जारी किया जिसमें जन प्रतिनिधि शासन की 1687 में स्थापना।
- जापान की राजधानी टोक्यो 1703 में आये भूकंप से 37 हजार लोगों की मौत।
- ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1803 में दिल्ली, आगरा तथा भरूच पर नियंत्रण किया।
- अमेरिका के न्यूयार्क में 1873 में माप तौल के लिए मेट्रोलॉजिकल सोसायटी का गठन।
- रूस और फ्रांस ने 1893 में सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- अखिल भारतीय मुस्लीम लीग की 1906 में स्थापना ढाका (अब बंगलादेश) में हुई।
- लंदन में 1919 में वकालत के लिए प्रथम महिला विद्यार्थी का प्रवेश।
- रूस की राजधानी मास्को के बोलशोई थियेटर से 1922 में सोवियत संघ के निर्माण की औपचारिक रूप से घोषणा की गयी।
- सोवियत यूनियन की 1922 में स्थापना हुई थी। करीब 7 दशकों तक एक बेहद शक्तिशाली कम्युनिस्ट राष्ट्र के रूप सोवियत संघ का अस्तित्व रहा।
- सन 1935 में इटली के लड़ाकू विमानों के हमले में अफ्रीकी देश इथोपिया स्थित स्वीडन की रेड क्रास इकाई ध्वस्त।
- वीके जोरिकिन ने 1938 में इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन सिस्टम का पेटेंट कराया।
- स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस ने 1943 में पोर्ट ब्लेयर में भारत की आजादी का झंडा लहराया।
- सन 1947 में रोमानिया के नरेश के त्यागपत्र के साथ ही इस देश में राजशाही शासन व्यवस्था का अंत हुआ और लोकतंत्र की स्थापना हुई।
- भारत ने 1949 में चीन को मान्यता दी।
- अफ्रीकी देश मेडागास्कर में 1975 में संविधान प्रभावी हुआ।
- पश्चिमी अफ्रीकी देश टोगो ने 1979 में संविधान अंगीकार किया।
- वेटिकन ने 1993 में इजरायल को मान्यता दी।
- ग्वाटेमाला में गत 36 वर्षों से चला आ रहा गृहयुद्ध 1996 में समाप्त।
- जनरल उमर-इल बशील 2000 में दोबारा सूडान के राष्ट्रपति चुने गये, कोलंबिया विश्व का सबसे हिंसक एवं खतरनाक देश घोषित।
- आस्ट्रेलिया ने 2002 में इंग्लैंड से चौथा एशेज टेस्ट जीता।
- आस्ट्रेलिया ने 2003 में भारत से मेलबर्न टेस्ट 9 विकेट से जीता।
- इराक के पूर्व कथित तानाशाह सद्दाम हुसैन को 2006 में फाँसी दी गई।
- स्वर्गीय बेनजीर भुट्टो के पुत्र बिलावल को 2007 में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का चेयरमैन चुना गया।
- सूर्यशेख गांगुली ने 2008 में 46वीं राष्ट्रीय ए शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीता।
- पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 2012 में हुए आत्मघाती हमले में 19 की मौत।

30 दिसंबर को जन्मे व्यक्ति

- बीसवीं सदी के महान् संत और समाज सेवक रमण महर्षि का 1879 में जन्म हुआ।
- भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी सौरभ वर्मा का 1992 में जन्म हुआ।
- संसद के लोकसभा सदस्य और संस्कृत के विद्वान् साथ ही आर्य समाज के नेता के रूप में भी प्रसिद्ध प्रकाशवीर शास्त्री का 1923 में जन्म हुआ।
- प्रथम भारतीय शतरंज मास्टर मैनुअल आरों का 1935 में जन्म हुआ।
- भारत के प्रसिद्ध राजनैतिक विश्लेषक, वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी प्रेमी वेद प्रताप वैदिक का 1944 में जन्म हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक फोन नं.01432-244881 निवाई 01438-222201,202,203 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.9414823448 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

बिजली उपभोक्ताओं पर दो करोड़ रुपए से अधिक का बकाया

दिखाई सख्ती तो हुई पचास लाख की वसूली

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। मलारना डूंगर क्षेत्र में बिजली उपभोग के बाद बिल की राशि जमा नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं पर सख्ती कर बिजली अधिकारियों ने बीते 74 दिनों में पचास लाख रुपए से अधिक राशि वसूल की है। हालांकि अभी बिजली निगम का उपभोक्ताओं पर दो करोड़ रुपए से अधिक बकाया चल रहा है। इस सूची में सरकारी कार्यालयों पर करीब एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि बाकी है। ऐसे में अब बिल की शेष राशि वसूलना निगमकर्मियों के लिए चुनौती साबित हो रहा है।

नहीं दी राशि तो काट दिए कनेक्शन

उपखंड क्षेत्र में बार-बार कहने पर भी बिल जमा नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्टशन काटे गए हैं। सहायक अभियंता कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार उपखंड क्षेत्र में 25 सितम्बर से वसूली अभियान शुरू किया गया था। अभियान के तहत अब तक कुल 246 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं। जिनमें 26 उपभोक्ताओं के टांसफार्मर उतार कर जब्त किए गए। इन पर 42.13 लाख रुपए बाकी है। 93 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटकर मीटर और डोरी हटाई गई। इन पर 71.26 लाख रुपए बाकी है। 101 उपभोक्ताओं का खम्भे से जम्पर हटाकर कनेक्शन काटा गया। अधिकारियों ने फीडर इंचार्जों के साथ मिलकर 88 उपभोक्ताओं से अब तक 50.84 लाख रुपए वसूल किया है।

इन पर दिखा रहे दरियादिली

बिजली अधिकारियों ने कृषि व घरेलू उपभोक्ताओं पर सख्ती करते हुए बिल जमा नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने में सफलता हासिल की है। वहीं कनेक्शन कटने के डर से 88 उपभोक्ताओं ने बिल राशि भी जमा करवा दी, लेकिन सरकारी दफ्तरों से वसूली में निगम अधिकारी दूरी बनाए हुए हैं। मलारना डूंगर उपखंड क्षेत्र के 189 सरकारी बिजली कनेक्शनों पर निगम का एक करोड़ 16 लाख 86 हजार 037 रुपए बाकी चल रहा है। खास बात यह है कि बिजली बिल की बकाया राशि जमा नहीं कराने पर अभी तक बिजली अधिकारियों ने किसी भी

सरकारी कार्यालय का कनेक्शन नहीं काटा है। इससे इनकी कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रहा है।

इन विभागों पर है इतना बाकी

मलारना डूंगर सहायक अभियंता कार्यालय क्षेत्र में भारत संचार निगम (बीएसएनएल) के दो कनेक्शनों पर 16 हजार 461, ग्राम पंचायतों के 45 कनेक्शनों पर 16 लाख 99 हजार 276, जनता जल योजना के 9 कनेक्शनों पर 11 लाख 72 हजार 250, स्वास्थ्य विभाग के 16 कनेक्शनों पर 10 लाख 51 हजार 939, पंचायत समिति कार्यालय पर 4 हजार 362, जलदाय विभाग के 35 कनेक्शनों पर 62 लाख 57 हजार 258, सरकारी विद्यालयों के 79 कनेक्शनों पर 13 लाख 18 हजार 205, एडीएम कार्यालय पर 25 हजार 505, तहसील कार्यालय पर 40 हजार 781 रुपए बाकी चल रहे हैं, लेकिन इन पर कार्रवाई नहीं की गई है।

बकाया बिजली बिल जमा कराने का किया है तकाजा

88 उपभोक्ताओं से 50.84 लाख रुपए वसूले हैं। राशि जमा नहीं कराने पर 246 के कनेक्शन काटे हैं। सरकारी दफ्तरों से बकाया बिजली बिल जमा कराने का तकाजा किया है। राशि जमा नहीं करवाई गई तो कनेक्शन काटने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

रईस अहमद, सहायक अभियंता, विद्युत वितरण निगम, मलारना डूंगर

जिला खत्म कर भाजपा ने गंगापुरसिटी की आवाम की पगड़ी उतारी : विधायक रामकेश मीना

यहां की जनता इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी

बढ़ता राजस्थान

गंगापुरसिटी (अब्दुल माहिर)। राज्य सरकार ने गत दिवस कैबिनेट की बैठक में निर्णय लेकर नो नवीन जिलों को ख्त्म कर दिया। इनमें गंगापुरसिटी भी शामिल है। सवा साल बाद जिले का दर्जा छिन जाने से उपनेता प्रतिपक्ष एवं विधायक रामकेश मीना का दर्द छलक गया। मीना ने रविवार को विधायक कार्यालय पर प्रेस कान्फ्रेंस कर भाजपा सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि हमने बड़ी मेहनत से गंगापुरसिटी को जिला बनाया था, लेकिन भाजपा की भजनलाल सरकार ने सवा साल में ही इसे खत्म कर दिया। मीना ने कहा कि जिला खत्म कर भजनलाल सरकार ने गंगापुरसिटी की आवाम की पगड़ी उतारी है। जनता इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि गंगापुरसिटी को जिला बनाने की 1952 से मांग चली आ रही है। पहले गंगापुरसिटी जिला बनने लगा तो, जयपुर राजघराने के विरोध पर सवाईमाधोपुर को जिला बना दिया गया। फिर राजनीतिक दबाव बनाकर करौली को जिला बनाया गया। दो बार गंगापुरसिटी की मांग को नजर अंदाज किया गया। गत सरकार में हमने जनता की जिले की मांग पूरी की। अब भाजपा ने इसे खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि गंगापुर जिला बनने के सभी मापदंडो को पूरा करता है। सीएम ने अपने गृह जिल भरतपुर से बने डीग जिले को यथावथ रखा, जबकि गंगापुरसिटी को खत्म कर दिया।

राष्ट्रीय शोक पूरा होने के बाद करेंगे आंदोलन : विधाकय ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के कारण भारत सरकार ने सात दिन का राष्ट्रीय शौक घोषित किया है। इस बीच हम आमजन से चर्चा कर जिला बचाने के लिए रणनीति बनाएंगे। गांव-गांव जाकर जनतेना अभियान चलाएंगे। गंगापुरसिटी का मान सम्मान बचाने के लिए जन आंदोलन चलाएंगे। जिला खत्म होने से यहां की आवाम को काफी नुकसान होगा। एक पीड़ित, किसान तथा शोषित को अर्जी देने फिर से 130 किलोमीटर का सफर तय कर सवाईमाधोपुर जाना होगा। उन्होंने कहा कि जिला खत्म कर भाजपा ने गोहत्या से बड़ा पाप किया है।

पूर्व विधायक का सपना तोड़ दिया

उन्होंने कहा कि गंगापुर को लेकर भाजपा के पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने जल, जेल और जिला का नारा देकर यहां जिला बनाने तथा पेयजल किल्लत को दूर करने और जेल बनाने का सपना देखा था, लेकिन उनकी सरकार में वो अपना सपना पूरा करने में सफल नहीं हुए। हमने जिला बनाया तो उन्हीं की सरकार ने इसे खत्म कर दिया। अब उन्हें (पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर) अपने सपने को साकार करने के लिए राजनीति से परे हटकर आवाम के लिए आगे आना चाहिए, लेकिन वो चुप है। क्यों कि सरकार में उनकी नहीं चलती। उन्होंने कहा हम ईआरसपी के तहत गंगापुर में प्रथम फेज में पानी लाने वाले थे, लेकिन भाजपा ने यहां भी कुठाराघात किया। ईआरसीपी का नाम बदलकर पीकेसी-ईआरसीपी कर दिया। डूंगरी बांध निर्माण को पीछे डाल दिया। गंगापुरसिटी के साथ भेदभाव किया।

मैं कर दूंगा उसके नाम जमीन

एक सवाल के जवाब में विधायक रामकेश मीना ने कहा कि मैने कहीं जमीन नहीं खरीदी है। यदि कोई भी व्यक्ति या आरोप लगाने वाले शहर के आस-पास सौ, पचास बीघा खरीदी हुई जमीन मेरी ओर से खरीदी हुई साबित करता है तो वो जमीन मैं उसी के नाम कर दूंगा। आरोप लगाने वालों के लिए इससे अच्छा ऑफर नहीं है।

नगर विकास न्यास की ओर से कराया जाना था तैयार अभी तक खटाई में है सिटी फोरेस्ट पार्क की योजना

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। रणथंभोर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वनभूमि पर पार्क विकसित करने की योजना अभी तक खटाई में है। राज्य सरकार ने नगर विकास न्यास के माध्यम से रणथंभोर रोड स्थित खिलचीपुर में रणथंभोर राष्ट्रीय उद्यान के टाइगर प्रोजेक्ट की तर्ज पर ही सिटी फोरेस्ट पार्क विकसित करने की योजना साल 2021-22 में बनाई थी। इसके लिए विभाग ने अपनी खाली भूमि भी चिह्नित कर ली थी। लेकिन वनविभाग की ओर से इस जमीन को टाइगर हैबिटेट क्षेत्र का हिस्सा बताते हुए इसका कार्य रुकवा दिया गया। ऐसे में आज तक यह मामला अटका हुआ है।

46 हैक्टेयर भूमि पर होना था निर्माण

नगर विकास न्यास की ओर से सिटी फोरेस्ट पार्क का निर्माण खिलचीपुर में 46 हैक्टेयर भूमि पर करवाया जाना था। जानकारी के अनुसार सिटी फोरेस्ट पार्क में बाघ, मगरमच्छ, हिरण, पैंथर आदि कई वन्यजीवों की कलाकृति लगाने का प्रस्ताव था। इसके अलावा पर्यटकों की सुविधा के लिए लोन व पेड आदि लगाकर एरिया को एक छोटे जंगल के रूप में विकसित किया जाना था। इसके लिए यहां ब्रेंच, कुर्सी, जलपान गृह आदि की सुविधाएं भी विकसित की जानी थी। ताकि पर्यटक यहां आकर आराम कर सकें। साथ ही पार्क में रणथंभोर में पाए जाने वाले वन्यजीवों के बारे में जानकारी जुटा सकें। इससे रणथभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन का एक और विकल्प मिलता। साथ ही इससे स्थानीय निकाय की आय का एक माध्यम भी बनता। लेकिन जमीन विवाद के चलते यह योजना खटाई में है।

यह फंसा है पेच

नगर विकास न्यास को खिलचीपुर में जिस स्थान पर सिटी फोरेस्ट पार्क विकसित करने की अनुमति दी है। वहां कुछ भूमि नगर विकास न्यास की तो कुछ जमीन वनविभाग की है। योजना बनने के बाद यह जमीन सरकार ने यूआईटी को आवंटित कराई थी। लेकिन बाद में सरकार के बदलने के चलते यह मामला अटक गया।

इनका कहना

पर्यटन के लिहाज से अच्छा कदम : रणथभौर में सिटी फोरेस्ट विकसित करने की योजना के संबंध में मुझे जानकारी नहीं है। यह मेरे कार्यकाल से पहले की योजना है। हालांकि जिले में पर्यटन के लिहाज से यह एक अच्छा कदम हो सकता है। इसके बारे में जानकारी कराकर कार्रवाई की जाएगी।

अनूप सिंह, सचिव, नगर विकास न्यास, सवाईमाधोपुर।

वन विभाग की जमीन

यह मामला मेरे से पहले का है। यह जमीन टाइगर हैबिटेट क्षेत्र में आती है और वनविभाग की है। इसलिए यहां कार्य रुकवा दिया था।

रामानंद भाकर, उपवन संरक्षक, रणथभौर टाइगर रिजर्व

भगवान श्रीराम बारात में उमड़े श्रद्धालु

धर्म किसी दुकान और किसी बाजार में नहीं मिलता : कृष्णकान्त शास्त्री

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। हनुमान नगर की चल रही कथा में भगवान श्रीराम जानकी विवाह को लेकर भव्य राम बारात धूमधाम से निकाली गई। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्याम बिहारी शर्मा ने बताया कि राम बारात हनुमान नगर में स्थित माताजी के मंदिर अयोध्यापुरी से भव्य जुलूस के साथ रवाना हुई। राम बारात में श्रद्धालुओं ने बैण्ड बाजे व डोल नंगाड़े पर जमकर नृत्य किया। राम बारात में सजी हुई बग्गी पर सवार होकर भगवान श्री राम, भरत, लक्ष्मण व शत्रुघन चल रहे थे। राम बारात का

जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं गुलाल उड़ाकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से आस-पास का वातावरण गुंजायमान हो गया। राम बारात हनुमान नगर में स्थित अभयदाता मंदिर जनकपुरी पंहुची जहां तोरण की रस्म की गई। कथा में आचार्य कृष्णकान्त शास्त्री ने कहा कि धर्म केवल आत्मा का विषय है धर्म किसी दुकान और किसी बाजार में नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि धर्म अपनी आत्मा से उत्पन्न होता है यदि आत्मा का वैभव चाहिए तो संसार का वैभव छोडना पडेगा। जो भी अपना वैभव छोडकर आए, वह परम आत्मा में लीन हो गए। कथा में गोऋषि प्रकाशदास महाराज किवाड़ा ने कहा कि गाय की सेवा करना एक महायज्ञ के समान है। उन्होंने कहा कि गाय की पूजा मानव ही नहीं देवता भी किया करते हैं। इस दौरान रामदरबार की महाआरती की गई। कथा में बुद्धिप्रकाश शर्मा, रामफूल शर्मा, जगदीश शर्मा, विनोद तिवाडी, विमल विजय, रवि अग्रवाल, पूरणसिंह, विमल विजय, सुरेश स्वामी, केदार जाट, बलवन्त सिंह, गिर्राज जाट,अशोक पारीक, सांवरमल शर्मा, बन्नालाल चौधरी, रामअवतार, हनुमान, मनोज जैन व दयाराम जाट सहित कई भक्त मौजूद थे।

अखिल हरियाणा गौड ब्राह्मण बालिका छात्रावास समिति के चुनाव संपन्न, 83 प्रतिशत हुआ मतदान

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण बालिका शिक्षा एवं छात्रावास समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव रविवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी रामगोपाल शास्त्री, चुनाव अधिकारी बंशी बोहरा, रामचन्द्र हरिपुरा व भरत शर्मा अलियाबाद की देख रेख में संपन्न हुए।

छात्रावास समिति अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा व महामंत्री मांगीलाल महाराजपुरा व लक्ष्मीचन्द शर्मा ने बताया कि रविवार को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक 83 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम 5:30 बजे से मतगणना हुई। जिसमें कुल 2963

मतदाओं में से करीब 2550 मतदाताओं ने मतदान किया। चुनाव प्रक्रिया को लेकर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान करवाने के लिए निर्वाचन अधिकारियों ने संपूर्ण व्यवस्थाएं की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बद्रीनारायण सूरिया, मांगीलाल सरसिणया, हनुमान बंन्दावला, रामपाल सिंगवाडिया, रामेश्वरप्रसाद दूत, रामअवतार हरसोरा, सत्यनारायण चौरसिया, सह मंत्री, मोहनलाल बंन्दावला, सीताराम पंचोली, हनुमानप्रसाद समोत्या, सूरजमल सरसिन्या, राजाराम बेद, शंभु चौधरी एवं गंगासहाय चौधरी सहित कई लोग मौजूद थे।

डॉ. कविता को एसटी केटेगरी में मिली फर्स्ट रैंक

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। यहां पटेल नगर निवासी डॉ. कविता मीणा ने हाल ही में घोषित हुए मेडिकल ऑफिसर डेंटल में एसटी केटेगरी में पूरे प्रदेश फर्स्ट रैंक प्राप्त कर ली है। जानकारी के अनुसार डॉ. कविता पत्नी को मेडिकल ऑफिसर डेंटल में कॉमन लिस्ट में 68 वीं रैंक प्राप्त हुई है। इसी के तहत एसटी कैटेगरी में कविता को पूरे राजस्थान में फर्स्ट रैंक मिली है। कविता ने हाल ही में केकड़ी अस्पताल में जॉइनिंग किया है। जानकारी यह भी मिली है कि डॉ कविता ने गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज जयपुर से एमडीएस किया है। उसमें भी कविता ने वर्ष 2018 में पहली रैंक प्राप्त की थी। कविता ने अपनी इस सफलता का श्रेय पति अशोक मीणा को दिया है।

महर्षि गौतम मंदिर में बड़े पौष बड़े का लगाया भोग

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी)। पौष माह के चलते रविवार को शहर के बस स्टैंड स्थित महर्षि गौतम के मंदिर में पौषबड़े का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर पकौड़ी व मूंग के हलवे का भोग बनाकर महर्षि गौतम के भोग लगाने के पश्चात प्रसादी का वितरण भक्त जनों में हुआ जहाँ सैंकड़ो लोगों ने प्रसादी प्राप्त की। इस मौके पर ब्राह्मण समाज के सत्यनारायण तिवाड़ी (सरसडी) राजेन्द्र शर्मा, गौतम हितकारिणी सभा देवली के अध्यक्ष रमेशचंद्र शर्मा,संजय शर्मा, अमित गौतम,जगदीश शर्मा,मुरलीधर शर्मा, नवल जोशी,सत्यनारायण शर्मा,लादूलाल शर्मा समेत समाज कई लोगो ने इस पुण्य कार्य में सेवाएं प्रदान की।

महर्षि गौतम मंदिर देवली में पोसबड़े का लगाया भोग,प्रसादी की वितरण

बढ़ता राजस्थान

दूनी/टोंक। देवली शहर के बस स्टैंड स्थित महर्षि गौतम जी के मंदिर में पोसबड़े का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। इस मौके पर गमागर्म पकौड़ी व मूंग के हलवे का भोग बनाकर महर्षि गौतम के भोग लगाने के पश्चात प्रसादी का वितरण हुआ जहाँ सैंकड़ो लोगों ने प्रसादी प्राप्त की। इस दौरान ब्राह्मण समाज के सत्यनारायण तिवाड़ी(सरसडी) (न.पा.पार्षद),राजेन्द्र शर्मा, गौतम हितकारिणी सभा देवली के अध्यक्ष रमेशचंद्र शर्मा,संजय शर्मा, अमित गौतम,जगदीश शर्मा,मुरलीधर शर्मा, नवल जोशी,सत्यनारायण शर्मा,लादूलाल शर्मा समेत समाज कई लोगो ने सेवाएं प्रदान की।

पानी की निकासी नहीं होने से सड़क पर भरा है गंदा पानी व कीचड़

कॉलोनीवासी, विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं, राहगीरों व दुकानदारों को हो रही है परेशानी

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। जयपुर टोंक रोड पर स्थित बडी के मंदिर के समीप केसोटों के मोहल्ले में जाने वाले मुख्य रास्ते में नव निर्मित सीसी रोड के दोनों साईड में नालियों का निर्माण नहीं होने से सडक पर गंदा पानी व कीचड़ भरा हुआ है। मोहल्ला निवासी विमल जैन बगडी, भागचंद जैन, मुकेशकुमार, भवानी शर्मा व ओमप्रकाश जांगिड़ सहित कई मोहल्लेवासियों ने बताया कि मोहल्ले के मुख्य रास्ते में करीब दो माह पहले सीसी सडक का निर्माण किया गया था। जो ठेकेदार की लापरवाही से सडक पर भरे पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण नहीं किया गया जिससे सडक पर गंदा पानी व कीचड़ भरा रहता है। जिसकी बदबू से मोहल्लावासी सहित विद्यालय जाने

वाले छात्र-छात्राएं, राहगीर व दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पालिका प्रशासन से सडक पर भरे पानी की निकासी करवाने की मांग की है।

जयकारो के साथ रवाना हुई चौथमाता के लिए पदयात्रा

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा(नि.स.)। नटवाड़ा कस्बे में श्री चौथमाता पदयात्रा संघ के तत्वावधान में रविवार को चौथ का बरवाड़ा के लिए 7वीं पदयात्रा चौथमाता के जयकारो एवं ध्वज पूजन के साथ रवाना हुई। पदयात्रा में शामिल पदयात्री भजनो पर नाचते-गाते हुए रवाना हुए। पदयात्रा का ग्रामीणो द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया। रविवार की सुबह सभी ग्रामीण श्री बद्री विशाल भगवान के मन्दिर परिसर में एकत्रित होकर पदयात्रा के ध्वज का विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजन किया एवं इसके बाद चौथमाता की प्रतिमा को फूलो से सजें-धजे रथ में विराजमान कर गॉव में भ्रमण करवा कर पदयात्रा का शुभारम्भ किया। पदयात्रा में शामिल पदयात्री हाथो में चौथमाता के निशान लिए चलो बुलावा आया हैं..., सुनळ चौथ बरवाड़ा की नैया पार लगादे म्हारा टूट्या गाडा की... सहित अनेक भजनो पर नाचते-गाते हुए रवाना हुए। महिलाएं रंग बिरंगे वस्त्र पहन कर मगंल गीत गाती एवं माता के जयकारे लगाती हुई चल रही थी। इससे पूर्व ग्रामीण पंच-पटेलो ने पदयात्रा की सफलता के लिए पथवारी माता का पूजन कर महाआरती की। सायं को चौथमाता के चरणो में ध्वज समर्पित कर प्रदेश में सुख-समृद्वि की कामना करेगें।

पौषबडा महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। गणगौरी बाजार में स्थित श्री वीर तेजाजी महाराज के मंदिर में वीर तेजाजी मंडल के सानिध्य में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। तेजाजी मंदिर निर्माण सेवा समिति सदस्य पारस सैनी व लाला पंडा ने बताया कि पौषबडा महोत्सव को लेकर मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया। वैदिक मंत्रोचार के साथ तेजाजी महाराज के चोला चढ़ाकर आकृषक झांकी सजाई गई। इस दौरान तेजाजी महाराज बडा व हलवे का भोग लगाया व महाआरती करके पौषबडा प्रसादी वितरित की गई। इस दौरान केशर लाल वर्मा, सुरेश खाण्डया, लालचंद सैनी व गणेश सैनी सहित श्रद्धालु मौजूद थे। इसी प्रकार जमात स्थित पेट्रोल पंप वाले श्री मंशापूर्ण बालाजी के मंदिर में पंडित पुरुषोतम शर्मा के सानिध्य में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बालाजी मंदिर निर्माण सेवा समिति सदस्य सत्यनारायण शर्मा व जीवतराम यादव ने बताया कि पौषबडा महोत्सव को लेकर मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया।

उन्होंने बताया कि विद्धावान पण्डितों द्वारा मंत्रोचरण के साथ कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया।

88प्रतिशत किसान छोटी जोत वाले, सबसे ज्यादा दुःखी है किसान : पंडित रामकिशन

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। देश में सबसे ज्यादा दुःखी किसान वर्ग है और किसानों का कर्जा माफ होना चाहिये तथा अमीर लोगों पर टैक्स लगातार उस पैसे को खेती और सिंचाई के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिये । यह कहना है समाजवादी विचारक और पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन का ।पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन रविवार को ग्राम भैसीना में आयोजित किसान सम्मेलन में बतौर मुख्यअतिथि अपना उद्बोधन दे रहे थे, उन्होंने कहा कि देश में 88प्रतिशत किसान छोटी जोत बाले है जब किसान को सस्ता पानी मिलेगा तो उसकी आमदनी बढ़ेगी और बिजली का खर्चा कम हो जायेगा । उन्होंने कहा कि देश में गरीब और अमीर का फर्क बढ़ता जा रहा है तथा गलत नीतियों के ही कारण आज भारत में चीन और अमेरिका से ज्यादा अरबपति हो गये है जिनके साथ ज्यादा सम्पति और अधिक आमदनी होने की वजह से देश में आर्थिक गैर बराबरी बढ़ती ही जा रही हैं तथा आम उपभोक्ता की क्रय शक्ति कम होती जा रही है।

नरेगा में 200 दिन की गारंटी दे सरकार

उन्होंने कहा कि नरेगा के कार्य दिवस को बढ़ाकर सरकार को 200 दिन कार्य दिवस की गारन्टी देनी चाहिये । उन्होंने कहा कि सरकार जहाँ एक तरफ 28 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर करने की बात कह रही है जबकि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे रही है अब सबाल उठता है कि जब देश में गरीबी कम हुई है तो दूसरी और आयकर दाताओं की संख्या भी तो बढ़नी चाहिये । उन्होंने कहा कि देश की कुल आवादी में से महज एक प्रतिशत लोग ही टैक्स दे रहे है , कर्जाभार और विकास की जरूरत को देखते हुऐ टैक्स के दायरे को और धनाढ़य लोगों पर बढ़ाना चाहिये ताकी उस टैक्स के पैसे से पानी शिक्षा और स्वास्थ्य की और बेहतरीन व्यवस्था हो सके ।

गत तीनदशक में 40 हजार किसानों ने की आत्महत्याएं

उन्होंने कहा कि आजादी से अब तक देश में 70 हजार किसानों ने आत्महत्याऐं की है लेकिन पिछले तीन दशकों में 40 हजार किसानों ने आत्म हत्याऐं की है । किसान आन्दोलन में विगत वर्षों में करीब 700 किसानों की मौते हुई है । उन्होंने कहा की उपभोक्ताओं को सस्ता खाद्यान मिले , मंहगाई कम रहे इस नाम पर सरकारों ने पूरा वजन डाल दिया किसानों पर जिसकी बजह से किसान कर्जदार होता चला गया । सभी किसानों ने पानी और रोजगार को लेकर कस्वा हलैना में 12 जनवरी को होने जा रहे किसान सम्मेलन में भारी संख्या में पहुंचने का संकल्प लिया । सभी किसानों ने निर्णय लिया कि पानी आने तक संघर्ष जारी रहेगा । किसानों की सभा में करीब एक दर्जन समीपवर्ती गाँवों के किसानों ने सैंकड़ों की संख्या में हिस्सा लिया । कार्यक्रम में घनश्याम गाजीपुर , रमेश इन्दोलिया गाजीपुर , रामचरन गुर्जर भैसीना , दरब मीणा पूर्व सरपंच , रमेश चन्द पूर्व सरपंच ,रामचरन मीणा, बच्चू सिंह , मूल चन्द पीटीआई , हरीराम मीणा , जीवन पंडित,मुकेश चौधरी,दिनेश सेठ ने भी हिस्सा लिया । सभा में सभी किसानों ने पानी आन्दोंलन के लिये पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और इन्दल सिंह जाट सहित सभी नेताओं का जोरदार अभिनंदन किया गया।

नए वर्ष पर सरिस्का आए सैलानियों को दिखा टाईगर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। रविवार दोपहर में सारिस्का में सफारी का आनंद लेकर जंगल घूम रहे देसी विदेशी पर्यटकों को बाघ के दर्शन हुए। सरिस्का रेंज में रविवार को दर्शकों को बाघ देखने से खासा रोमांस पैदा हुआ । काफी दिनों बाद टाइगर देखने से दिनभर टाईगर के किस्से बने रहे।

कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर है नदिया मौहल्ला के लोग

- पीएचडी मंत्री व अधिशासी अभियंता से स्वच्छ पानी सप्लाई की मांग
- जलदाय विभाग की कार्यशैली पर लग रहे सवालिया निशान

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (नि.स.)। शुद्ध पानी पिलाने का दावा करने वाली राज्य सरकार के दावों को जलदाय विभाग फेल करता हुआ नजर आ रहा है । शहर के नदिया मौहल्ला में जलदाय विभाग द्वारा सप्लाई किए जाने वाला पानी कीचड़ युक्त आ रहा है । कीचड़ मिला हुआ पानी आमजन के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डाल रहा है कई बार अधिकारियों से साफ सुथरा पानी सप्लाई करने के लिए स्थानीय लोगों ने आग्रह किया है लेकिन आमजन की भावनाओं पर जलदाय विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है और लोग मजबूरी में कीचड़ युक्त पानी पीने को मजबूर हो रहे हैं । लोहागढ़ उत्थान मोर्चा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवकुमार वशिष्ठ सहित स्थानीय निवासी रमेश शर्मा, विनोद शर्मा ओम शांति, पवन शर्मा टम्पू , रिंकू ,फिरोज लावन्या ,अजीत, शीला देवी, राम प्रकाश, आदि ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री एवं अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर बताया कि कई महीनो से नदिया मौहल्ला में दूषित व कीचड़ युक्त पानी आ रहा है ,इसकी शिकायत कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों को की गई है लेकिन आमजन की इस ज्वलंत समस्या की ओर जलदाय विभाग के अधिकारियों का ध्यान नहीं है । पाइपलाइन बदलने का जलदाय विभाग के अधिकारी आश्वासन देते हैं । लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है । गंदा पानी आने की वजह से लोगों को मजबूरी में खरीद कर पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है । कीचड़ युक्त आ रहे पानी से आमजन के लिये तो क्या पशुओं के उपयोग में भी नहीं आ पा रहा है । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पेयजल सप्लाई कर आम जन को बेहतर स्वास्थ्य देने का दावा करती है लेकिन जलदाय विभाग द्वारा सरकार की मंशा पर पलीता लगाती हुई नजर आ रही है । शिवकुमार वशिष्ठ ने कहा कि कई बार अधिकारियों को व्यक्तिगत व दूरभाष पर गंदे पानी सप्लाई की शिकायत दर्ज कराई गई है । लेकिन केवल उनके द्वारा आश्वासन दिया जाता है । गंदा कीचड़ युक्त पानी उपयोग में लेने से बीमारियां बढ़ रही है । लोगों को चर्म रोग जैसी बीमारी के साथ ही शारीरिक अन्य बीमारियों से भी जूझना पड़ रहा है । एक तरफ जहां सरकार नर चंबल का मीठा पेयजल लोगों को उपलब्ध कराने के लिए जगह-जगह पाइपलाइन डलवाई है और शुद्ध व मीठा पानी आमजन सप्लाई कराया जा रहा है। वहीं नदिया मौहल्ला में दूषित पानी की सप्लाई लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है । उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया है कि जल्दी इस दूषित पानी की समस्या से क्षेत्र वासियों को निजात दिलाई जाए और क्षतिग्रस्त पाइप को हटवा कर नई पाइपलाइन डलवाई जाए ताकि आमजन को स्वच्छ व साफ पानी मिल सके ।अगर आमजन की समस्या पर ध्यान नहीं दिया तो स्थानीय लोग आंदोलन करने पर विवश होंगे ।

नशे के मकड़जाल में नहीं फंसे युवा : यादव

नशे के मकड़ जाल में फंसे युवा मौत को गले लगा रहे हैं

बढ़ता राजस्थान

बानसूर(धीरज मौर्य)। नगर पालिका क्षेत्र स्थित मत्स्य ग्रुप ऑफ एज्यूकेशन बानसूर द्वारा संचालित मत्स्य महाविद्यालय व श्रीमती पार्वती देवी गर्ल्स कॉलेज बानसूर के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन पर स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा गोद लिए गए गांव गिरुड़ी के कालका माता मंदिर में साफ सफाई की। साथ ही विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.सी. यादव रोटी बैंक संचालक बानसूर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का युवा तेजी से नशे के जाल में फँसता जा रहा है जिससे प्रति दिन सड़क दुर्घटना हो रही हैं और युवा मौत को अपने गले लगा रहे हैं द्य युवाओं को इस जाल से बाहर निकालने के लिये सामाजिक संगठनो व सरकार को जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। मानद सचिव इंजी. जयसिंह मीणा ने समस्त अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों को सच्ची लगन और मेहनत से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया द्य इस अवसर पर महाविद्यालय के मानद सचिव इंजीनियर जय सिंह मीणा, नगर पालिका बानसूर अध्यक्ष प्रतिनिधि सजन मिश्रा, समाजसेवी ओमप्रकाश मोगर, निदेशक अंजू मीणा,सूचना एवं प्रसारण अधिकारी धर्मेन्द्र सैनी,राज्य स्तरीय कवि सुरेंद्र यादव सहित महाविद्यालय प्राचार्य डॉ ललतेश जांगिड़, कार्यक्रम अधिकारी नरेश जिलोवा एवं भोमसिंह गुर्जर सहित एनएसएस के स्वयं सेवक रहे मौजूद।

रेन बसेरो ओर झुग्गियो मे दूध व बिस्कुट बटकर मनाया शहीदी सप्ताह का सातवा दिन

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। देश, धर्म इतिहास की बलिदानी गाथा मे चार साहबजादो की शहादत सर्वोच्च शिखर पर है, इतनी कम उम्र मे मुगलो की इतनी यातनाये झेलने के बाद भी हस्ते हस्ते उन्होंने बलिदान होना स्वीकार किया। इसी वीर शहादत की याद मे 22 से 28 दिसम्बर केसप्ताह को सम्पूर्ण विश्व मे शहीदी सप्ताह के रूप मे मनाया जाता है। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए पुरुषार्थी समाज के युवा भी अलवर मे शहीदी सप्ताह मना रहा है। सप्ताह के सातवे दिन समाज के जागरूक युवा सांय 8:30 बजे दशहरा मैदान स्थित व उसके पश्चात रेलवे स्टेशन व बस स्टेण्ड स्थित रेन बसैरो मे पहुचे जहा झुग्गियो में गर्म दूध व बिस्कुट वितरण किया गया । कार्यक्रम संयोजक सौरभ कालरा ने बताया कि श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी ने वास्तविक रूप मे सिख धर्म की संस्थापना कर इस देश को मुगलिया सलतनत के अत्याचारों से बचाया , उन्ही की वजह से आज इस देश मे हिन्दू धर्म बचा है। कार्यक्रम में विकास जासूजा,नितिन गाँधी,सनमीत सिंह,अमित लौटा,रवि लाम्बा,नितिन गाँधी, पवन सोनी, मनमोहन सिंह,प्रिंस मदान, उपस्थित रहे।

इंडियन रेडक्रास सोसायटी अलवर के सचिव डॉ.रूप सिंह गुर्जर को ऑल इंडिया मेडीकल ऐसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय अवार्ड मिला

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। 27-28 दिसम्बर 2024 को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की हेदराबाद ए तेलंगाना में 99 वीं आल इंडिया मेडिकल कांफ्रेंस में वर्ष 2023.24 के लिए बेहतरीन कार्य करने के लिए आई एम ए नेशनल प्रेसिडेंट्स एप्रीशियेशन अवार्ड से राजस्थान आईएम ए के उपाध्यक्ष, सिटी हॉस्पिटल, भिवाड़ी के निदेशक एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी अलवर शाखा के सचिव डॉ रूप सिंह गुर्जर को राष्ट्रीय अवार्ड प्रदान किया गया है। यह अवार्ड महामहिम राज्यपाल श्री विष्णु देव बर्मन, नेशनल प्रेसिडेंट आईएमए डॉण् आरण्वीण् अशोकनए आनरेरी सेक्रेटरी जनरल आईएमए तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया गया है। हैदराबाद में आयोजित, राष्ट्रीय कांफ्रेंस का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल श्री विष्णु देव बर्मन द्वारा किया गया । 28 राज्यों के हजारों चिकित्सक पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। मशहूर लीवर व आंत विशेषज्ञ डॉ नागेश्वर चेयरमैन ऐ आई जी संस्थान भी कार्यक्रम में आदरणीय अतिथि के रूप में पधारे थे । इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन एवं आई एम ए अलवर के अध्यक्ष डॉ. एससी मित्तल ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इंडियन रेडक्रास सोसायटी अलवर शाखा एवं आईएमए अलवर के लिए बहुत अभिमान की बात है कि पूरे भारतवर्ष में से डॉ.रूप सिंह गुर्जर को 99 वीं आल इंडिया मेडिकल कांफ्रेंस में वर्ष 2023-24 के लिए बेहतरीन कार्य करने के लिए आई एम ए नेशनल प्रेसिडेंट्स एप्रीशियेशन अवार्ड के लिए चुना गया है डॉ. रूप सिंह ने अभी राजस्थान आईएम ए के उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए आईएमए के लिए बेहतरीन कार्य किये है जिससे इस अवार्ड के मिलने से पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ा है।

हृदय की गहराइयों से मुख्यमंत्री और आमजन का आभार : देवीसिंह शेखावत

कोटपूतली बहरोड़ जिला रहा बरकरार, मुख्यमंत्री शर्मा का आश्वासन आया नजर

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवीसिंह शेखावत ने कहा कि कोटपूतली बहरोड़ जिला बरकरार रखने का फैसला स्वागत योग्य है। मैं व्यक्तिस उनका आभारी रहूंगा, क्योंकि उन्होंने मुझे आश्वासन दिया था कि कोटपूतली बहरोड़ जिला बरकरार रहेगा। इसके लिए बानसूर विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा धन्यवाद के पात्र हैं। शेखावत ने कोटपूतली बहरोड़ जिले के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी ताकत और मुख्यमंत्री शर्मा के आश्वासन की बदौलत कोटपूतली जिला बरकरार रहा, अन्यथा 9जिलों की तरह यह जिला भी धाराशाही हो सकता था! विधायक देवीसिंह शेखावत की बात में वजन है यह आम आदमी कहने लगा है।

उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के एक्सीयन कार्यालय के शिलान्यास समारोह में जो कहा था वह कुछ नजर भी आने लगा है।

पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित

बढ़ता राजस्थान

डीग/भरतपुर (नि.स.)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नगर द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री आर्थिक सुधारों के जनक विख्यात अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुगड़ सिंह जाटव की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन गांधी पार्क नगर में आयोजित कर स्व मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दो मिनट मौन रख श्रद्धासुमन अर्पित किए इस अवसर परअध्यक्ष सुगड़ सिंह जाटव, संगठन महामंत्री पवन प्रधान, ओमप्रकाश जाटव, ओमवीर सिंह नरूका, युवा कॉन्ग्रेस अध्यक्ष राकेश कुमार समाजसेवी, श्रीकांत शर्मा, मंडल अध्यक्ष मिजाज खान, प्रताप सिंह नौगांव, जैकम खान, विपिन रजाना महेंद्र सिंह, पंकज वर्मा, शाहबुद्दीन खान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे!

प्रगतिशील प्रजापति समाज का प्रतिभावान सम्मान समारोह सम्पन्न

प्रतिभाएँ भविष्य की तैयारियां अभी से शुरू कर दें : कुमावत

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य)। नगर पालिका क्षेत्र स्थित दक्ष प्रजापति छात्रावास में प्रगतिशील प्रजापति समाज का प्रतिभावान एवं भामाशाह समान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें समाज के 3सौ से भी अधिक प्रतिभाओं और भामाशाहों का सम्मान किया गया ।कार्यक्रम के मुख्यतिथि महंत जनार्दन दास महाराज, रामदास महाराज एवं प्रधान जयप्रकाश प्रजापत रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करणसिंह प्रजापत ने की ।इस मौके पर बोलते हुए मुख्य अतिथि प्रधान जयप्रकाश प्रजापत ने कहा कि सभी प्रतिभाओं को अभी से अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। यदि किसी प्रतिभा का वर्तमान में अध्ययन चल रहा है तो अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अभी से मेहनत में लग जाना चाहिए। प्रजापत ने कहा कि आने वाले समय में पंचायत राज चुनाव, नगर निकाय चुनावों की भी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए जिससे लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। इस मौके पर अध्यक्ष करणसिंह प्रजापत, उपाध्यक्ष मोजीराम, सचिव लालचन्द, कोषाध्यक्ष विक्रम, ऑडिटर अशोक कुमार, संरक्षक मण्डल के रामजीलाल, मामचाँद, शिवनारायण, रूपचंद हलवाई, राजेश, रिछपाल, हीरालाल, हनुमान, व्यवस्थापक पप्पूराम मिस्त्री, रामसिंह, प्रचार मंत्री डॉ हंसराज, तुलसीराम, हंसराज, संगठन मंत्री डॉ मामराज, देवेन्द्र, सदस्य ओमप्रकाश, जयराम, कैलाशचन्द, गुड़दयाल,झारसिंह, पवन, अनील, बनवारीलाल, डॉ निहालचन्द, गोकुल, दिलबर, महेन्द्र, रूपराम, कृष्ण कुमार, वार्डन विनीत, समाज की प्रतिभाएँ, भामाशाह एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अलवर रंगम 2024 थिएटर फेस्टिवल के अंतर्गत नाटक ए बुड्ढे का मंचन किया गया

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। अलवर रंगम 2024 थिएटर फेस्टिवल के अंतर्गत, शाम रंगमंच पर शकील अहमद सैफकी कहानी पर आधारित नाटक ए बुड्ढे का मंचन किया गया। नाटक का नाट्य रूपांतरण, निर्देशन,और परिकल्पना आलोक शुक्ला द्वारा की गई थी। यह 75 मिनट का नाटक हास्य और सामाजिक संवेदनाओं का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। यह कहानी 65 साल के एक वृद्ध व्यक्ति के जीवन पर आधारित हैए जिसकी पहली पत्नी के निधन के बाद वह दूसरी शादी करना चाहता है।

परिवार और समाज की इस सोच के खिलाफ लड़ते हुएए वह अपने दोस्तों की मदद से एक नई शुरुआत करने की कोशिश करता है। नाटक दर्शकों को अंत तक यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या वह अपने जीवन साथी को ढूंढ पाता है। इस नाटक में कुल 20 कलाकारों ने अपनी भूमिकाएं निभाई।

विकास से जुड़ा नाले का काम बना आफत, ठेकेदार ने लीपा पोती कर उठा लिया भुगतान स्थानीय पार्षद की शिकायत को भी किया दरकिनार

बढ़ता राजस्थान

निंबाहेड़ा (प्रकाश खत्री)। नगर पालिका निंबाहेड़ा में ठेकेदारों और नगर पालिका के सहायक अभियंता के आगे शहर वासी वार्ड वासी बेबस दिखाई पड़ रहे हैं । क्योंकि वार्ड नंबर 36 में सीसी रोड और नाला निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया मटेरियल इस्तेमाल किया गया है जिसकी वजह से कुछ समय पूर्व बना नाला जगह-जगह से टूट चुका है और नाला लीकेज भी हो रहा है जिसका गंदा पानी लोगों के घरों में घुस रहा है नालो का ढलान भी ठीक नहीं है जिसकी वजह से नालो में गंदगी भरी रहती है जिससे मक्खी मच्छर भी पैदा हो रहे हैं। इस संबंध में स्थानीय पार्षद मुफिद खान ने दिनांक 9.10.2023 को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को लिखित में शिकायत भी दी थी की मेरे वार्ड नंबर 36 में नाले व सीसी रोड का निर्माण ठेकेदार आर कंस्ट्रक्शन के जावेद खान द्वारा किया गया है जिस निर्माण के कारण वार्ड वासी भी परेशान हो रहे हैं । जिसकी सूचना प्रार्थना पत्र के द्वारा मुझे दी गई। इसलिए उक्त नाले व सीसी रोड का निर्माण कार्य दुरुस्त करा जावे या नया बनाया जावे। पत्र के अनुसार नाले का निर्माण कार्य किया गया है उसका ढलान सही नहीं है तथा घटिया सीमेंट या कम सीमेंट की मसाला का उपयोग किया गया है जिस कारण से नाले का प्लास्टर अंदर बाहर से हट रहा है तथा जो सीसी सड़को को मजदूर के भरोसे छोड़कर बनाया गया है जिसका लेवल भी सही नहीं किया गया । जिस कारण से बरसाती पानी भी घरों के बाहर भरा रहता है जिससे मच्छर मक्खियों पनप रही है । पार्षद द्वारा भी ठेकेदार को कई बार फोन किया तो कोई जवाब नहीं दिया गया । आखिर विकास कार्य किसके लिए हो रहे हैं आम जनता के लिए ठेकेदार के लिए नगर पालिका की तकनिकी अधिकारियों के लिए या नेताओं के लिए क्योंकि नगरपालिका के सहायक अभियंता कैलाश सिंह देवल तो हमेशा से एक ही बात बोलते आए हैं कि सारा काम सही है तो फिर यह घटिया कार्य किसी और नगरपालिका का है ,जब स्थानीय पार्षद ने लिखित में शिकायत दी तो उसको भी दरकिनार ठेकेदार का भुगतान कर दिया गया । जबकि पक्के निर्माण कार्य की गारंटी अवधि भी 5 साल की रहती है तो फिर ठेकेदार से निर्माण कार्य सही क्यों नहीं करवाया जा रहा । आखिर ऐसी क्या मजबूरी है और नगर पालिका की तकनीकी अधिकारी किसकी और क्या मॉनिटरिंग कर रहे हैं अगर मॉनिटरिंग कर भी रहे थे तो निर्माण कार्य घटिया कैसे हो गया यह जांच का विषय है । क्या आम जनता के टैक्स का पैसा ऐसे ही बर्बाद होता रहेगा या प्रशासन इस पर कुछ कड़ा एक्शन भी लेगा या ठेकेदार से नाला निर्माण के 15 लाख वसूल किये जायेंगे या नहीं, इस सम्बन्ध मे नगर पालिका के सहायक अभियंता से संपर्क करना चाहा तों उन्होंने कॉल नहीं उठाया ।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को कपासन में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह के निधन बाद रविवार को नगर कांग्रेस कार्यालय में शोकसभा का आयोजन पुष्प-माला सहित श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। नगर कांग्रेस प्रवक्ता विजय बारेगामा ने बताया कि कांग्रेस कार्यालय में आयोजित शोकसभा में जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पंचायत समिति कपासन प्रधान भेरूलाल चौधरी ने कहाकि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह 10 वर्ष देश के प्रधानमंत्री रहते हुवे मनरेगा,आधार कार्ड आदि महत्ती जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया। कांग्रेस नगर अध्यक्ष शंकरलाल प्रजापत ने कहाकि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह अर्धशास्त्री थे जब विश्व पटल पर अर्थव्यवस्था चरमरा रही थी ऐसे समय में डॉ. मनमोहन सिंह ने भारत की अर्थ व्यवस्था को उभारा था। जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष सतीश नंदवाना ने कार्यकर्ताओं से पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह जीवन से प्रेरणा लेते हुवे देश एवं समाज की सेवा करने की बात कही। द्य इस नगर कांग्रेस कमेटी कपासन द्वारा आयोजित शोकसभा में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद गुर्जर,पूर्व नगर अध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ पार्षद हाजी अब्दुल रहमान मंसूरी,पूर्व प्रधान ओमप्रकाश व्यास,पूर्व पार्षद शिवशंकर उपाध्याय,पूर्व ब्लॉक उपाध्यक्ष अख्तर अली बुखारी,लक्ष्मीनारायण व्यास,डॉ. लीलाशंकर मेघवाल,युवा नेता मोहम्मद शेर अंसारी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ललित टांक,नपा पार्षद रोशन सोनी,यूकां जिला महासचिव रोहित कोदली,उपाध्यक्ष हरलाल जटिया,पूर्व पार्षद अशरफ हुसैन,महासचिव देवेंद्र सेन,मनीष सोनी, सचिव हरीश सोनी,पूर्व ब्लॉक प्रवक्ता मधुसूदन कुमावत,पूर्व ब्लॉक महामंत्री भेरुलाल बारेगामा, मोहम्मद रफीक अंसारी, सत्यनारायण सेन,यूकां के दीनबंधु सोमानी, राजस्थान कांग्रेस आईटी सेल प्रदेश महासचिव अकरम मंसूरी,तेजप्रताप नंदवाना , युवा नेता अमित मोदी,रतनलाल गुर्जर, लक्ष्मीलाल भाण्ड,गोपाल सेन धमाणा,युवा नेता रवि सोनी, जिला वक्फ बोर्ड उपाध्यक्ष मजर हुसैन,महासचिव पिंटू खटीक,दीपक मोची,राजेंद्र आचार्य, रामेश्वरलाल अहीर, किशनलाल प्रजापत आदि क्षेत्रीय कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ द्वारा कांग्रेस जिलाध्यक्ष भैरूलाल चौधरी एवं कांग्रेस नगर अध्यक्ष शंकरलाल प्रजापत की अगुवाई में पुष्प-माला सहित 2 मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

रतन नवल टाटा की याद में एक साथ दौड़ा क़स्बा

तीन से दस किमी दौड़ में शामिल हुए सेंकड़ो लोग, विजेताओं को मिला पुरस्कार

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। रन फॉर टाटा संपन्न अंता रनर्स चेरीटेबल संस्थान के तत्वावधान में भारत के प्रसिद्ध भामाशाह और समाज सेवक रतन नवल टाटा की की स्मृति में बच्चों में शारीरिक गतिविधियों के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से एक मेगा दौड़ का आयोजन किया गया।इस दौड़ में 5 वर्ष से अधिक आयु वाले लगभग 1100 मेल- फीमेल धावक - धाविकाये दौड़े। यह दौड़ 4 श्रेणियों (2, 3, 5, किलोमीटर और 10 किलोमीटर) में दौड़ आयोजित हुयी,जिसमे सभी धावक अंता खेमजी गार्डन से सीसवाली रोड़ पर रातडिया तक दौड़े। दौड़ से पूर्व एएफसी अकैडमी,अंता के कोच अरविंद मेघवाल द्वारा धावकों को वार्म अप करवाया। सेवानिवृत्त सैनिकों व रामेश्वर खण्डेलवाल अध्यक्ष नगर पालिका ,अंता ने दौड़ को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में विजेता धावकों को सेवानिवृत सैनिकों द्वारा पारितोषिक स्वरुप मेडल और ट्राफी प्रदान किए गए और चेयरमैन अंता द्वारा सेवानिवृत सैनिकों को मेडल तथा सम्मान पत्र से सम्मानित किया। एआरसी

संस्थान द्वारा प्रत्येक धावक को मेडल और भीगे हुए चना ,मूग, मूँगफली के दाने प्रदान किए गए अंत में संस्थान के अध्यक्ष व सदस्यों द्वारा सभी को धन्यवाद अर्पित किया।

आचार्य भगवन्तों का जैन तीर्थ से कोटा की तरफ हुआ विहार

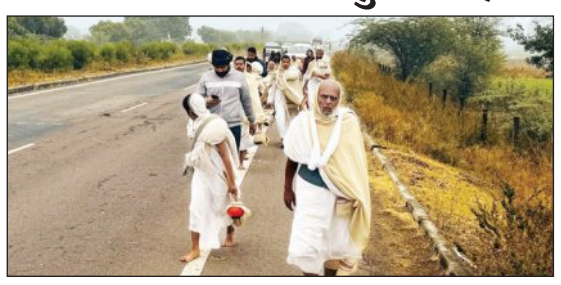

बढ़ता राजस्थान

अंता/बांरा (शफीक मंसूरी)। बारां श्री गुणवर्धन शंखेश्वर जैन तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष, जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया ने बताया कि जैन तीर्थ पर भगवान पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव के दौरान आचार्य भगवन्त वर्धमान तपोनिधि परम पूज्य आचार्य श्री नयचंद सागर सूरी म.सा., सहस्त्रावधानी परम पूज्य गणिवर्य डॉ.श्री अजीतचन्द्र सागर जी म.सा. व बोरडिया परिवार के कुलदीपक बालमुनी श्री विजयचन्द्र सागर जी म.सा.पूज्य साध्वी श्री अमीवर्षा श्रीजी म.सा.आदि ठाणा पधारे हुए थे जिनकी उपस्थिति में भगवान पार्श्वनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव सकल श्रीसंघ द्वारा पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान आचार्य भगवंतों की उपस्थिति में अनेक धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जन्म कल्याणक महोत्सव समाप्ति उपरान्त आचार्य भगवंतों द्वारा जैन तीर्थ से कोटा की तरफ विहार किया। आचार्य भगवंतों को जैन समाज बंधुओं एवं श्रीमती उर्मिला जैन भाया द्वारा जैन तीर्थ से विहार करवाते हुए अन्ता तक पहुंचाया जहां पर आचार्य भगवंतों द्वारा रात्रि विश्राम किया और इसके उपरान्त गढेपान के लिए विहार किया।

बाल विवाह रोकथाम के लिए ग्रामीणों को दिलाई शपथ किया जागरूक

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (नि.स.)। जिले में बाल विवाह रोकथाम के लिए रविवार को बूंदी में ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा खटियाडी, रामपुरा बेरवा बस्ती, देलुंदा, गोठडा आदि, गावो मे बाल विवाह ना करने का संदेश प्रोग्राम मैनेजर अभिलाषा अग्रवाल, और सुमन शर्मा द्वारा दिया गया, और सभी को बाल विवाह ना करने की शपथ दिलाई गयी, ताकी सभी लोग मिलकर बाल विवाह को जड़ से ख़तम कर सके । उन्होंने गांव में बाल विवाह होने पर किन बातों की समस्या होती है पर विस्तार से ग्रामीणों को बताया साथ ही शिक्षा जीवन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है इसकी भी जानकारी ग्रामीणों को दी गई। यह संस्था समय-समय पर गांव में जाकर बाल विवाह रोकथाम के साथ-साथ शिक्षा, बालश्रम, महिला उत्पीड़न जैसे कई कार्यों पर काम करती है। इस दोरान समस्त गाँव वालो ने शपथ ग्रहण करके बाल विवाह ना करने का आस्वसन् दिया ।

लोको पायलटों के साथ कोटा-मथुरा खंड में कवच तकनीक के उपयोग को लेकर सेमिनार आयोजित

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी की अध्यक्षता में कोटा मंडल की संकेत एवं दूर संचार गति शक्ति इकाई द्वारा एक वर्चुअल जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य लोको निरीक्षकों और लोको पायलटों को कवच तकनीक के प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना था। सेमिनार में कोटा मंडल और क्षेत्रीय रेलवे प्रक्षिक्षण संस्थान उदयपुर के यातायात, विद्युत, परिचालन और संकेत एवं दूर संचार विभाग के 10 अधिकारी, निरीक्षक, सुपरवाइजर और प्रशिक्षकों ने हिस्सा लिया। इसके साथ ही इस सेमिनार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय रेलवे प्रक्षिक्षण संस्थान उदयपुर में प्रशिक्षण कर रहे कुल 613 रेलकर्मियों जिसमें लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, पॉइंट्समैन, आपदा प्रबंधन स्टाफ, जेई सिग्नल और सिग्नल तकनीशियन भी जुड़े। दो घंटे से अधिक चले इस मैराथन सत्र में प्रतिभागियों ने कवच तकनीक के उपयोग और विभिन्न परिस्थितियों में इसके व्यवहार से संबंधित अपनी शंकाओं और सवालों को रखा। इनका समाधान कोटा संकेत एवं दूर संचार गतिशक्ति यूनिट ने प्रायोगिक वीडियो और चित्र प्रस्तुति के माध्यम से किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस सेमिनार के माध्यम से प्रतिभागियों को कवच तकनीक के सही उपयोग और इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पहल को रेलवे सुरक्षा और संचालन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे कोटा-मथुरा खंड में परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा। संचालन टीम से अनुरोध किया गया कि कोटा-मथुरा खंड में ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) की पूरी क्षमता का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 में 1998 बैच का पूर्व विद्यार्थियों का रियूनियन कार्यक्रम आयोजित

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा(नि.स.)। परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 में वर्ष 1998 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का रियूनियन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने अपने स्कूल के दिनों की यादों को ताजा किया। कार्यक्रम के संयोजक और पूर्व छात्र शैलेश कुमार ने बताया कि पूर्व विद्यार्थियों ने विद्यालय में एक समारोह का आयोजन किया, जिसमें प्राचार्य दिलीप सिंह, विद्यालय क्रमांक 2 के प्राचार्य लोकेश जोशी, सेवानिवृत्त हो चुके और रावतभाटा में निवास करने वाले शिक्षकों के साथ-साथ रावतभाटा से दूर अन्य शहरों से आए शिक्षकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही, सभी कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनके सम्मान में भोज का आयोजन भी किया। इस रियूनियन कार्यक्रम में न केवल भारत से, बल्कि विदेशों में बसे 1998 बैच के विद्यार्थियों सहित कुल 25 पूर्व विद्यार्थी रावतभाटा पहुंचे। जिन विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति संभव नहीं हो पाई, उनसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संपर्क किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विद्यार्थियों के चेहरों पर लगभग 26 वर्षों बाद मिलने की खुशी और भावुकता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन का हिस्सा बन सकें।

सावित्री बाई फुले जयंति 04 जनवरी को, होगा भव्य जयंति समारोह, लोकसभा अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि

सावित्री बाई फुले सदी की सर्वमान्य अग्रणी महिला : ईश्वर लाल सैनी

शिक्षा एवं उर्जा मंत्री भी होंग सम्मिलित, सावित्रीबाई फुले जयंती पर 4 जनवरी को भव्य कार्यक्रम, तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। सैनी समाज कर्मचारी-अधिकारी विकास संस्था और सामाजिक समरसता न्याय मंच राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 4 जनवरी 2025 को समाज सुधारिका और देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम यूआईटी ऑडिटोरियाम का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर रविवार को श्रीनाथपुरम स्थित सुमंगलम ग्रुप कार्यालय परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने हिस्सा लिया। तैयारियों की समीक्षा के साथ सभी को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

महिला शिक्षा और समानता की प्रेरणा स्त्रोत : समिति अध्यक्ष भरत राम सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले का जीवन और कार्य केवल समाज की महिलाओं तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समाज में समानता और न्याय के लिए भी कार्य किया। और उन्होंने सामाजिक असमानता, जातिवाद, और बाल-विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाई।

समाज सुधार और शिक्षा का अलख जगाने वाली अग्रदूत : समाजसेवी ईश्वर लाल सैनी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस समय बालिका शिक्षा की शुरुआत की, जब महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। उन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निडर होकर कार्य किया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज सुधार के लिए प्रासंगिक हैं। सावित्रीबाई और उनके पति ज्योतिराव फुले ने मिलकर लड़कियों के लिए पहला स्कूल खोला और समाज में महिला शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया।

चाहत सालवी का लाल किले पर परेड पर हुआ चयन, जिले व समाज में हर्ष

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा(नि.स.)। माणिक्यलाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा मंगरोप निवासी चाहत सालवी का एनसीसी अण्डर ऑफिसर (यूओ) का केन्डिडेट के रूप में नई दिल्ली में लाल किले पर गणतन्त्र दिवस की परेड में चयन हुआ है। चाहत 5राज एनसीसी उदयपुर केन्डिडेट के रूप में गणतन्त्र. दिवस पर आयोजित परेड में हिस्सा लेगी । छात्रा ने पूर्व में भी राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता एवम् अन्य प्रतियोगिताओं मे जीतकर अपने गांव एवं जिले का नाम रोशन किया है । छात्रा के चयन पर जिले भर सहित समाज एवं गांव एवं कस्बे में हर्ष है।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित, जिला क्लक्टर ने की विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा

कमजोर प्रगति वाले चिकित्सा अधिकारियों को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने चिकित्सा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यकर्मों के बारे में ब्लॉक वार समीक्षा कर लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं में लक्ष्य प्राप्ति के लिए अधिकारियों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कमजोर प्रगति वाले चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर लोगों को जोड़ने एवं चिकित्सको को सकारात्मक सोच के साथ काम करने के निर्देश दिए। अस्पताल में आने वाले मरीज को किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए मरीजों में विश्वास जागृत कर इलाज करें। बैठक में आशान्वित जिला कार्यकम एवं आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम की प्रगति, एएनसी पंजीकरण व 12 सप्ताह के अंतर्गत पजीकरण की स्थिति, मिसिंग डिलेवरी तथा संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना एवं राजश्री योजना अंतर्गत लाभार्थियों को भुगतान, 108 व 104 एम्बुलेन्स वाहनों के निरीक्षण पीएमएसएमए पोर्टल पर रूपर्ति,एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिग, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर के अंतर्गत दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं प्रगति की समीक्षा के साथ साथ परिवार कल्याण कार्यक्रमों की प्रगति , मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी व कार्ड वितरण की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉ जयंती लाल मीणा ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए पूर्व पालना रिपोर्ट तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट के बारे में जिला कलक्टर को अवगत करवाया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर वहां स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लें और यदि कहीं कमी पाई जाए तो आवश्यक सुधार करवाया जाए। बैठक के दौरान जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शिव कुमार शर्मा,अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी गौरव मीना, डीपीओ शशांक वशिष्ठ सहित समस्त खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, उपस्थित रहे।

सूने मकान में चोरों ने की चोरी की वारदात

1 लाख के पीतल और तांबे के बर्तन चोरी, तलाश में जुटी बसेड़ी थाना पुलिस

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर(नि.स.)। धौलपुर के बसेड़ी कस्बा स्थित स्टेशन रोड पीपल मंडी में शनिवार रात चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया। घटना की जानकारी पीड़ित को रविवार सुबह 10 बजे के समय हुई तो उसके होश उड़ गए। चोरी की घटना की जानकारी लगते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना बसेड़ी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया। घटना को लेकर पीड़ित सुरेंद्र मंगल पुत्र रामदास मंगल निवासी स्टेशन रोड पीपल मंडी ने पुलिस में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। जिसमें बताया है कि उसके पुराने मकान में तांबे व पीतल के बर्तन रखे हुए थे। जिनका वजन करीब एक क्विंटल 30 किलो था। जिनकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपए हैं। पीड़ित ने बताया कि अज्ञात चोरों ने उसके सूने मकान में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। जिसमें चोर तांबे और पीतल के बर्तनों को चुरा कर ले गए। चोरी की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की पड़ताल की। इसके साथ ही पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेजों को भी खंगाल रही हैं। जिसके आधार पर चोरों की पहचान की जा रही है।

बारिश से रबी की फसलों को मिला फायदा : ठंडी हवाओं ने ठिठुराया, 13.7 डिग्री पहुंचा न्यूनतम पारा

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। धौलपुर जिले में सर्दी का दौर लगातार जारी हैं। बीती रात आए तूफ़ान के बाद शनिवार रात भी रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। जिले की कई इलाकों में हुई हल्की बरसात से रबी की फसलों को फायदा हुआ है। पिछले 6 दिनों से जिले में बादल अपना डेरा जमाए हुए हैं। जिससे जिले के तापमान में भी गिरावट आई है। रविवार को धौलपुर जिले का न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया हैं। जो शनिवार के मुकाबले .06 डिग्री कम है। बीते रोज धौलपुर जिले का अधिकतम तापमान 23.4 और न्यूनतम तापमान 14.3 डिग्री दर्द किया गया था। जिसके मुकाबले पिछले 24 घंटे में चली सर्द हवाओं और बादलों की वजह से तापमान में गिरावट आई हैं। जिले में हुई बारिश की वजह से अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री दर्ज किया गया हैं। सर्द हवाओं के चलते रविवार सुबह लोग अलाव जलाकर नजर आए। वहीं, रोजमर्रा के काम के लिए निकले लोग भी गर्म कपड़े पहनकर ही घरों से बाहर निकले। मौसम विभाग में पूर्व में ही धौलपुर जिले में बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। जिसके बाद बीते रोज आए तूफान के बाद भी हल्की बारिश का दौर देर रात को जारी रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में और अधिक सर्दी का एहसास होगा।

आवश्यकता वाले परिवारों को कम्बल किये प्रदान

बढ़ता राजस्थान

भुसावर (यतेन्द्र पाण्डेय)। अप्रवासी भारतीय हाल अमेरिका निवासी डॉक्टर यशपाल आर्य की प्रेरणा से उनके भतीजे समाजसेवी भुसावर तहसील के बल्लभगढ़ निवासी विशाल बंसल ने आवश्यकता वाले गरीब, असहाय , विकलांग, वृद्ध आदि को कंबल वितरित किए ।

विशाल बंसल ने ये कंबल प्रत्येक जरूरतमंदो के 60 घरों में पहुंचकर वितरित किए। विशाल बंसल पूर्व में भी गरीब जरूरतमंदों की मदद करते आए हैं। प्रत्येक सामाजिक कार्यों में भामाशाह के रूप में विशाल बंसल का अतुलनीय योगदान रहता है। इस सामाजिक कार्य में देवेंद्र मित्तल , रमन तिवाड़ी, वीरेंद्र जाटव आदि का विशेष सहयोग रहा।

रतन टाटा जयंती पर हुआ ऐतिहासिक आयोजन

700 बच्चों ने लिया कौशल बाल प्रतियोगिता में भाग

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। टीम 'हर घर शिक्षा' द्वारा रतन टाटा जी की जयंती के शुभ अवसर पर वार्षिक कौशल बाल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन तालाबशाही झील के निकट किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 700 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता को विशेष रूप से बच्चों के पाठ्यक्रम पर आधारित रखा गया, जिसमें रतन टाटा जी के जीवन पर आधारित 5 प्रश्न भी शामिल थे। कार्यक्रम के संस्थापक अध्यक्ष रोहित मीणा ने बताया कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण बच्चों की शैक्षिक उन्नति और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए आयोजित की गई। उनका कहना है, हमारा उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए ऐसा मंच प्रदान करना है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सके। बच्चों के उत्साह को बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि बाड़ी के पुलिस उपाधीक्षक महेंद्र सिंह मीणा और शिक्षाविद् बच्चू सिंह मीणा ने प्रेरणादायक भाषण दिए। वहीं डॉ. पी.सी. पाठक ने बच्चों को अच्छे स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। कार्यक्रम में शैलेंद्र मीणा नादौती ने बच्चों को शैक्षिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर उपयोगी गाइडलाइन दी। उन्होंने कहा, मेहनत ही सफलता की कुंजी है, और यह प्रतियोगिता बच्चों को उनके सपनों के करीब ले जाने में सहायक साबित होगी। इस आयोजन में गांव के अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और इसे जिले की पहली अनूठी शैक्षिक प्रतियोगिता बताया। अभिभावकों ने कहा,इस तरह के आयोजन हर साल होने चाहिए, जो बच्चों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उनके कौशल को निखारते हैं। प्रतियोगिता का परिणाम जनवरी के अंत तक घोषित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को एजुकेशनल किट और धौलपुर भ्रमण का अवसर मिलेगा। द्वितीय स्थान पर आने वालों को डिक्शनरी, जबकि तृतीय स्थान पर आने वालों को डायरी और पेन प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए फरवरी में विशाल जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग और टीम के कार्यकर्ताओं ने अनुशासन और शालीनता का उदाहरण पेश किया। केंद्र अधीक्षक सियाराम मीणा के निर्देशन में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हुईं। इस आयोजन को सफल बनाने में समाजसेविका रोशनी शिवहरे, वंदना शिवहरे और टीम हर घर शिक्षा के सदस्यों ने विशेष भूमिका निभाई।टीम के प्रमुख सदस्यों में भूरी सिंह मीणा, महेंद्र कुमार मीणा, भैरो सिंह मीणा, देवेंद्र मीणा, अनिल मीणा, नीरज कुशवाह, जयकिशन मीणा, सुरेश मीणा, बलिचरण रावत, फूल सिंह मीणा, गीता मीणा, रविन्द्र,विजेंद्र मीणा, श्याम कुशवाह, विवेक सिंह परमार, राजेश,गयाप्रसाद मीणा, हरिनिवास मीणा, नरेंद्र मीणा,महादेव मीणा आदि मौजूद रहे।

कंबल वितरण से गरमाई ठंडी रातें जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल

जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने भामाशाह के सहयोग से वंचितों और गरीबों को बांटे कंबल, सर्दी से राहत देने की कोशिश

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। जिले में सर्दी के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल से अब ठंडी रातों में गरीब और वंचित समुदाय को राहत मिल रही है। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने भामाशाह के सहयोग से अत्यधिक सर्दी में कंबल बांटने का कार्यक्रम शुरू किया है, जिससे निराश्रित और गरीब लोग राहत महसूस कर रहे हैं। जिला कलेक्टर ने गरीब, वंचित और निराश्रित लोगों को राहत देने के लिए एक पहल की है। जिला कलक्टर ने भामाशाहों के सहयोग से वंचित लोगों को कंबल वितरित किए, जिससे उन्हें सर्दी से बचाव मिले और ठंड की रातों में कुछ आराम महसूस हो सके। जिला कलेक्टर ने स्वयं इस कंबल वितरण कार्य में भाग लेकर गरीबों को कंबल ओढाकर वंचित वर्ग के लोगों से मिलकर उनका हाल-चाल जाना। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि किसी भी व्यक्ति को सर्दी से गर्म कपड़ों के अभाव में परेशान न होने दिया जाए। भामाशाहों के सहयोग से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि गरीब और निराश्रित लोगों को सहायता मिले। कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने आगे कहा कि प्रशासन ऐसे अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित वर्ग की मदद जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता हर किसी को बुनियादी सुविधाएं और सहायता प्रदान करना है, खासकर जब मौसम कठिन हो और लोगों को सबसे अधिक जरूरत हो।

दस दिवसीय विश्व शांति जगत कल्याण कार्यक्रम 31 दिसंबर से

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन 31 दिसंबर से 9 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। जिसको लेकर शनिवार को आदित्य दिगंबर जैन मंदिर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संचालन कमेटी का गठन किया गया। जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन ने बताया कि मुनिराज विनय सागर महाराज संघ के सानिध्य में विश्व शांति और कल्याण के लिए अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है।

नव वर्ष हमारे देश हमारे प्रदेश और हमारे शहर के लिए समृद्धि खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने बताया कि आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सिद्ध भगवान की पूजा कर विश्व शांति की कामना मुनिराज राष्ट्र संत 108 विनय सागर महाराज के मंगल सानिध्य में जाएगी। मुनि सागर ने कहा कि जैन धर्म में सिद्ध चक्र विधान का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि सिद्ध शब्द का अर्थ है कृत्य कृत्य चक्र का अर्थ है। समूह और मंडल का अर्थ एक प्रकार के वृताकार यंत्र से है।सिद्ध चक्र महामंडल विधान भक्ति के जरिए कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष पाने का मार्ग है। इस विधान से आध्यात्मिक शांति और आंतरिक संतुलन मिलता है। जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आत्म बल का संचार होता है। उन्होंने आगे कहा कि सिद्ध चक्र विधान से आत्मज्ञान और मोक्ष की दिशा में मार्गदर्शन मिलता है इस विधान के अंतर्गत मंडप का शुद्धिकरण, देव अर्चना, देव निमंत्रण, आचार्य निमंत्रण, गुरु निमंत्रण, अभिषेक, शांति धारा और मुनि श्री का उद्बोधन जैसे कार्यक्रम होंगे ।

बाड़ी के वार्ड 6 ने जीती वार्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता : फाइनल मुकाबले में वार्ड 20 को 69 रन से हराया, दिलशाद रहे मैन ऑफ द सीरीज

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी(राजू शर्मा)। बाड़ी में चल रही वार्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। फाइनल मुकाबले में वार्ड 6 की टीम ने वार्ड 20 की टीम को 69 रन से हरा दिया और खिताब अपने नाम कर लिया। कस्बे के महाराणा प्रताप खेल मैदान में हो रही क्रिकेट प्रतियोगिता को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाड़ी क्रिकेट संघ से जुड़े खेल सचिव श्याम राय ने बताया कि दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ ये फाइनल मुकाबला शाम 4 बजे तक चला। जिसमें टॉस जीतकर वार्ड 20 की टीम ने पहले फील्डिंग चुनी। 20 ओवर के मैच में वार्ड 6 की टीम ने निर्धारित ओवर खेलते हुए 177 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वार्ड 20 की टीम 16 ओवर में 108 रन ही बना सकी और ऑल आउट हो गई। ऐसे में वार्ड 6 की टीम 69 रन से विजयी हुई। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मैन ऑफ द मैच दिलशाद रहे। मैन ऑफ द सीरीज का खिताब भी दिलशाद के नाम रहा। ऐसे में आयोजकों ने उन्हें फ्रिज देकर सम्मानित किया।श्याम राय ने बताया कि युवा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा ये टूर्नामेंट चौथी बार आयोजित किया गया। टूर्नामेंट 15 दिसंबर से चल रहा था। जिसमें विभिन्न वार्डों की टीमों ने भाग लिया। विजेता टीम को शील्ड और इनामी राशि व वार्ड 20 की टीम को उप विजेता टीम की शील्ड और इनामी राशि से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि विजय सिंह परमार, शैलेंद्र परमार, विशंभर परमार, राहुल परमार, संजय सिंह, गौरव परमार और अन्य के द्वारा सम्मान दिया गया। इस दौरान बेस्ट फील्डर का खिताब भूरा परमार को, बेस्ट गेंदबाज का खिताब अमर सिंह मीणा को, बेस्ट बल्लेबाज का खिताब दिलशाद को दिया गया। करीब एक पखवाड़े तक चली इस वार्ड का प्रतियोगिता में खेल सचिव श्याम राय, युवा क्रिकेट संघ के आयोजक ओमवीर सिंह परमार, सुगड सिंह अंदाना, तलविंदर सिंह, राजू पटेल सहित तमाम क्रिकेट खिलाड़ियों का सहयोग रहा।

साइंस म्यूजियम... वायरस के प्रकार और एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक डीएनए की ले सकेंगें जानकारी

दीवारों पर लगाई गई वैज्ञानिक तस्वीरें

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर जिले के विद्यार्थियों को विज्ञान की जानकारी के लिए कहीं ओर भटकना नहीं पड़ेगा। कलेक्ट्रेट परिसर साइंस म्यूजियम बनाया गया है। जिसमें देश के वैज्ञानिकों के आविष्कारों के साथ लगे इक्विपमेंट से वैज्ञानिक ज्ञान का अध्ययन कर सकेगें। बता दें कि केंद्र सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ साइंस द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पीआरओ कार्यालय में साइंस म्यूजियम तैयार किया है। जिसमें 40 लाख रुपए के इक्विपमेंट लगाए गए हैं।

जिससे विद्यार्थी विज्ञान के बारे में अधिक जानकारी ले सकेगें। म्यूजियम में मिनिस्ट्री ऑफ साइंस द्वारा देश के वैज्ञानिकों के अविष्कार जानने के लिए इक्विपमेंट लगाए गए हैं। जिसमें अनन्त सुरंग, आर्यभट्ट ने अपने पद के माध्यम से पाई का सही मान किए जाने वाला, संभावना वक्र, पाइथागोरस का प्रमेय, भ्रमिल, मखमली अनुभव, बहुरुपदर्शी, रक्त आदान प्रदान, राह अनेक मंजिल एक, तीव्र पथ, पंखा रोकें, वृत का क्षेत्रफल, वायरस के प्रकार, घूर्णन कुर्सी व अन्य इक्विपमेंट को देखकर और लिखी हुई जानकारी से वैज्ञानिक चीजों के बारे में जान सकेंगें और उनके बारे में पढ़ भी सकेगें।

जिससे जिले के विद्यार्थी म्यूजियम में विज्ञान की जानकारी ले सकेगें। मिनिस्ट्री ऑफ साइंस द्वारा 15 अक्टूबर को साइंस म्यूजियम तैयार कर दी गई थी। लेकिन, म्यूजियम का शुभारंभ होना बाकी रह गया है। अभी शुभारंभ नहीं होने के वजह से जिले के विद्यार्थी म्यूजियम को देखने का लाभ नही उठा पा रहे हैं।

60 किलोमीटर प्रति घंटा से चली हवाएं, राजाखेड़ा उपखंड में ज्यादा नुकसान

तूफान से तबाही : 43 स्थानों पर घर व पेड़ गिरने से 15 घायल, एक की मौत

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (नि.स.)। तूफान के कारण जिले में करीब 450 विद्युत पोल और 17 ट्रांसफार्मरों को नुकसान हुआ है। जाटोली, जुलारी, दुकापा, सरानीखेड़ा, नगला दूल्हे खां, बादलपुर, करीमपुर, बसई नवाब, जाखी, राजौरा कला, किलेदार नगला आदि इलाकों में बिजली लाइनें जगह जगह से टूट गई। जिसकी वजह से आधा शहर और देहात के कई क्षेत्र शुक्रवार देर रात से अंधकार में डूबे हैं। विद्युत विभाग के अनुसार धौलपुर ए-1 के दरियापुर 33 केवी फीडर में फॉल्ट आया है। रीको जीएसएस के सभी फीडर बंद स्थिति में है। जेल फीडर में फॉल्ट हुआ है। जिसके कारण हाउसिंग बोर्ड, पुलिस लाइन, शास्त्री नगर फीडर बंद होने से कई इलाकों की बिजली गुल है। राजाखेड़ा के मरैना में फीडर को नुकसान पहुंचा है, अम्बिका जीएसएस फीडर में भी नुकसान हुआ है। जाटोली, लुहारी, दूकापु रा और सरानी खेड़ा में बीते 24 घंटे विद्युत आपूर्ति ठप्प पड़ी है। जिसकी वजह से कई इलाकों की जलापूर्ति भी प्रभावित है। टूटे पोल और ट्रांसफार्मर को ठीक करने के लिए विभाग की ओर से 6 टीमें लगाई गई है। जो कार्य कर रही है। लुहारी व जाटोली में गिरा मकान मकान गिरने से 7 लोग घायल हुए थे। जिन्हें एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया, वही एक गंभीर रूप से घायल को हायर सेंटर रैफर किया गया है। इसी तरह धौलपुर सिटी कोतवाली क्षेत्र में भी कुछ लोग चोटिल हुए थे, जिनका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। सभी घटनाओं में कुल 9 लोग घायल है। जिनमें कुछ साधारण रूप से घायल है। धौलपुर. रेस्कयू के बाद घायल को खटिया पर ले जाती टीम भास्कर न्यूज 7 धौलपुर गत रात आए तूफान ने भारी तबाही मचाई है। करीब 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने कई मकानों, पेड़ों और बिजली तंत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसमें 16 लोग घायल हुए हैं, जिसमें एक की मौत हो गई। तूफान का प्रभाव शहर से लेकर देहात तक दिखाई दिया। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार रात 9 बजे बारिश के साथ चल रही हवाओं ने अचानक चक्रवात का रूप ले लिया। इस भंवर में आने वाले संसाधन को तूफान ने भारी नुकसान पहुंचाया है। जिसकी वजह से जिले में 43 स्थानों पर पेड़, मकान और अस्थाई निर्माण क्षतिग्रस्त होने के मामले सामने आए है। सबसे अधिक नुकसान धौलपुर शहर और राजाखेड़ा उपखण्ड में हुआ है। जिसमें 3 पशुओं की भी मौत हुई है। इसके साथ ही विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर गिरने से शहर सहित देहात इलाकों में बीते 24 घंटे से विद्युत सप्लाई प्रभावित है। हालात को देखते हुए कलेक्टर श्रीनिधि बीटी और एसपी सुमित मेहरड़ा को सड़क पर उतरना पड़ा।

यह हुए घायल...

तूफान में 15 लोग घायल हुए हैं, जिसमें गजेन्द्र पुत्र कैलाशी निवासी लुहारी, उषा पत्नी भगवान दास गौड, रोशनी पुत्री भगवान दास गौड, प्रिया पुत्री भगवान दास गौड, रागनी पुत्री भगवान दास गौड, ग्यासो पत्नी हरिगोविंद, संजय पुत्र राजवीर, संध्या पुत्री भीमसेन निवासी राठौर कॉलोनी थाना निहालगंज, सुमन पुत्री भीमसेन, करण पुत्र भीमसेन, लाल सिंह पुत्र रामपति नगला दरवेशा बसेड़ी, ओमप्रकाश पुत्र छोटेलाल बेवलपुर जाटोली, भूपेन्द्र पुत्र पूरन सिंह खरगपुर थाना सदर, मनीषा पत्नी भूपेन्द्र, वृन्दावन पत्नी सुखलाल 65 बेवलपुर थाना सदर घायल हुए हैं। वहीं राजाखेड़ा तहसील के अण्डवापुरैनी पक्कापुरा निवासी केदार की दीवार ढह गई, जिसमें दबने से उसकी मौत हो गई।

पीड़ित मानव सेवा के धाम अपनाघर आश्रम गई तीर्थयात्रा

4 बसों से 200 महिला-पुरुष हुए रवाना, प्रभुजनों की खुशियों में होंगे शामिल

बढ़ता राजस्थान

बयाना/ भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। अपनाघर सेवा समिति महिला एवं पुरुष इकाई बयाना द्वारा रविवार को पीड़ित मानव सेवा के पावन धाम अपनाघर आश्रम बझेरा भरतपुर में लिए तीर्थयात्रा गई। बयाना कस्बे के भगवानबाड़ी बगीची से ढोल नगाड़ों के साथ सुबह 10 बजे 4 बसों से करीब 200 महिला-पुरुष अपनाघर आश्रम के लिए रवाना हुए। प्रेस क्लब बयाना के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर कार्यकर्ताओं से भरी बसों को अपनाघर आश्रम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एक बार सभी लोगों को मानवता की सेवा के तीर्थ स्थल अपनाघर आश्रम का जरुर विजिट करना चाहिए। आश्रम के संस्थापक डॉक्टर बीएम भारद्वाज और डॉ माधुरी भारद्वाज सभी यात्रियों को समिति इकाई संरक्षक एडवोकेट बनवारी लाल हरजाई, पुरुष इकाई अध्यक्ष अनिल जैन और महिला का अध्यक्ष इंदु शुक्ला रोली का टीका लगाया।

पुरुष इकाई अध्यक्ष अनिल जैन ने बताया कि तीर्थयात्रा के दौरान आश्रम में आवासरत 20 प्रभुजनों का जन्मदिन भी मनाकर उनकी खुशियों में शामिल होने का आनंदमय अवसर मिलेगा। इसके साथ ही प्रभुजनों की लीलाओं के साक्षात दर्शन भी देखने को मिलेंगे। आश्रम में आवासरत पीड़ित लोगों की सेवा कर उनकी दैनिक जरूरत का सामान भी भेंट करेंगे। इस दौरान समिति के योगेश सर्राफ, संतोष गुप्ता, भगवान सिंह लवानिया, अनिल लोहिया,साहब सिंह चौधरी, केशव देव गुप्ता, त्रिलोक उपाध्याय, बॉली गर्ग, नीलू फौजदार, पूनम सक्सेना, लता, सुनीता बंसल, सीमा आदि कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

एनबीटी सहित अनेक प्रकाशकों की पुस्तकें होगी उपलब्ध

मेवाड़ टॉक फेस्ट में लेखक परिचर्चा भी होगी

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। पुस्तक व संवाद के उत्सव 'मेवाड़ टॉक फेस्ट' का तीसरा संस्करण राजसमंद शहर के भिक्षु निलयम में 11-12 जनवरी 2025 को आयोजित होने जा रहा है। फेस्ट में विशेष रूप से राज पुस्तक मण्डप सजाया जाएगा, जिसमें पुस्तक प्रेमियों के लिए हजारों पुस्तके उपलब्ध रहेगी। नेशनल बुक ट्रस्ट देश भर के कई प्रतिष्ठित प्रकाशकों के साथ ही केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय का उपक्रम नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) भी मेवाड़ टॉक फेस्ट में सम्मिलित होगा। 1957 में स्थापित एनबीटी अब तक 58 भारतीय भाषाओं में लगभग 37000 टाइटल प्रकाशित कर चुका है। एनबीटी के सहायक निदेशक मुकेश कुमार ने पत्र जारी कर बताया कि ट्रस्ट अपने प्रकाशनों की विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से पढ़ने की प्रवृति को बढ़ावा देने और ज्ञान का प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। एनबीटी-इंडिया अपने विविध कलेक्शन को प्रदर्शित करने के लिए मेवाड़ टॉक फेस्ट के 'राज पुस्तक मण्डप' में बुक स्टॉल्स लगाएगा ।

कई प्रकाशक

राज पुस्तक मण्डप की समन्वयक रुचि व स्थानीय सहयोगी हर्षित ने बताया कि एनबीटी के साथ इण्डस स्क्रॉल्स प्रेस, गरूड़ प्रकाशन, ब्लू वन इंक, सुरूचि प्रकाशन, शांति पब्लिशर्स इंडिया, विचार विनिमय प्रकाशन, आई व्यू एंटरप्राइजेज, ज्ञान गंगा प्रकाशन, प्रभात प्रकाशन, अर्चना प्रकाशन भोपाल, लोकहित प्रकाशन लखनऊ व आकाशवाणी प्रकाशन जालन्धर सहित कई अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें भी उपलब्ध रहेगी।

हर पाठक के लिए पुस्तक

मण्डप में विविध प्रकार जैसे बाल साहित्य के साथ ही युवाओं हेतु प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकें, विज्ञान, तकनीकि, साहित्यिक पुस्तके, धार्मिक, जीवनी-आत्मकथाएँ, कहानियां और वैचारिकी पुस्तकें सम्मलित होंगी,ये पुस्तकें हिन्दी,अंग्रेजी, गुजराती , पंजाबी सहित कई भाषाओं में उपलब्ध रहेगी।

मन की बात कार्यक्रम का जन-जन में उत्साह : बाहरठ

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (नि.स.)। मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम के 117 वे संस्करण को भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने सुना । भाजपा जिला मीडिया संयोजक नर्बदा शंकर पालीवाल ने बताया कि 117 संस्करण में मोदी जी ने मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से भाजपा जिलाध्यक्ष मान सिंह बारहठ ने कहा कि मोदी जी के मन की बात के इस कार्यक्रम को लेकर आज सभी जनों में विशेष उत्साह का संचार हुआ है मोदी जी द्वारा भारत की विभिन्न जानकारिया इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी को प्राप्त हो रही है । राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाला यह कार्यक्रम सामाजिक चेतना का ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने घर-घर और जन-जन तक पहुंचाया है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष मान सिंह बारहठ, पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक , मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक प्रदीप खत्री , पूर्व जिला महामंत्री एवं पूर्व सभापति महेश पालीवाल, पूर्व उप प्रधान भानु पालीवाल, जिला उपाध्यक्ष अशोक रांका,ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष जवाहर जाट , जिला कार्यालय मंत्री प्रमोद गोड़ , उप प्रधान सुरेश कुमावत, खुश कमल कुमावत, अनिल कुमार खटीक, पार्षद उत्तम खींची, पार्षद पति शान्ति लाल पालीवाल, प्रकाश प्रजापत, भैरू लाल कुमावत, वी. के. त्रिपाठी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा में चौथे दिन श्री राम जन्म का किया वर्णन

बढ़ता राजस्थान

वैर/ भरतपुर (गोपाल पाठक)। ग्राम पंचायत चकधरसोनी के गांव नगला पचौरा में हो रही भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में चौथे दिन श्री राम जन्म की कथा का वर्णन किया गया। आयोजक महेंद्र सिंह जाटव पूर्व चेयरमैन एवं प्रदेश मंत्री भाजपा के द्वारा कराई जा रही भागवत कथा का वाचन आचार्य अतुल कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। शास्त्री जी ने श्री राम जन्म को लेकर ऐसा सुंदर चित्रण किया कि श्रद्धालु भाव हो गये। उन्होंने भगवान श्री राम के द्वारा किए गए मर्यादा पूर्ण कार्यों का वर्णन किया। कई मार्मिक प्रसंगों ने उपस्थित भक्तों को भावुक कर दिया। श्रद्धालुओं को रिश्तो की गहराई को समझने का अवसर दिया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति भाव से कथा का आनंद लिया।

फाउंडेशन पदाधिकारियों ने किया सम्मान

इस अवसर पर भागवत कथा वाचक आचार्य अतुल कृष्ण शास्त्री, परिक्षित एवं कथा संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं पूर्व कृषि उपज मंडी चेयरमैन महेन्द्र सिंह जाटव सहित अन्य का अखिल भारतीय शहीद सुशील कुमार शर्मा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान प्रदेश संयोजक यतेन्द्र पाण्डेय् के साथ फाउंडेशन के वैर उपखंड संयोजक गोपाल पाठक ने साफा, माला से सम्मान किया!

जिला स्तरीय समन्वय समिति का किया गया गठन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राज्य में आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 को व्यवस्थित एवं निर्धारित समयावधि में सम्पादित करने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से जिला स्तरीय समन्वय समिति का गठन किया गया है। सहायक निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि जिला स्तरीय समन्वय समित के अध्यक्ष जिला कलक्टर होंगे। डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि समिति में जिला पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिलापरिषद, समस्त उपखण्ड अधिकारी, मुख्य आयोजना अधिकारी, एसीपी सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक व प्रारम्भिक, उप निदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग, समस्त तहसीलदार, आयुक्त नगर निगम सदस्य होंगे। उन्होंने बताया कि संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी सदस्य सचिव होंगे।

ब्राह्मण समाज ने कार्यकारिणी गठित कर सदस्यो को दिलाई शपथ

परशुराम जयंती पर रक्तदान शिविर लगाने का लिया निर्णय

बढ़ता राजस्थान

बयाना/ भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। श्री ब्राह्मण समाज समिति बयाना की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को बिजलीघर रोड स्थित परशुराम धर्मशाला पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वैद्य विनोद बिहारी शर्मा रहे। जबकि अध्यक्षता वैद्य शिवराम शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया गया। अतिथियों ने कार्यकारिणी के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष राजाराम उपाध्याय, सचिव नीरज उपाध्याय, उपाध्यक्ष प्रबल शर्मा, कोषाध्यक्ष भगवान सिंह लवानियां, संगठन मंत्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, स्टोर कीपर रघुवेंद्र उपाध्याय, ऑडिटर मुरारी लाल शर्मा को शपथ दिलाने के बाद कार्यकारिणी सदस्य रामबाबू पाठक, पुरुषोत्तम पाराशर, रामकिशोर रावत, गंगाराम शर्मा, नितिन पाराशर, रामेश्वर शर्मा, कैलाश चरौरा, चंद्रप्रकाश, हीरालाल भटेले, रामखिलाड़ी, शंकर पाराशर, मनोज उपाध्याय, गोविंद शर्मा, उत्तम चंद, मनीष, प्रेम नारायण, नवल शर्मा, मदन मोहन, भूदेव, प्रदीप शर्मा को शपथ दिलाई गई। इसके बाद विशेष आमंत्रित सदस्य बांकेबिहारी पांडे, सुखदेव शर्मा, अन्ती शर्मा, वीरेंद्र राजोरिया, कृष्ण कुमार, राकेश उपाध्याय, दीपू पाराशर, हीरालाल को भी शपथ दिलाई गई। ब्राह्मण समाज के विभिन्न भामाशाहों ने धर्मशाला निर्माण विस्तार के लिए राशि प्रदान की और परशुराम जयंती पर रक्तदान शिविर लगाने का प्रस्ताव लिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सभी को एकजुट होकर सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करने की जरूरत है। ब्राह्मण समाज ने हमेशा से समाज को नई दिशा और दशा देने का काम किया है। मेधावी बच्चों के प्रोत्साहन की भी जरूरत बताई।

संस्कृति युवा सम्मेलन ने गूगल गर्ल तेजस्वनि का किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

बयाना/ भरतपुर (सत्यप्रकाश अग्रवाल)। प्रदेश के प्रमुख सामाजिक संस्था संस्कृति युवा सम्मेलन की ओर से बयाना तहसील के गांव महमदपुरा निवासी कक्षा 4 की मेधावी छात्रा तेजस्विनी गुर्जर का सम्मान किया गया। गूगल गर्ल के नाम से मशहूर हो रही 8 वर्षीया तेजस्विनी सामान्य ज्ञान से जुड़े तमाम प्रश्नों का जवाब तत्काल बेबाकी से देती है। संस्था के मुख्य संरक्षक एडवोकेट एचसी गणेशिया ने जयपुर में छात्रा तेजस्वनि और उसके पिता दिनेश गुर्जर को रामलला की प्रतिकृति भेंटकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही तेजस्विनी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले बाल सम्मान पुरस्कार के लिए नामांकित कराने का भरोसा दिलाया।

जेल से बाहर आई बांग्लादेशी महिला डिटेन

पुलिस ने डिटेंशन सेंटर कैंप में पहुंचाया, अवैध तरह से सालों से रह रही थी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। कमिश्नरेट की वेस्ट जिला पुलिस ने रविवार को एक बांग्लादेशी महिला फरजाना उर्फ अनामिका को जयपुर महिला जेल से डिटेन किया। आरोपी महिला बांग्लादेश की होने के बाद भी जयपुर में सालों से रह रही थी।

वैशाली नगर थाना पुलिस ने फरजाना को जयपुर महिला जेल से डिटेन कर उसे निष्कासन के लिए डिटेंशन सेंटर अलवर में दाखिल करवा दिया। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना वैशाली नगर जयपुर में दर्ज एक मामले में साल 2012 में दर्ज एक मामले में आरोपी महिला फरजाना उर्फ अनामिका (33)पत्नी फिरोज उर्फ फैदोस जाति निवासी- चारमन बाड़ी, गोला छीपा, पुलिस थाना फौतुला, जिला नारायणगंज, बांग्लादेश को गिरफ्तार कर जेल भेज भिजवाया था। आरोपी महिला बांग्लादेशी नागरिक है। जो अवैध तरीके से जयपुर में निवास कर रही थी।

इस पर महिला के रविवार को जेल से रिहा होने पर गृह विभाग के आदेश के अनुसार उसे डिटेन किया गया। निष्कासन की कार्रवाई करते हुए बांग्लादेश भिजवाने के लिए डिटेंशन सेंटर कैम्पस केंद्रीय कारागार अलवर में भेज दिया गया है।

कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी के मन की बात

बढ़ता राजस्थान

वैर /भरतपुर (गोपाल पाठक)। भाजपा ग्रामीण मण्डल वैर अध्यक्ष शिवसिंह बेवर के नेतृत्व में गांव रमासपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 117 वी मन की बात को मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं एवम पदाधिकारियों ने सुना। मंडल पर बैठक कर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के द्वारा एवम राजस्थान सरकार में भजनलाल शर्मा के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं को समस्त कार्यकर्ताओं को संबोधित कर बताया गया। सभी कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि केंद्र सरकार वा राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को घर घर जाकर पहुंचाए । कार्यक्रम में मंडल मंत्री प्रेम नारायण बूथ अध्यक्ष सतवीर सिंह, मंडल मंत्री जगदीश सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर द्वारा केलवा में रामद्वारा का उद्घाटन दिव्य सत्संग राम नाम में सारे नाम समाहित : अंतर्राष्ट्रीय संत रामदयाल

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। केलवा क्षेत्र में राम द्वारा के भव्य दिव्य निर्माण कार्य का उद्घाटन अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामदयाल जी महाराज के द्वारा संतों के सानिध्य में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में हजारों भक्तजनों की उपस्थिति के साथ ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरि सिंह राठौड़ ,मार्बल माइंस ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव सिंह राठौड़ ,करणवीर सिंह राठौड़ समेत राज परिवार के सदस्यों की उपस्थिति भामाशाह नरेंद्र बोहरा,महेंद्र कोठारी , नरेंद्र बोहरा, नारायण तेली, नानालाल सिंघल, भरत पालीवाल,सुमित पारीक, सुरेश सोनी , देवी लाल सिंघल समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के प्रेरणा स्रोत स्थानीय संत निर्मल राम महाराज ने सभी संतो भक्तों का आभार व्यक्त करते हुए राम द्वारा के अवाचीन इतिहास बताया साथ ही विराट धर्म सभा को संबोधित करते हुए रामस्नेही संप्रदाय के पीठाधीश्वर रामदयाल महाराज ने बताया कि संत सैनिक और शिक्षक राष्ट्र की अमूल्य धरोहर रहे हैं । सैनिक का कर्तव्य राष्ट्र रक्षा संत की निष्ठा राष्ट्र धर्म सनातन की रक्षा करते हुए समाज को संघ संस्कार देना है शिक्षक का कर्तव्य प्रत्येक युवा को शिक्षित करना है साथ ही बताया की राम नाम में सारे नाम समाहित राम रटे ममता तजे ,जीने के लिए भोजन करो जीवन की सार्थकता सत्संग कीर्तन में है, जाम पर जाम पीने से क्या फायदा, मीरा, ध्रुव, प्रहलाद ने पी जीवन को सार्थक कर दिया, जीवन शमशान की तरफ जा रहा है, इस जीवन को सुधार लो, अपने बालको को संस्कार दो, सत्संग के बाद रामधुनी व भजन कीर्तन हुआ जिसका महिलाओं व पुरुषों ने मंत्र मुक्त होकर नाच कीर्तन किया।

गांवों तक आधारभूत संरचनाओं को मज़बूत करने की जरूरत

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (कमलेश)। दिसंबर के पहले सप्ताह में राजस्थान में आयोजित हुए तीन दिवसीय 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट 2024' सुर्ख़ियों में रहा। इस दौरान करीब 30 ट्रिलियन निवेश से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य को विकास की राह में आगे बढ़ने में मज़बूती मिलेगी। इस समय राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की सबसे अधिक ज़रूरत है। राज्य के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जो आज भी सरकारी योजनाओं की पहुंच से दूर हैं। इन क्षेत्रों के निवासी मूलभूत आवश्यकताएं भी प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुए हैं । वहीं बच्चों को भी उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए संघर्ष करनी पड़ती है। इसमें सबसे अधिक नुकसान किशोरियों और महिलाओं को हो रही है। हालांकि सरकार की ओर से गांव के विकास के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही है. लेकिन सामाजिक जागरूकता और कई अन्य कारणों से ग्रामीण इन योजनाओं का पूरी तरह से लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। राज्य का नाचनबाड़ी गांव भी इन्हीं में एक है। अजमेर से करीब 11 किमी दूर घूघरा पंचायत स्थित इस गांव में लगभग 500 घर है, जहां अधिकतर कालबेलिया और बंजारा समुदाय की बहुलता है। जिन्हें सरकार की ओर से अनुसूचित जनजाति समुदाय का दर्जा प्राप्त है। जबकि कुछ घर आर्थिक और सामाजिक रूप से सक्षम परिवारों के हैं। जिनके घर पक्के नज़र आते हैं ।अधिकतर घर अर्ध निर्मित या झोंपड़ी वाले ही नज़र आएंगे। गांव के अधिकतर युवाओं के पास रोज़गार का कोई स्थाई साधन नहीं है. वह प्रतिदिन मज़दूरी करने अजमेर जाते हैं। जहां कभी काम मिलता है तो कभी पूरे दिन खाली बैठ कर घर वापस लौट आते हैं। गांव की 35 वर्षीय गौरा देवी बताती हैं 'हमारे पास आजीविका का कोई स्थाई साधन नहीं है। पति मज़दूरी करने अजमेर जाते हैं। वह जो कुछ कमाते हैं उससे किसी प्रकार गुज़ारा चलता है। इससे आगे कोई उन्नति नहीं है। इसीलिए हमारा घर झोंपड़ी का है, हमें आज तक किसी योजना का लाभ नहीं मिला है क्योंकि इसका लाभ कैसे मिलता है यह बताने वाला कोई नहीं है।' गौरा देवी के दो बेटे और एक बेटी है जो बकरियां चराने का काम करते हैं वह कहती हैं कि 'गांव में पांचवी तक स्कूल है इसके आगे पढ़ने के लिए 2 किमी दूर घूघरा जाना पड़ता है घर की आमदनी इतनी नहीं है कि बच्चों को घूघरा भेज कर पढ़ाऊं'। वहीं 55 वर्षीय रतननाथ कहते हैं, 'मेरे परिवार में पत्नी और दो लड़के हैं अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए मैं मजदूरी करता हूं। हमारे रहने के लिए एक कच्ची झोंपड़ी है मैंने दो वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर के लिए आवेदन दिया था लेकिन मुझे अभी तक इसका लाभ नहीं मिला है। हालांकि पंचायत के रजिस्टर में मेरे परिवार का नाम दर्ज है।' उन्होंने कहा कि मैं अपनी सीमित कमाई से परिवार चला रहा हूं इसलिए घर में पक्के शौचालय तक बनाने के लिए पैसे जोड़ने में सक्षम नहीं हूं। आर्थिक समस्याओं के कारण ही मेरे बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी है और अब वे मवेशियों को चराने और घर का काम करते हैं । 50 वर्षीय सीता देवी कहती हैं कि मेरे दो बेटे हैं सभी का अपना परिवार है लेकिन किसी के पास भी रोज़गार का स्थाई साधन नहीं है वह सभी मज़दूरी करने अजमेर शहर जाते हैं ।जहां कभी उन्हें काम मिलता है तो कभी खाली हाथ वापस आ जाते हैं। पूरे महीने उन्हें 10 से 15 दिन ही काम मिलता है। जिसमें एक दिन में 300 से 500 रुपए तक ही मिलते हैं। इतनी कम आमदनी में परिवार का भरण पोषण करना बहुत मुश्किल होता है। सरकारी योजनाओं के संबंध में सीता देवी कहती हैं कि घर में शौचालय बनाने के लिए पैसे मिले थे लेकिन वह राशि इतनी कम थी कि इससे पानी की सुविधा के साथ पक्का शौचालय घर नहीं बन सकता है।

हालांकि राजस्थान सरकार की ओर से मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की गई है। इसके तहत राज्य के बेरोजगार युवाओं को रोजगार शुरू करने के लिए बैंक से लोन दिया जाता है. इस योजना में सरकार द्वारा व्यवसाय के आधार पर 25 लाख रुपए से लेकर 10 करोड़ रुपए तक लोन दिया जाता है. योजना के तहत उपलब्ध कराए जाने वाला लोन बैंकों के माध्यम से दिया जाता है। इसमें सरकार द्वारा सब्सिडी भी दी जाती है ताकि युवाओं को ऋण चुकता करने में कोई मानसिक दबाव न पड़े। इसके अतिरिक्त इस वर्ष के केंद्रीय बजट में भी ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर भी खास फोकस करते हुए रोज़गार सृजन की बात की गई है। इसके लिए स्किल डेवलपमेंट से लेकर एजुकेशन लोन, अप्रेंटिसशिप के लिए इंसेंटिव, ईपीएफ में अंशदान के साथ पहली नौकरी पाने वालों के लिए सैलरी में योगदान और न्यू पेंशन सिस्टम के लिए योगदान में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं। (चरखा फीचर्स)

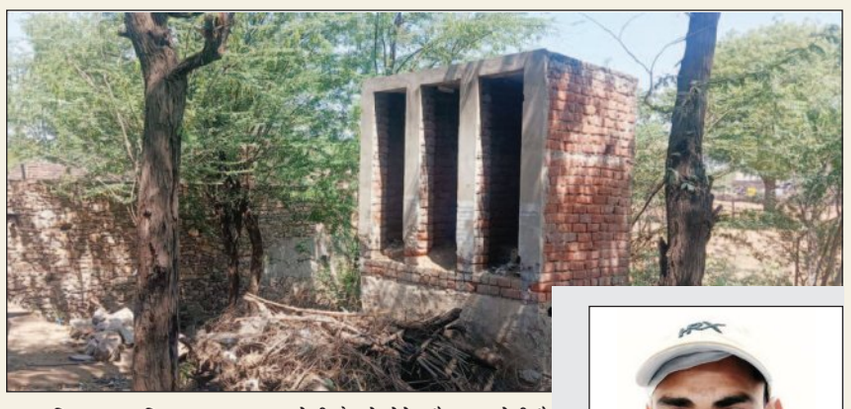

सेहतमंद रहने के लिए नए साल में जरूर सेट करें ये गोल्स

सेहतमंद रहने के लिए सही रूटीन, एक्सरसाइज और सही खान-पान बहुत जरूरी है। अक्सर लोग फिट रहने के लिए, नया साल आने से पहले कुछ गोल्स सेट करते हैं। लेकिन इन गोल्स से आपको फायदा कभी मिलेगा, जब आप इन्हें पूरे साल बिना रूके फॉलो करेंगे। हेल्दी रहने के लिए आपको सही रूटीन और गोल्स को सेट कर इन्हें बिना रूके फॉलो करना है, इससे न केवल बीमारियां आपसे दूर रहेंगी बल्कि वजन भी आसानी से कम होगा।

रोजाना 10000 कदम चलें

हेल्दी रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। आज के समय में लोग दिन भर कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं। ऐसे में इससे आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इस नए साल आपको रोज 10000 कदम चलने को अपने रूटीन में शामिल करना चाहिए। इससे शरीर को मजबूती मिलेगी, पाचन सही होगा, वजन कम होगा और कई बीमारियों से आपका बचाव होगा। अगर शुरुआत में ऐसा करना मुश्किल हो, तो 100 कदम चलने से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे 10000 कदम तक पहुंचें।

योगा जरूर करें

योग न केवल फिजिकल हेल्थ बल्कि मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होता है। शरीर को मजबूती देना, लचीलापन लाने, डाइजेशन सुधारने और हार्मोनल इंबैलेंस समेत कई अन्य चीजों के लिए योगा करना जरूरी हैं। 2024 में आपको सेहतमंद रहने के लिए रोज कुछ मिनट योग जरूर करना चाहिए।

डिनर जल्दी करें

डिनर जल्दी करना सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी है। आजकल एक्सपर्ट हेल्दी रहने के लिए 7-8 बजे से पहले डिनर करने की सलाह देते हैं। बड़े-बड़े सेलिब्रिटी भी अर्ली डिनर को सही मानते हैं। इससे वजन भी कम होता है और डाइजेशन भी सही रहता है। 2024 में आपको इसे अपने रूटीन में जरूर शामिल करना चाहिए।

मेंटल हेल्थ पर भी दें ध्यान

आज के समय में फिजिकल हेल्थ पर लोग भले ही ध्यान देने लगे हैं, लेकिन मेंटल हेल्थ को अभी भी कहीं न कहीं नजरअंदाज करते हैं। सेहतमंद रहने के लिए मेंटल हेल्थ का सही होना भी बहुत जरूरी है। 2024 में इसका भी ख्याल जरूर रखें। रोज 15 मिनट प्राणायाम, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, मेडिटेशन जरूर करें। जिससे स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन और हाई बीपी में आराम मिल सके।

न्यूट्रिशन पर दें ध्यान

शरीर में न्यूट्रिशन की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती हैं। इसलिए, नए साल में सही न्यूट्रिशन पर ध्यान देने को अपने गोल्स में शामिल करें। शरीर में न्यूट्रिशन की कमी होने पर थकान, कमजोरी, सिरदर्द और अपच समेत कई परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट लें।

हर्बल टी को करें डाइट में शामिल

तुलसी, पुदीना, धनिया और अजवाइन समेत कई ऐसी चीजे हैं, जिनसे बनी चाय से शरीर को फायदे मिलते हैं। इस तरह की चाय को अगर आप अपने आहार में शामिल करती हैं, तो इससे बीमारियां आपसे कोसों दूर रहेंगी।

रोज 1 सीजनल फल खाएं

2024 में हेल्दी रहने के लिए रोज 1 सीजनल फल खाएं। मौसमी फल शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं, इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और शरीर में एनर्जी बनी रहती हैं। रोज मिड मील के तौर पर आपको 1 फल को डाइट में शामिल करना चाहिए।

सही नींद लें : पूरी नींद सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी है। नींद की कमी का असर न केवल शरीर की एनर्जी और डाइजेशन पर होता है, बल्कि इससे हार्मोन्स भी इंबैलेंस होते हैं। इसलिए, नए साल में कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। नींद पूरी न होने से शरीर को कई नुकसान हो सकते हैं।

सही मात्रा में पानी पिएं

हेल्दी रहने के लिए सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। शरीर में पानी की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती है। दिन भर में 7-8 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है। डिहाइड्रेशन शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, नए साल में वॉटर इनटेक पर जरूर ध्यान दें।

रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाएं

हेल्दी रहने के लिए समय-समय पर रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाना बहुत जरूरी है। अक्सर लोग हेल्थ चेकअप्स को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे सही समय पर शरीर में मौजूद कमी या बीमारी का पता नहीं चल पाता है। इसलिए, समय-समय पर हेल्थ चेकअप्स करवाएं।

सेहत के लिए किस समय वॉक करना होता है अधिक फायदेमंद?

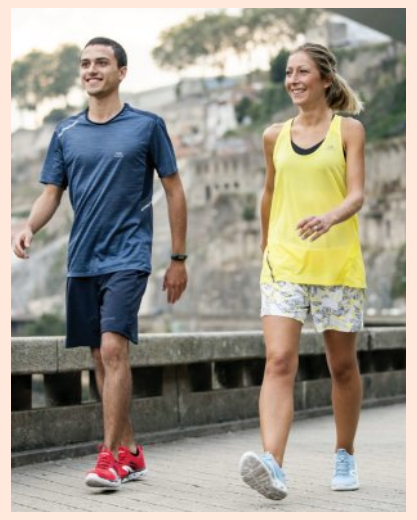

रोज वॉक करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से न सिर्फ आप स्वस्थ रहते हैं, बल्कि कई रोगों से भी दूर रहते हैं। हृदय रोगों के खतरे को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वॉकिंग को सबसे अच्छा व्यायाम माना जाता है। रोज वॉक करने से वजन, हाई बीपी और शुगर, कोलेस्ट्रॉल आदि को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह जोड़ों को लचीला बनाने में मदद करती है। इससे मांसपेशियां टोन होती हैं। रोज पैदल चलने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोगों को खतरा भी कम होता है। इसके अलावा, भी रोज पैदल चलने से कई फायदे मिलते हैं। इसलिए हमेशा यह सलाह दी जाती है कि हरेक व्यक्ति को रोज कम से कम 10 हजार कदम पैदल जरूर चलना चाहिए। लेकिन अक्सर हम देखते हैं कि कुछ लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं, तो वहीं कुछ शाम के समय वॉक करते हैं। ऐसे में लोग इस बात को लेकर काफी असमंजस में रहते हैं कि सेहत के लिए किस समय वॉक करना ज्यादा फायदेमंद होता है?

सुबह वॉक करना कैसे फायदेमंद है

सुबह 45 मिनट हल्की तेज गति से तेज पैदल चलने से आप बॉडी क्लॉक सही तरीके से काम करती है। सुबह वॉक करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। साथ ही, धूप में समय बिताने से विटामिन डी भी मिलता है। सुबह वॉक करने का एक सबसे अच्छा लाभ यह है कि सुबह के समय प्रदूषण बहुत कम होता है। इस दौरान वॉक करना सांस संबंधी समस्याओं वाले लोग भी कर सकते हैं। इससे आलस्य दूर होता है और शरीर में एनर्जी आती है। यह वजन कंट्रोल रखने में भी मदद करता है। सुबह वॉक करने से तनाव कम होता है और नकारात्मकता कम होती है।

शाम के समय वॉक करना कैसे फायदेमंद है

शाम के समय वॉक करने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे डायबिटीज रोगियों में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह आपके द्वारा खाए गए भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में मदद करता है। इससे पाचन क्रिया दुरुस्त होती है और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। शाम के समय वॉक करना दिन भर की टेंशन और चिंताओं को कम करके शरीर को रिलैक्स करने का एक बेहतरीन तरीका है। ऐसा करने से आपको रात में जल्दी और अच्छी नींद आती है। शाम के समय वॉक के दौरान चोट लगने का खतरा कम होता है।

सेहत के लिए सुबह वॉक करना ज्यादा फायदेमंद है या शाम के समय

आपके लिए किस समय वॉक करना ज्यादा फायदेमंद है, यह आपके शेड्यूल पर निर्भर करता है। जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं निश्चित ही वे सुबह की सैर कर सकते हैं। इससे आपकी दिनचर्या बेहतर होती है। लेकिन अगर आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सुबह के समय वॉकिंग के लिए समय नहीं निकाल सकते हैं, तो आपके लिए शाम का समय अधिक अच्छा है। दोनों ही समय वॉक करना आपकी सेहत के लिए लाभकारी होता है। बस आपको ध्यान में यह रखना चाहिए कि रोज कम से कम 10 हजार कदम पैदल जरूर चलें। इसलिए वॉक जरूर करें, फिर चाहें शाम को करें या सुबह के समय।

सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हो गई है डैंड्रफ की समस्या? इन टिप्स से मिलेगी राहत

सर्दियों के मौसम में डैंड्रफ होना एक आम बात है। पर धीरे-धीरे डैंड्रफ इतना ज्यादा हो जाता है कि लोग परेशान हो जाते हैं। बता दें कि ऐसा होना आम है और आप कुछ बातों का ख्याल रख इस परेशानी से बच सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में क्यों होता है डैंड्रफ : वातावरण में बदलाव जैसे बहुत कारण हैं, जिनकी वजह से सर्दियों डैंड्रफ होता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एक बड़ा कारण यह है कि सर्दियों में लोग पानी पीना कम कर देते हैं। इससे ना केवल त्वचा बल्कि स्कैल्प पर भी बुरा असर पड़ता है और डैंड्रफ जैसी परेशानी शुरू हो जाती है।

डैंड्रफ को कैसे करें दूर : सर्दियों के दिनों में डैंड्रफ से बचने के लिए एक्सपर्ट एंटी-डैंड्रफ शैम्पू को बहुत जरूरी बताते हैं। खरीदने से पहले एंटी-डैंड्रफ शैम्पू का पीएच लेवल चेक करें। लगातार एंटी-डैंड्रफ शैम्पू फॉलो करने पर डैंड्रफ की समस्या कंट्रोल रहती है इसके अलावा आपको खुजली करने से भी बचना है। बहुत से लोग डैंड्रफ से परेशानी होकर उसे हाथ सा क्लिप की मदद से स्कैल्प को रब करते हैं, जो एक गलत तरीका है। ऐसा करने से डैंड्रफ की परेशानी और बढ़ती है।

गर्म पानी से क्यों ना धोएं बाल : बालों को गर्म पानी से धोना सही नहीं है। अक्सर लोग सर्दियों में ऐसा करते हैं, पर इससे डैंड्रफ कंट्रोल नहीं हो पाता है। कोशिश करें कि आप बालों को हमेशा गुनगुने और ठंडे पानी से धोएं।

डैंड्रफ को ठीक करने के लिए कैसे खाना खाएं : डैंड्रफ को दूर करने के लिए विटामिन और खनिजों से भरपूर संतुलित आहार खाएं। सही खाना एक बहुत बड़ा बिंदु है, जो आपके डैंड्रफ को कंट्रोल में रख सकता है।

सर्दियों में गुलाबी गाल पाने के लिए अपनाएं ये तरीके, नहीं पड़ेगी ब्लशर लगाने की जरूरत

सर्दी के शुरुआत से ही स्किन में कई तरह की समस्याएं होने लगती है। सर्दी में चलने वाली ठंडी हवाएं स्किन को ड्राई बनाने के साथ ग्लो को भी कम करती हैं। सर्दी की वजह से स्किन का रंग भी काफी डार्क हो जाता है। वहीं अक्सर सर्दी में लडकियां चाहती हैं कि उनके गाल भी अभिनेत्रियों की तरह गुलाबी रहें। गुलाबी गाल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाते है। लेकिन सर्दी में ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। वैसे, तो कई महिलाएं मेकअप के जरिए गालों को गुलाबी करती हैं। लेकिन ऐसा थोड़े समय के लिए ही होता है। हमेशा मेकअप का इस्तेमाल करना संभव नहीं हो पाता है।

एलोवेरा : एलोवेरा की मदद से स्किन को गुलाबी किया जा सकता है। एलोवेरा में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पिंपल्स को कम करने के साथ रंगत को भी निखारते है। इसका इस्तेमाल करने के लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेलमें 1 चम्मच शहद को मिलाकर 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। उसके बाद चेहरे को पानी से वॉश करें। ऐसा नियमित करने से गाल गुलाबी होते है।

टमाटर : टमाटर एक अच्छा नेचुरल स्क्रब है, जो ब्लैकहैड्स व्हाइटहैड्स को हटाकर स्किन को साफ करता है। सर्दी में अगर आप गुलाबी गाल पाना चाहते हैं, तो टमाटर को बीच से काटकर एक हिस्से को लेकर गालों पर हल्के हाथ से मसाज करें। उसके बाद चेहरे को पानी से वॉश करे, ऐसा करने से धीरे-धीरे गालों का रंग गुलाबी होने लगेगा।

हाइड्रेटेड रहें : गालों को गुलाबी बनाने के लिए पानी पीना बहुत जरूरी होता है। सर्दी में प्यास का एहसास कम होता है। ऐसे में समय-समय पर पानी पीते रहें। पानी स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। यह आपके शरीर से सभी अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालंता है। यह त्वचा को अंदर से साफ करके स्वस्थ बनाता है। हर दिन 5 से 8 गिलास पानी पीने से त्वचा में निखार आता है।

नींद : गुलाबी गाल पाने के लिए नींद लेना भी जरूरी होता है। रोज रात को 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लें। पर्याप्त नींद लेने के लिए तनाव से दूर रहें। भरपूर नींद लेने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और स्किन भी खिली रहेगी। कम नींद के कारण चिड़चिड़ापन बढ़ेगा और स्किन का ग्लो भी कम होगा।

शिशु हरे रंग का मल क्यों करते हैं? इसके ये कारण

आमतौर पर शिशु की डाइट में ऐसी कोई चीज शामिल नहीं होती है, जिससे उनकी तबियत खराब हो। इसके बावजूद, उम्र के हिसाब से शिशुओं के मल का रंग बदलता रहता है। कई विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि आप शिशु के मल के रंग से उसकी सेहत का अंदाजा लगा सकते हैं। खैर, कई बार आपने यह भी देखा होगा कि शिशु के मल का रंग हरा होता है। तो क्या यह सामान्य है? या फिर हरे रंग का मल किसी बीमारी की ओर संकेत करता है? कई नई मांओं के मन में इस तरह के सवाल उठ सकते हैं। दरअसल, मौजूदा समय में ज्यादातर लोग न्यूक्लियर फैमिली में रहते हैं। ऐसे घरों में जो महिला नई-नई मां बनी होती है, उसके लिए शिशु का रोना ही नहीं, मल का रंग भी चिंता का कारण बन सकता है। जब बच्चा एक से तीन दिन का होता है और उसका मल हरे रंग का होता है, तो इसे ट्रांजिशनल स्टूल के नाम से जाना जाता है। दरअसल, जन्म के तुरंत बाद शिशु काले रंग का मल त्यागता है, जो धीरे-धीरे समय के साथ हरे में बदलता है। इसके बाद वह ब्राउन और फिर सामान्य रंग यानी पीले रंग में बदल जाता है। इसका मतलब है कि अगर आपका शिशु हरे रंग का मल त्याग करे, तो यह चिंता की बात नहीं होती है।

हाइंडमिल्क और फोरमिल्क में इंबैलेंस

अगर आपका शिशु 3 दिन से लेकर 3 महीने का है, तो इस अवस्था में आमतौर पर मांएं बच्चे को अपना दूध ही पिलाती हैं। वैसे भी इस उम्र में बच्चे को बाहरी चीजें देना सुरक्षित नहीं होता है। लेकिन, अगर इस उम्र में बच्चा पीले मल के बजाय हरा मल त्याग करता है, तो यह सही नहीं है। इसका मतलब है कि बच्चे के पेट में हाइंडमिल्क और फोरमिल्क का इंबैलेंस हो गया है। इसे आप ऐसे समझें कि शिशु को दूध पिलाने की शुरुआत में प्रचुर मात्रा में फोरमिल्क मिल जाता है, जबकि वह बाकी का हाइंडमिल्क नहीं पीपता है। इसे ओवरसप्लाई, या फोरमिल्क और हाइंडमिल्क में असंतुलन के रूप में जाना जाता है। ज्यादा मात्रा में फोरमिल्क लेने की वजह से शिशु को ज्यादा मात्रा में लैक्टोज मिल जाता है, जिस वजह उसके मल का रंग हरा हो जाता है।

दांत निकलने के कारण

अगर आपका बच्चा 3 से 6 महीने के बीच का है, तो यह उम्र शिशुओं में दांत निकलने की होती है। अक्सर जब बच्चे के मुंह में दांत निकल रहे होते हैं, तो उन्हें हरे रंग की पॉटी होने लगती है। यह भी कोई भी विशेष चिंता की बात नहीं होती है। एक समय के बाद शिशु की यह स्थिति अपने आप ठीक हो जाती है। हालांकि, अगर शिशु को बहुत ज्यादा बार पॉटी आए, तो आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

बाहरी खाद्य पदार्थ की वजह से

छह माह से एक साल की उम्र के बच्चे भी हरे रंग का मल त्याग करते हैं। इसकी वजह यह है कि छह माह के बाद बच्चों को कॉम्प्लीमेंटर फूड दिया जाना शुरू हो जाता है। ऐसे में अगर बच्चे को हरी पत्तेदार सब्जियां ज्यादा मात्रा में दी जाए और बच्चा उसे चबाए बिना ही निगल जाए, तो अक्सर बच्चे के मल का रंग हरा हो सकता है।

इंफेक्शन भी है कारण

अगर बच्चे की उम्र एक साल से ज्यादा है और उसकी पॉटी का रंग ग्रीन है, तो इसका मतलब है कि बच्चे को इंफेक्शन हुआ है। रोटावायरस की वजह से बच्चे को इंफेक्शन हो सकता है। साथ ही बच्चे को डायरिया भी हो सकता है। ऐसे मामले में पेरेंट्स को लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर बच्चे को हरे मल के साथ-साथ उल्टी हो रही है, बुखार है, वह लेजी फील कर रहा है, तो उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। इसके अलावा, अगर बच्चा सिर्फ हरे रंग का मल त्याग करे, तो यह चिंता की बात नहीं है। इसे सामान्य समझा जा सकता है।

पार्टनर के संग जनवरी में इन हसीन जगहों पर पहुंचें, नहीं करेगा लौटने का मन

जनवरी साल का एक ऐसा महीना होता है जब पूरे देश में नए साल का जश्न होता है। नए साल के जश्न के माहौल में कपल्स भी हसीन और रोमांटिक ट्रिप का निकल जाते हैं। जनवरी के महीने में भारत के अधिकांश भाग में सर्दियों का मौसम होता है। इस दौरान भारत की कई जगहों का मौसम और प्राकृतिक सुंदरता चरम पर होती है और कई जगहों की खूबसूरती बेहद ही रोमांटिक हो जाती है।

युसमर्ग घाटी

अगर आप जनवरी में भारत की किसी हसीन जन्नत पार्टनर संग घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको युसमर्ग घाटी पहुंच जाना चाहिए। युसमर्ग घाटी जम्मू कश्मीर की हसीन वादियों में मौजूद है। युसमर्ग घाटी की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि इसे जम्मू कश्मीर का भी स्वर्ग माना जाता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान, घने जंगल और झील-झरने युसमर्ग घाटी की खूबसूरती में चार चांद लगाने का कर सकते हैं। बर्फबारी के समय युसमर्ग घाटी की खूबसूरती चरम पर होती है।

औली

उत्तराखंड के मसूरी, नैनीताल, ऋषिकेश या अल्मोड़ा की हसीन वादियों में आप एक बार नहीं, बल्कि कई बार घूमने गए होंगे, लेकिन अगर आप जनवरी में पार्टनर साग घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको औली पहुंच चाहिए। समुद्र तल से करीब 3 हजार मीटर की ऊंचाई पर मौजूद औली उत्तराखंड का स्वर्ग माना जाता है। जनवरी के महीने में जब बर्फबारी होती है, तो इस जगह की खूबसूरती चरम पर होती है। इसलिए जनवरी में कपल्स भी अधिक संख्या में घूमने के लिए पहुंचते हैं। औली में पार्टनर संग नंदा देवी पर्वत, त्रिशूल पीक और व्यू पॉइंट जैसी जगह को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

संगला

हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू मनाली, धर्मशाला, कुफरी और कसोल जैसी चर्चित जगहों पर आप कई बार घूमने गए होंगे, लेकिन अगर आप पार्टनर संग सुकून भरा पल बिताना चाहते हैं, तो फिर आपको सांगला पहुंच जाना चाहिए। समुद्र तल से करीब 9 हजार फीट पर मौजूद सांगला, सांगला घाटी के नाम से भी फेमस है। हिमाचल के किन्नौर जिले में स्थित सांगला कुदरती का असीम भंडार माना जाता है। सांगला बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में भी जाना जाता है। बर्फबारी के समय इस जगह की खूबसूरती चरम पर होती है। यहां पार्टनर संग एडवेंचर एक्टिविटीज भी कर सकते हैं।

बीकानेर

राजस्थान में पार्टनर के संग घूमने की बात होती है, तो लगभग हर कोई जयपुर, जोधपुर, उदयपुर या जैसलमेर शहर का ही नाम लेते हैं, लेकिन अगर आप पार्टनर संग घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो फिर आपको बीकानेर पहुंच जाना चाहिए। जनवरी में यहां अधिक ठंड भी नहीं पड़ती है। सुनहरे रेगिस्तान के बीच में मौजूद बीकानेर की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि यहां विदेशी कपल्स भी घूमने के लिए पहुंचते हैं। बीकानेर ऊंट की सवारी के लिए सबसे अधिक प्रसिद्ध है। बीकानेर में पार्टनर के संग श्री करणी माता मंदिर, जैन मंदिर, बीकानेर किला, लालगढ़ महल और देवीकुंड जैसी बेहतरीन जगह को एक्सप्लोर भी कर सकते हैं।

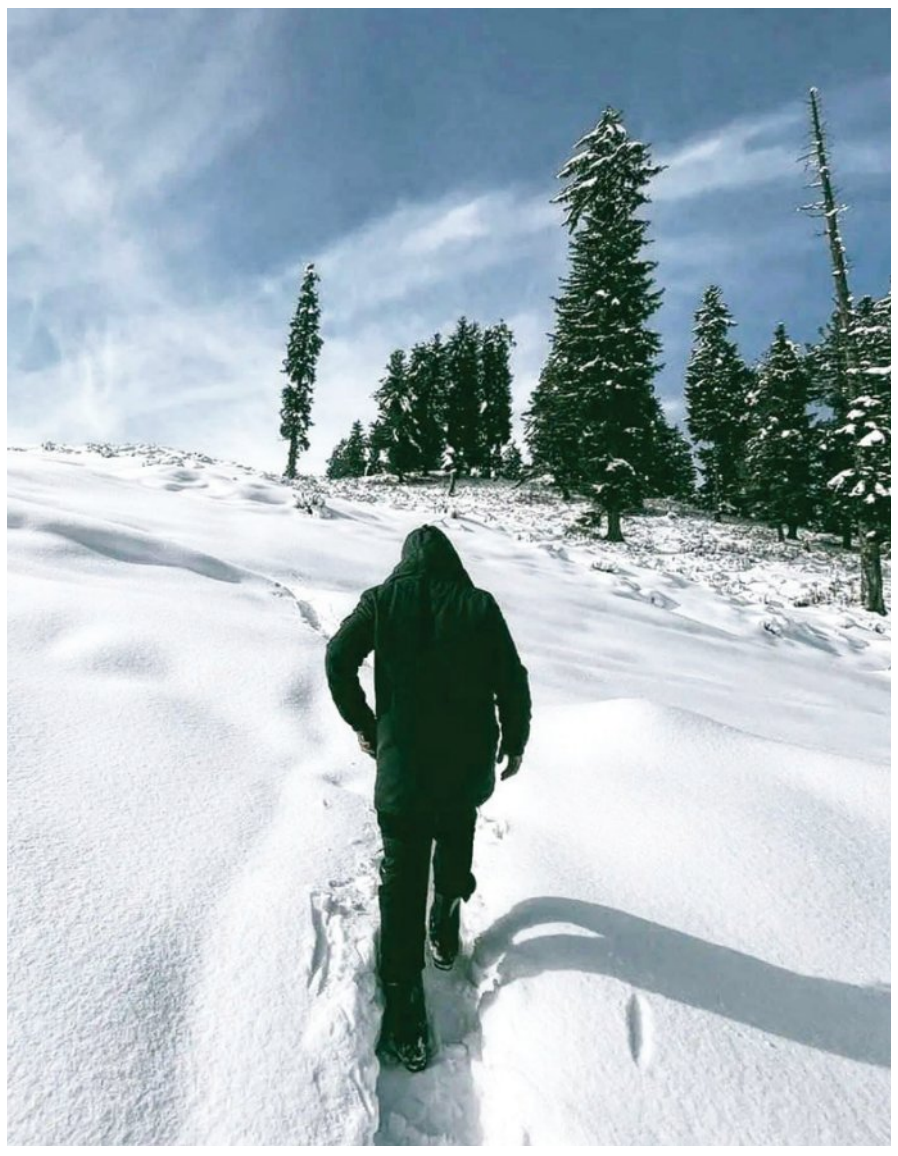

सर्दियों में बच्चों संग बना रहे घूमने का प्लान तो इन बातों का रखें ख्याल, सफल हो जाएगी यात्रा

लगभग हर किसी को घूमना-फिरना काफी पसंद होता है। वहीं बच्चे भी अक्सर पेरेंट्स से घूमाने ले जाने की जिद करते रहते हैं। वहीं कई पेरेंट्स बच्चों के साथ घूमने के लिए भारत की कई हसीन जगहों पर जाते हैं। जहां सर्दियों में कई पेरेंट्स बच्चों के साथ हिल स्टेशन तो कुछ रेगिस्तान में घूमने के लिए जाते हैं। हांलाकि सर्दियों में बच्चों के साथ घूमने जाने के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना होता है। क्योंकि सर्दियों में बच्चों की तबियत जल्दी खराब हो जाती है।

मौसम का रखें खास ख्याल : अगर आप भी बच्चों के साथ ट्रिप प्लान कर रहे हैं। तो आप जिस जगह जा रहे हैं, वहां के मौसम के बारे में जानकारी जरूर ले लें। क्योंकि कई जगहों पर सर्दियों में अचानक बारिश होने लगती है। इसलिए हिल स्टेशन जाने से पहले मौसम के बारे में जरूर देख लें। क्योंकि अगर आप मौसम की जानकारी नहीं लेते हैं, तो आपके बच्चों की तबियत खराब हो सकती है। इसलिए आपकी ट्रिप के दौरान मौसम कैसा रहने वाला है। इस बात की जानकारी जरूर रखें।

पैक कर लें गर्म कपड़े : हिल स्टेशन घूमने जाने के दौरान गर्म कपड़ों को पैक करना न भूलें। घूमने जाने के दौरान स्वेटर, वूलन टोपी, वूलन जैकेट,दस्ताने और रेन कोट पैक कर लें। इसके अलावा जूते (विंटर बूट्स) और 2-3 जुराबें, स्कार्फ, मफलर जरूर पैक करें। इसके अलावा 1-2 कंबल भी जरूर पैक करें।

थर्मल फ्लास्क रखना न भूलें : सर्दियों के मौसम में हिल स्टेशन आदि जैसी जगहों पर नॉर्मल पानी मिल पाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में थर्मल फ्लास्क आपके लिए जरूरी हो जाता है। क्योंकि इसमें पानी लंबे समय तक गर्म रहता है। ऐसे में अगर कहीं पर आपको किसी जगह पर गर्म पानी नहीं मिलता है। तो थर्मल फ्लास्क आपके काम आ सकता है।

जरूर रख लें फर्स्ट एड बॉक्स : अगर आप भी सर्दियों में हिल स्टेशन घूमने जाने के दौरान बच्चे को सर्दी-जुकाम आदि से दूर रहना चाहते हैं। तो फर्स्ट एड बॉक्स जरूर पैक कर लें। फर्स्ट एड बॉक्स में खांसी, सर्दी-जुकाम, बुखार, उल्टी और दर्द आदि की दवा जरूर रख लें। इसके अलावा कटने-फटने की दवाइयां भी रख लें।

स्वर्ग से कम नहीं है भारत की ये जगहें, फोटोग्राफी का शौक रखने वाले तुरंत बनाएं ट्रैवल का प्लान

अगर आपको फोटोग्राफी का शौक है, तो आप अच्छी तरह से जानते होंगे कि खूबसूरत जगहों का फोटोग्राफी से कितना गहरा नाता है। भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जहां संस्कृति और प्रकृति का सुंदर नजारा कैमरे में कैद करना एक हसीन मौके की तरह होता है। रंगीन स्थानों, प्राचीन सुंदरता, नदी के किनारे की पूजा और अनुष्ठानों से लेकर, गंगा के किनारे सुंदर नाव यात्राएं, यह सभी चीजें फोटोग्राफर के लिए एक अवसर की तरह होती है।

वाराणसी या काशी

ट्रैवल फोटोग्राफरों को आकर्षित करने के लिए यह सबसे अच्छा शहर ये हो सकता है। यहां का कल्चर नदी के किनारे की पूजा और गंगा के किनारे सुंदर नाव की यात्रा करने में आपको मजा तो आएगा ही, साथ में तस्वीरें भी लाजवाब आएंगी।

पहाड़ों पर लेना चाहते हैं तस्वीरें?

अगर कुछ हटके चाहते हैं, तो शानदार हिमालय और काराकोरम पर्वतमाला के बीच स्थित, लेह और लद्दाख जा सकते हैं। ये क्षेत्र अपने खूबसूरत हरे-भरे मरुस्थलों और शांत बौद्ध मठों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां बर्फ से ढके पहाड़ और साफ आसमान वाकई आपको हैरान कर देंगे। इन नजारों को देखने के बाद आप सच में मान जाएंगे कि भारत में ऐसी जगह भी है, जहां आसमान बिना प्रदूषण के बिल्कुल साफ होता है।

आगरा

फोटोग्राफरों के लिए आगरा भी स्वर्ग के साथ एक मनमोहक शहर माना जाता है। यहां सफेद संगमरमर की सुंदरता से लेकर प्राचीन चीजें आप कैमरे में कैद कर सकते हैं। इसके सिवा ऐतिहासिक आगरा किला, फ़तेहपुर सीकरी में भी तस्वीरें काफी शानदार आती हैं।

केरल

दक्षिण भारत का राज्य फोटोग्राफी के लिए यहां अनगिनत प्राकृतिक सुंदरताएं मौजूद हैं। इसे भगवान का अपना देश कहा जाता है। केरल अपने बैकवाटर, चाय बागानों और अन्य मसालों के लिए प्रसिद्ध है। यहां के समुद्र तट शांत हैं। साथ ही, ओणम जैसे सांस्कृतिक, पारंपरिक त्योहार और रंग-बिरंगे त्योहार यह साबित करते हैं कि यह तट स्वर्ग है। यहां आपको सुंदर तस्वीरें खीचने के कई मौके मिलेंगे।

जम्मू-कश्मीर की ये जगह

जम्मू-कश्मीर की घाटी में स्थित गुलमर्ग फोटोग्राफरों के लिए स्वर्ग है। यह प्राकृतिक सौंदर्य का नजारा तस्वीरों में लेना एक शानदार मौके के सामान है। यहां बर्फ से ढकी चोटियां, फूलों के बगीचे और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य है।

शिमला- मसूरी

शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी है। यहां भी फोटोग्राफर्स के लिए कई अच्छी जगहें हैं। हरी-भरी पहाड़ियां, ,यहां के मॉल रोड और क्राइस्ट चर्च जैसी जगहों पर अच्छे फोटोग्राफिक दृश्य हैं। यहां के बाज़ार भी बहुत सुन्दर हैं।

दैनिक
बढ़ता राजस्थान
www.badhatarajasthan.in
RNI NO. RAJHIN/2010/35060

जिंदगी में सच के साथ हमेशा चलते रहिये, तो वक्त आपके साथ अपने आप चलने लगेगा।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

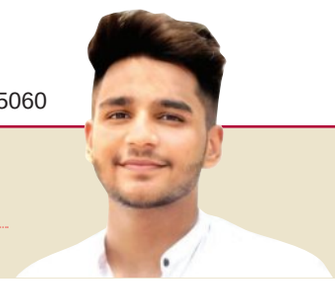

जिले खत्म करने पर रोने लगे लोग, हाईवे जाम किया

भाजपाइयों ने दिए इस्तीफे; नीमकाथाना में ट्रेन रोकने की चेतावनी, सांचौर में आज से महापड़ाव

बढ़ता राजस्थान

नीमकाथाना (सीकर)/अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)। कांग्रेस सरकार के वक्त बने नए जिलों को खत्म करने का हर ओर विरोध शुरू हो गया है। गहलोत सरकार ने 17 नए जिले बनाए थे। भजनलाल सरकार ने इनमें से 9 जिलों और तीन संभागों को समाप्त करने का फैसला लिया है। इसकी नाराजगी अब सड़कों पर आ गई है। संबंधित स्थानों (जो जिले कैंसिल किए गए हैं) पर प्रदर्शन चल रहा है। जिलों को बहाल नहीं करने पर कांग्रेस समेत अन्य संगठनों और लोगों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। अनूपगढ़ जिले के खत्म होने के बाद स्थानीय भाजपा नेताओं ने अपने इस्तीफे सौंप दिए हैं। रविवार दोपहर बाद बीकानेर-श्रीगंगानगर नेशनल हाईवे नंबर 911 पर जाम लगा दिया। शाम साढ़े 5 बजे जाम हटा दिया। नीमकाथाना में टायर जलाकर प्रदर्शन किया। साथ ही आंदोलन उग्र कर ट्रेन रोकने की चेतावनी दी गई।

शाहपुरा में बंद का आह्वान किया गया है। रविवार को शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के लोगों ने बाजार बंद करवाए। यहां बालाजी की छतरी, कुंड गेट, रामद्वारा, त्रिमूर्ति चौराहा, कलिजरी गेट सहित फुलिया गेट के चौराहों पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। इसके बाद दिन में करीब 1.15 बजे शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति की बैठक हुई।

शाहपुरा में दोपहर बाद खुले बाजार

शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के अविनाश शर्मा ने बताया- बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सोमवार सुबह 11 बजे त्रिमूर्ति स्मारक पर मुख्यमंत्री का पुतला जलाएंगे। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय तक मार्च करके जिला कलेक्टर को विरोध स्वरूप ज्ञापन सौंपा जाएगा। सुबह से बंद दुकानें भी दोपहर 1:30 बजे बाद खुल गई।

नीमकाथाना में टायर जलाकर प्रदर्शन किया

नीमकाथाना जिले को खत्म करने के बाद रविवार को 12.30 बजे जिला बचाओ संघर्ष समिति की ओर से रामलीला मैदान में जन आक्रोश सभा रखी गई थी। इस दौरान रामलीला मैदान सर्किल पर टायर जलाकर नारेबाजी की गई थी। विधायक सुरेश मोदी ने बताया-व्यापार महासंघ ने रविवार को मीटिंग कर निर्णय लिया कि 30 दिसंबर से अनिश्चितकाल के लिए मंडी को बंद रखा जाएगा। सब्जी मंडी एसोसिएशन ने भी इसी तरह का निर्णय लिया है।

नीमकाथाना में ट्रेन रोकने की चेतावनी-सभा में आगवाड़ी सरपंच राजकुमार ने कहा- नीमकाथाना आज ही बंद होना चाहिए। कल से आंदोलन उग्र किया जाएगा। पूरी जनता को साथ लेकर आंदोलन होगा। अगर नीमकाथाना को यथावत रखना है। पूरे जिले वासियों को एक होना है। सभी व्यापारियों को एक होना है। नीमकाथाना में अनिश्चितकालीन के लिए बाजार बंद करने हैं। इसके साथ ही ट्रेनों को भी रोक दिया जाएगा। गौरतलब है कि अशोक गहलोत ने मार्च 2023 में प्रदेश में 19 नए जिले और 3 संभाग बनाने की घोषणा की थी। भाजपा सरकार ने इनमें से दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ और सांचौर जिले को निरस्त कर दिया है।

सांचौर में आज से महापड़ाव-सांचौर जिला समाप्त करने के विरोध में पूर्व राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई ने सरकार पर राजनीतिक विद्वेष के आरोप लगाए हैं। उन्होंने शनिवार को एक प्रेसवार्ता में कहा- सांचौर की जनता को लंबे संघर्ष के बाद जिला मिला था। जालोर जिला हमारे यहां से 250 किमी दूर था। पूर्व कांग्रेस सरकार ने लोगों को राहत देकर सांचौर को जिला बनाया था, लेकिन अब सरकार ने उसे निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ रविवार दोपहर एक बजे स्थानीय अधिकारियों को ज्ञापन दिया । इसके बाद सोमवार से कलेक्ट्रेट के बाहर महापड़ाव डाला जाएगा।

भजनलाल ने पार्टी के दबाव में मौका खो दिया : गहलोत

जयपुर। कांग्रेस राज में बने 9 नए जिले खत्म करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। आम लोग सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करने लगे हैं तो राजनीतिक विरोध भी होने लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिले खत्म करने के फैसले पर भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- हमने पूरी तैयारी के बाद नए जिले बनाए थे। भजनलाल शर्मा ने अपनी पार्टी के दबाव में एक मौका खो दिया है। गहलोत ने भैरोसिंह शेखावत के समय बने जिलों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय कौनसा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप था। अशोक गहलोत ने रविवार को सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा- मंत्री सरकार के फैसले का बचाव नहीं कर सकते, इसलिए रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स को आगे किया है।

भैरों सिंह ने जब जिले बनाए तब कौनसा इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप किया था-अशोक गहलोत ने कहा- छोटे जिलों में सरकारी योजनाओं को अच्छे से लागू किया जा सकता था। पिछले एक साल में सरकार का काम नहीं कर पाने का परसेप्शन बन गया है। प्रदेश के साथ ही बाहर भी लोग पूछ रहे हैं कि सरकार काम क्यों नही कर पा रही है। गहलोत ने कहा- इनको पहली बार विधायक बनने पर ही मुख्यमंत्री बना दिया गया। हमने भी कहा- इन्हें काम करने का मौका मिलना चाहिए, इसलिए भी हम कम बोलते थे। बीजेपी वाले बताएं कि जब भैरों सिंह शेखावत ने जिले बनाए थे। उन्होंने कहा- देश मे कहीं भी जिला बनाने से पहले कलेक्टर ऑफिस और एसपी ऑफिस नहीं खोले गए।

मंत्री बोले-जहां विरोध होगा वहां सरकार फिर से विचार करेगी

जोधपुर। प्रदेश सरकार के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी आज जोधपुर जिले में जल जीवन मिशन की बैठक लेने के लिए जोधपुर पहुंचे। इस दौरान नए जिलों को लेकर कहा कि जो जिले मापदंड में नहीं थे उन्हें हटाया गया। हमने 2011 की जनगणना के अनुसार मापदंड है उसके आधार पर जिलों को लेकर निर्णय किया गया। जिन जिलों में शुरूके करने लायक काम भी नहीं है वहां जिला कलेक्टर कैसे काम कर पाएगा। इसलिए हमने बिना किसी भेदभाव के ऐसे जिले हटवाए। देश में औसत जिलों का एवरेज 20 लाख आबादी है। हम इसका 50 प्रतिशत कम कर सकते हैं। लेकिन तीन तीन लाख की आबादी पर जिले कैसे बना सकते हैं। इसलिए जितने भी जिले हटें हैं वो मापदंड पूरा नहीं कर रहे थे। आगे भी कोई भी जिले बने या इन जिलों को हटाने को लेकर कहीं पर भी विरोध होता है तो ऐसे गांव जो 10 लाख ली आबादी से जुड़ना चाहते हैं उन्हें लेकर विचार किया जा सकता है। राजस्थान में जेजेएम का काम पूरा नहीं हुआ-कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन को लेकर जो काम राजस्थान में मार्च 2024 तक पूरा होना था उसे हम समय पर पूरा नहीं कर पाए। पूरे भारत में सब जगह काम हो गया लेकिन राजस्थान में नहीं कर पाए। हमारे जितने भी पुराने ट्यूबवेल, बोरवेल, हैडपंप हैं उन्हें दुरुस्त करवाने का काम किया जा रहा है। पांच साल पुराने जो भी है हैडपंप हैं उनकी डिटेल मंगवाई जा रही है। कहीं पर पानी लीकेज हो रहा है, कई पर पानी की चोरियां की जा रही है। इन सभी पर मीटिंग में चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि जहां भी खुले बोरवेल है उससे भविष्य में हादसे नहीं हो इसको लेकर निर्देशित किया गया है।

कांग्रेस बोली-मनमोहन को गन सैल्यूट के दौरान मोदी बैठे रहे:परिवार को जगह नहीं मिली

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक विवाद के बाद कांग्रेस ने अब उनके उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार में सरकार की तरफ से अव्यवस्था और अनादर देखकर हैरानी हुई। खेड़ा ने 9 पॉइंट में अंतिम संस्कार से जुड़ी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के परिवार के लिए 3 ही कुर्सियां रखी गईं। परिवार के बाकी लोगों को कुर्सियां मांगनी पड़ीं। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर ये आरोप भी लगाया कि जब डॉ. सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और गन सैल्यूट दिया गया तो पीएम मोदी और मंत्री खड़े नहीं हुए।

पाली में दम्पति की कमरे में मिली बॉडी

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा- सिंगड़ी के धुएं से दम घुटने से ही हुई मौत, बेटे ने जताई थी मौत पर शंका

बढ़ता राजस्थान

पाली। पाली में कमरे में दंपती की डेडबॉडी मिली। बेटा लगातार कॉल कर रहा था। जब फोन नहीं उठाया तो वह घर पहुंचा। वहां माता-पिता अचेत मिले। पुलिस का कहना है कि कमरे में वे अंगीठी जलाकर सोये थे, हो सकता है दम घुटने से मौत हुई हो। बेटे का कहना है कि उसी कमरे में एक रिश्तेदार भी था, उसे कुछ नहीं हुआ। मामला शहर के रामलीला मैदान इलाके में शहीद नगर का है। रविवार सुबह 8 बजे पति-पत्नी के शव मिले। घटना को लेकर मृतक के बेटे ने आशंका जताते हुए कहा कि कमरे में उसके रिश्ते के मामा थे वे सिंगड़ी के धुंए से फिर उन्हें कोई नुकसान क्यों नहीं हुआ। इस पर पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। जिसमें सामने आया कि सिंगड़ी के धुंए से दम घुटने से ही दम्पति की मौत हुई। कोतवाली थाना इंचार्ज किशोर सिंह ने बताया- शहर के शहीद नगर कॉलोनी के मकान में कमरे में घेवरदास (53) पुत्र लक्ष्मी दास और उनकी पत्नी इंद्रा देवी (48) मृत मिले।

प्रदेश के 11 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

जयपुर सहित तमाम शहरों में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम हुई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर सहित राजस्थान के तमाम शहर रविवार सुबह कोहरे की चादर में लिपटे रहे। घना कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रह गई। नागौर, सीकर, दौसा, भरतपुर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, चूरू, टोंक, कोटा आदि शहरों में हाईवे पर गाड़ियां रेंगती नजर आईं। दिन में हेडलाइट जलाकर गाड़ियां चलानी पड़ी। दोपहर 12 बजे के आसपास अच्छी धूप खिली।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर शनिवार को खत्म हो गया। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने राज्य में नए साल के आगमन तक तेज सर्दी पड़ने और न्यूनतम तापमान में बड़ी गिरावट होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही आज (रविवार) राज्य के 28 जिलों में घने कोहरे पड़ने की चेतावनी जारी करते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इन्हीं 28 में से 11 जिलों में कोल्ड-वेव (शीतलहर) चलने की भी चेतावनी जारी की है। 1 जनवरी को राहत की संभावना-जयपुर, बीकानेर, अजमेर, जोधपुर संभाग के जिलों में कल (शनिवार) देर रात शीतलहर चली। तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। 1 जनवरी से प्रदेश में मौसम साफ होने और कोहरे, शीतलहर से राहत की संभावना है। हालांकि सर्दी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है।

जयपुर में फूड डिलीवरी बॉय की मौत : कस्टमर ऑर्डर लेकर था निकला, ट्रक ने मारी बाइक को टक्कर

जयपुर। जयपुर में रोड एक्सीडेंट में फूड डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। वह कस्टमर का ऑर्डर लेकर डिलीवरी के लिए निकला था। उसकी बाइक को ओवर स्पीड ट्रक ने टक्कर मारी थी। एक्सीडेंट थाना पुलिस ने शनिवार को पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। हेड कॉन्स्टेबल संजय कुमार ने बताया- हादसे में भरतपुर के रहने वाले सोनवीर (21) की मौत हो गई। वह जयपुर के मानसरोवर में रहकर जोमेटो कंपनी में फूड डिलीवरी बॉय था।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन का 5वां दिन

भूख हड़ताल भी जारी; डिप्टी सीएम बोले- 40 हजार लोगों का रोजगार छिनेगा, एलजी बात सुनें

बढ़ता राजस्थान

रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है।